- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- मुझे सर नहीं कहें मैं आपका भाई हूं - 12

- आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बोले-नीतिगत दर में अभी और कटौती की गुंजाइश - 12

- ट्रंप बोले- हमास ने बंधकों को नहीं छोड़ा तो की जाएगी जवाबी कार्रवाई - 13

- वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में प्रत्येक विकेट पांच विकेट लेने जैसा लगाः सिराज- 14

आज का मौसम

31.0° अधिकतम तापमान

18.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.13

सूर्यास्त 05.42

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष दशमी 10:35 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 327, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

दीपावली पर साजिशकर्ता को उसी की भाषा में मिलेगा जवाब : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने दी कड़ी चेतावनी, उज्ज्वला योजना के 1.86 करोड़ लाभार्थियों को दी सौगात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ के लोक भवन सभागार में पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी वितरित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: सीएम योगी आदित्यनाथ ने दीपावली पर रंग में भंग डालने वाले साजिशकर्ताओं को दो टूक चेतावनी दे दी है। स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो जिस भाषा में समझेगा उसे उसी की भाषा में जवाब मिलेगा और सलाखों के पीछे होगा। मुख्यमंत्री बुधवार को लोक भवन में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान योगी ने उज्ज्वला योजना के 1.86 करोड़ लाभार्थियों को दीपावली की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीपावली के पहले यह प्रदेश के गरीब परिवारों के लिए एक बड़ा उपहार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों का उद्देश्य यही है कि हम अकेले नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से इस उत्साह का हिस्सा बनें। वर्ष 2021 में राज्य सरकार ने तय किया था कि वर्ष में दो बार होली और दीपावली के अवसर पर उज्ज्वला योजना के सभी लाभार्थियों को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। योगी ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में सभी त्योहार, होली, दीपावली, ईद, क्रिसमस, गुरु पर्व, जन्माष्टमी या रामनवमी पूरी शांति, सौहार्द और उमंग के साथ मनाए गए हैं। अब वह सरकार नहीं है जो दंगाइयों के सामने घुटने टेक दे। कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ ईमानदारी से उन गरीबों, वंचितों और दलितों तक पहुंचाए, जो इसके पात्र हैं। आजादी के बाद पहली बार गरीबों को बिना भेदभाव के योजनाओं का लाभ तब मिलना शुरू हुआ जब देश के प्रधानमंत्री मोदी बने।

2014 के पहले गैस कनेक्शन लेना भी एक संघर्ष था, लेकिन मोदी जी ने 11 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिलाए। अकेले उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवारों को इसका लाभ मिला है। इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा, सांसद संजय सेठ, बृजलाल, लखनऊ की महापौर समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद रहे। सीएम ने सांकेतिक तौर पर जिन नौ महिलाओं के खाते में मंच से सब्सिडी अंतरित की उनमें सोनी, रीता, निशा चौहान, सबीना, सईदा बानो, सारिका यादव, पार्वती, बीना कुमारी, रेशमा खान शामिल रहीं।

बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ तो यमराज टिकट काटेंगे

मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि सरकार की नीति स्पष्ट है। अगर किसी ने बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया, तो अगले चौराहे पर यमराज टिकट काटने के लिए खड़ा होगा। यदि किसी को यमराज से टिकट कटवाना हो तो वह किसी राह चलती बेटी के साथ छेड़खानी करके देख ले। यह हमारी वचनबद्धता है कि हर बेटी, हर व्यापारी, हर राहगीर को सुरक्षा देंगे।

स्वदेशी उत्पाद अपनाएं

योगी ने अपील की कि इस दिवाली पर जो भी खरीदें, वह स्वदेशी हो। हमारे कारीगर, हस्तशिल्पी, स्थानीय उद्यमी जो भी बनाएं, वही खरीदें। हमारे घर में जो दीपक जले, वह हमारे ही कुम्हार द्वारा बना हो। लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां हमारे कारीगरों की बनाई हों, विदेश से नहीं। बोले, हमें हर त्योहार पर किसी एक गरीब, बेसहारा या जरूरतमंद बच्चे की मदद करनी चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे बेचने-फोड़ने की मिली अनुमति

सुप्रीम कोर्ट ने 18 से 21 तक के लिए दी स्वीकृति

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीजेआई बोले- नहीं करेंगे पर्यावरण से समझौता संतुलित नीति अपनानी जरूरी

दीपावली से पहले बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली और एनसीआर में हरित पटाखों की बिक्री और उनके इस्तेमाल की अनुमति दे दी। हालांकि, यह अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी गई है, जिनका उद्देश्य परंपराओं का सम्मान करते हुए पर्यावरण और जनस्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन बनाए रखना है।

कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि हरित पटाखों का उपयोग दीपावली और उससे एक दिन पहले कुछ घंटों तक ही किया जा सकेगा। हालांकि, 18 से 20 अक्टूबर को दिवाली वाले दिन तक हरित पटाखों की बिक्री की अनुमति होगी। यह भी कहा कि छूट केवल प्रायोगिक आधार पर दी है, यह निर्दिष्ट अवधि के लिए होगी। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने केंद्र और दिल्ली सरकार के संयुक्त अनुरोध और 2024 में दिल्ली सरकार द्वारा पहले लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध के मद्देनजर छूट देने का अनुरोध करने वाले हरित पटाखों के विनिर्माताओं की याचिका को स्वीकार कर लिया। अदालत ने कहा, गंभीर पर्यावरण प्रदूषण के परिणामस्वरूप गंभीर स्वास्थ्य खतरे पैदा होते हैं। उसने कहा, पटाखे फोड़ना उत्सव की भावना की अभिव्यक्ति है और यह भारत के सांस्कृतिक परिवेश में अंतर्निहित धार्मिक तथा अन्य शुभ समारोहों में उत्साह बढ़ाता है। सीजेआई ने 21 पन्नों के आदेश में कहा, हालांकि, केवल परंपराओं और सांस्कृतिक या धार्मिक मानदंडों के आधार पर अनियंत्रित उपयोग से स्वास्थ्य को दीर्घकालिक या यहां तक कि अल्पकालिक नुकसान पहुंचाने की स्थिति पैदा नहीं हो सकती है। हम यह दोहराए बिना नहीं रह सकते हैं कि इस न्यायालय ने पहले भी कई बार कहा है कि जब पर्यावरण और स्वास्थ्य की बात आती है तो व्यावसायिक विचारों और उत्सव की भावना को पीछे छोड़ देना चाहिए।

केवल क्यूआर कोड वाले पटाखे ही बेचे जाएं

न्यायालय ने कहा कि पुलिस प्राधिकरण इस बात पर नजर रखने के लिए गश्ती टीमों का गठन करेगा कि केवल क्यूआर कोड वाले पटाखे ही बेचे जाएं। नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के लिए उल्लंघन नोटिस संलग्न किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

महाभारत, चंद्रकांता के स्टार पंकज धीर नहीं रहे

मुंबई। बीआर चोपड़ा के मशहूर धारावाहिक महाभारत में कर्ण और चंद्रकांता में राजा शिवदत्त की भूमिका निभाने के लिए मशहूर टेलीविजन अभिनेता पंकज धीर का कैंसर के चलते 68 वर्ष की आयु में निधन हो गया। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने बताया, आज सुबह कैंसर के कारण उनका निधन हो गया। पिछले कुछ महीनों में उन्हें कई बार अस्पताल जाना पड़ा। पंजाब से ताल्लुक रखने वाले धीर ने 1980 के दशक में अभिनेता के रूप में अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत की थी।

आईआईटी भुवनेश्वर और सेना में करार

भुवनेश्वर। आईआईटी भुवनेश्वर और सेना के सिम्युलेटर विकास प्रभाग (एसडीडी) ने संवर्धित वास्तविकता (एआर), आभासी वास्तविकता (वीआर), एआई, रोबोटिक्स और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों में उन्नत अनुसंधान, प्रशिक्षण और नवाचार पर सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। ऑनलाइन माध्यम से एसडीडी, सिकंदराबाद के कमांडेंट ब्रिगेडियर जी एस बेदी और आईआईटी-भुवनेश्वर के डीन (प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श) प्रोफेसर दिनकर पासला ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

दुधवा टाइगर रिजर्व में नवंबर से होगी वन्य जीवों की गणना

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- गणना के लिए दुधवा के फील्ड डायरेक्टर पूरे प्रदेश के नोडल नियुक्त

अमृत विचार: भारत सरकार की ओर से वन्य जीवों की गणना की तैयारी शुरू कर दी गई है। वन्य जीवों की गणना के लिए दुधवा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डॉ. एच राजामोहन को पूरे प्रदेश का नोडल नियुक्त किया गया है। नवंबर महीने से शुरू हो रही वन्य जीवों की गणना का मुख्य केन्द्र दुधवा टाइगर रिजर्व रहेगा।

वन्य जीवों की गणना के लिए दुधवा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डॉ. एच राजामोहन को पूरे प्रदेश का नोडल नामित किया गया है। वह दुधवा के साथ ही सोहागी बरूआ, बिजनौर सहित अन्य जिलों में भी मॉनिटरिंग करेंगे। वन्य जीवों की वर्ष 2022 में हुई गणना में 135 बाघ पाए गए थे। अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष पूरे दुधवा टाइगर रिजर्व में 200 बाघ मिलने की संभावना है। वन्य जीवों की गणना के लिए पीलीभीत, दुधवा नेशनल पार्क के मैलानी, संपूर्णानगर रेंज में पहले चरण में ट्रैप कैमरा लगाया जाएगा। दूसरे चरण में दुधवा और किशनपुर के साथ बफरजोन और तीसरे चरण में कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार में ट्रैप कैमरे लगाकर वन्य जीवों की गिनती की जाएगी। कैमरे दो किमी की परिधि में लगाए जाने हैं, जो 45 से 50 दिनों तक वन्य जीवों के मूवमेंट की निगरानी करेंगे। हिरण, गैंडा, हाथी के साथ जंगल के ग्रास लैंड की जानकारी भी जुटाई जाएगी। बाघों की गणना का भी कार्य होगा। दुधवा के वफर जोन के उप निदेशक नवीन खंडेलवाल का कहना है कि वन्य जीव गणना के लिए लगभग सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

इसलिए गणना जरूरी

दुधवा के फील्ड डायरेक्टर का कहना है कि वन्य जीवों की गणना इसलिए की जाती है ताकि उनके संरक्षण, प्रबंधन और भविष्य की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण डेटा इकट्ठा किया जा सके। यह गणना हमें वन्यजीवों की वर्तमान स्थिति, उनकी जनसंख्या में हो रहे बदलाव, उनके आवास और संरक्षण के प्रयासों की प्रभावशीलता को समझने में मदद करती है।

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ तकनीकी सहयोग निभाएगा

गणना में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ (विश्व प्रकृति निधि) तकनीकी सहयोगी की भूमिका निभाएगा। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के विशेषज्ञ कैमरों से डेटा लेकर एनटीसीए (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथार्टी) को एनालिसिस के लिए भेजेंगे। अधिकारियों का कहना है कि वन्य जीवों की गणना का आंकड़ा वर्ष 2026 में जारी किया जाना है। गणना में दुधवा टाइगर रिजर्व और पीलीभीत टाइगर रिजर्व के कैमरों को एक साथ इस्तेमाल किया जाएगा।

सज गई राम की पैड़ी

अयोध्या : दीपोत्सव के लिए अयोध्या सज-धजकर तैयार है। बुधवार को यहां भव्य लेजर लाइट शो का ट्रायल हुआ। इस दौरान राम की पैड़ी लाइट से जगमगाती रही।

भारत संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के लिए 7वीं बार निर्वाचित

न्यूयॉर्क। भारत को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 2026-28 के कार्यकाल के लिए चुना गया है, यह भारत का सातवां कार्यकाल होगा। यूएनएचआरसी ने चुनाव के नतीजों की घोषणा करते हुए एक कहा कि भारत का तीन वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी, 2026 से शुरू होगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने समर्थन देने के लिए प्रतिनिधिमंडलों का सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में आभार व्यक्त किया।

- तीन वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी, 2026 से होगा शुरू

उन्होंने कहा, भारत आज सातवीं बार 2026-28 के कार्यकाल के लिए मानवाधिकार परिषद के लिए चुना गया है। यह चुनाव मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में 47 सदस्य देश हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा में समान भौगोलिक वितरण नियमों के तहत तीन साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। भारत 2006 में परिषद के गठन के बाद से लगातार इसका सदस्य रहा है, सिवाय 2011, 2018 और 2025 के।

पूर्व सैनिकों के लिए वित्तीय मदद में 100% वृद्धि को मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में 100 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए कल्याणकारी योजनाएं केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा संचालित की जाती हैं। निराश्रयता अनुदान को प्रति लाभार्थी 4,000 रुपये से दोगुना करके 8,000 प्रति माह कर दिया गया है।

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत दी मंजूरी

जुबिन मामला : प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प

गुवाहाटी, एजेंसी

असम पुलिस ने गायक जुबिन की मौत के मामले में गिरफ्तार पांच आरोपियों को बुधवार को बक्सा जेल लाए जाने के दौरान उनके वाहनों पर पथराव करने वाली उत्तेजित भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया।

पुलिस ने बताया कि भीड़ ने काफिले पर हमला किया, कुछ वाहनों में आग लगा दी और पथराव किया। जिला आयुक्त गौतम दास ने बताया कि मुशालपुर शहर और जेल के आसपास के इलाकों में बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है, जबकि अगले आदेश तक पूरे बक्सा जिले में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि झड़प के दौरान पुलिसकर्मियों, पत्रकारों और स्थानीय निवासियों समेत कई लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी मुशालपुर इलाके में जेल के बाहर एकत्र हुए और जैसे ही आरोपियों को जेल ले जाने वाले वाहनों का काफिला पहुंचा, उन्होंने वाहनों पर पथराव शुरू कर दिया। कुछ लोगों ने तो यह भी मांग की कि जुबिन के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए आरोपियों को जनता के हवाले कर दिया जाए। काफिला जेल परिसर में घुसने में सफल रहा, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने घेरा तोड़ने की कोशिश करते हुए गेट पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की।

- आरोपियों को दूसरे जेल में शिफ्ट करने पर बवाल,जेल के बाहर वाहनों में आग लगाई

जदयू ने 57 उम्मीदवार मैदान में उतारे

बिहार विस चुनाव

- राजग गठबंधन के तहत 101 सीटों पर लड़ रही है चुनाव

पटना, एजेंसी

जनता दल (यूनाइटेड) ने बुधवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने 57 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें पार्टी ने अनुभव और सामाजिक संतुलन का ध्यान रखते हुए कई मौजूदा मंत्रियों, वरिष्ठ नेताओं तथा चर्चित चेहरों पर भरोसा जताया है। पार्टी की ओर से जारी सूची में विजय कुमार चौधरी, श्रवण कुमार, मदन सहनी, रत्नेश सदा और महेश्वर हजारी के नाम शामिल हैं। पार्टी ने इन सभी मौजूदा मंत्रियों पर भरोसा बरकरार रखा है।

भाजपा ने जारी की दूसरी सूची, गायिका मैथिली ठाकुर को टिकट

नई दिल्ली। भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए बुधवार को 12 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की, जिसमें गायिका मैथिली ठाकुर को अलीनगर सीट से और पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा को बक्सर से मैदान में उतारा गया है। इसके साथ ही भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अब तक कुल 83 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने मंगलवार को 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी।

सूची में कई ऐसे नाम भी हैं जो हाल में राजनीतिक रूप से चर्चा में रहे हैं। इनमें पूर्व मंत्री श्याम रजक और बाहुबली नेता अनंत कुमार सिंह प्रमुख हैं। करीब एक वर्ष पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) छोड़कर जद(यू) में वापसी करने वाले श्याम रजक को पार्टी ने टिकट दिया है। मोकामा के बाहुबली नेता अनंत कुमार सिंह को भी जद(यू) ने अपना प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी ने वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार टिकट वितरण में अधिक सतर्कता बरती है और जीत की संभावना वाले क्षेत्रों पर फोकस किया है। जद(यू) इस बार 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि 2020 में उसने 115 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और 43 सीटों पर जीत हासिल की थी।

सख्ती

सीएम योगी की आम जनता से अपील, संदिग्ध खाद्य सामग्री का इस्तेमाल न करें और सूचना तुरंत विभाग को दें

व्हाट्सएप पर दें मिलावट की सूचना, सरकार लेगी एक्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिलावटी, नुकसानदेह खाद्य सामग्री पर योगी सरकार का बड़ा प्रहार
- 2993 क्विंटल मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त, 1155 क्विंटल नष्ट
- उन्नाव, मथुरा और लखनऊ में दर्ज कराई गईं तीन एफआईआर

अमृत विचार: प्रदेश में दीपावली के त्योहार को सुरक्षित और स्वास्थ्य के अनुकूल बनाने के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी ने अपना सख्त रुख दिखाया है। सरकार ने आमजन से अपील की है कि अगर कहीं भी खाद्य पदार्थों में मिलावट, नकली उत्पादों का निर्माण या विक्रय अथवा संगठित रूप से मिलावट का कारोबार होने की जानकारी मिले, तो गुपचुप जानकारी तुरंत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को दें।

इसके लिए विभाग द्वारा विशेष हेल्पलाइन और व्हाट्सएप नंबर जारी किए गए हैं। गोपनीय शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नंबर 1800-180-5533 पर कॉल की जा सकती है। मिलावटी या नकली खाद्य पदार्थ से संबंधित सूचना व्हाट्सएप नंबर **9793429747** पर भेजी जा सकती है। वहीं, अगर किसी को नकली या घटिया दवाइयों के निर्माण या बिक्री की जानकारी मिले, तो उसकी सूचना व्हाट्सएप नंबर 8756128434 पर भेजी जा सकती है। सरकार ने कहा है कि ऐसी शिकायतों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 08 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक दीपावली विशेष अभियान के तहत अब तक प्रदेश भर में 4621 निरीक्षण, 2085 छापे और 2853 नमूनों की जांच की। कुल 2993 क्विंटल मिलावटी और अस्वास्थ्यकर खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसका अनुमानित मूल्य 3.88 करोड़ रु. है। मानव उपभोग के योग्य नहीं होने पर 1155 क्विंटल सामग्री नष्ट की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1.75 करोड़ रु. है। उन्नाव, मथुरा और लखनऊ में भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत तीन प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं।

टोल प्लाजा और हाईवे पर भी चला अभियान

टोल प्लाजा और हाईवे पर भी अभियान की कार्रवाई में बड़ी जब्तियां शामिल हैं। साहिबाबाद टोल पर 750 किलो पनीर, हापुड़ टोल छिजारसी पर 1500 किलो पनीर, एनएच 34, जीटी रोड कानपुर से 4040 किलो खोया, बाराबंकी टोल से 910 कार्टन मिलावटी मिठाई, और कानपुर पनकी रोड से 2450 किलो खोया नष्ट किया गया।

त्योहारों पर आम नागरिकों के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। शीघ्र नष्ट होने वाली सामग्री मौके पर ही जब्त और विनष्ट की जाती है, जिससे उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। – डॉ. रोशन जैकब, सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बा स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र पर प्री-प्राइमरी शिक्षा से संबंधित वंडर बाक्स के संबंध में आंगनबाड़ी व बाल वाटिका कार्यकत्री, नोडल शिक्षक के क्षमता संवर्धन के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला मंगलवार को शुरु हुई और बुधवार को समापन किया गया। कार्यशाला में एसआरजी अमित पाठक, वैभव जैसवार ने वंडर बाक्स से संबंधित विस्तार से जानकारियां दी।

सड़क का नाम प्रधानमंत्री की मां के नाम पर हो

पीलीभीत, अमृत विचार : गांधीग्राम-बिलगांव सड़क का नामकरण प्रधानमंत्री की मां की स्मृति में कराने की मांग की गई है। दिशा की बैठक में पहुंचे केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद व अधिकारियों के समक्ष पीलीभीत विनियमित क्षेत्र की बेहतर निबंधन राजस्व देने वाली गांधीग्राम-बिलगांव सड़क का नामकरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता की स्मृति में करने की मांग इस मांग जगदीश बिहार कॉलोनी के निवासी ईंट भट्टा व्यवसायी महेश वाधवानी ने की। इसका मांग पत्र भी सौंपा गया।

जुआ खेलते दो युवक गिरफ्तार

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला में तैनात एसएसआई मोहम्मद आरिफ ने थाना गजरौला में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर उन्होंने दयाल भटटे के सामने बने आम के बाग में छापेमारी की। पुलिस को मोके पर दो व्यक्ति ताश के पत्तों से जुआ खेलते मिले। आरोपियों ने पूछताछ में अपने नाम महेंद्र उर्फ महेश निवासी ग्राम बिठौरा कलां और गोपाल निवासी बिठौरा कलां बताया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक हजार रुपये और ताश के पत्ते बरामद किए हैं।

मेड़ काटने को लेकर पिता-पुत्र से मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम घियौना निवासी सेवाराम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि12 अक्टूबर की शाम सात बजे खेत की मेड़ काटने को लेकर गांव के ही पूरनलाल ने उसके साथ गाली गलौज की। जब उसने और उसके पुत्र हिमांशु ने विरोध किया तो आरोपी पक्ष की तरफ से आरोपी के अलावा उसका भाई रामदुलारे और नेतराम भी पहुंच गए। आरोपियों ने उसे और उसके पुत्र के साथ मारपीट की। जिससे दोनों लोग घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

टूटी सड़कों की जल्द कराएं मरम्मत: जितिन प्रसाद

केंद्रीय राज्यमंत्री ने दिशा की बैठक में की विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, सड़क चौड़ीकरण की बाधा दूर करने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री ने विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जनपद में टूटी पड़ी सड़कों की मरम्मत कराने एवं पीलीभीत-टनकपुर मार्ग के चौड़ीकरण में आ रही बाधाओं को दूर करते जल्द कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी जनप्रतिनिधियों से भी साझा करने के निर्देश दिए।

केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद दोपहर 12.45 बजे गांधी सभागार पहुंचे। उनके आने की जानकारी पर तमाम पार्टी नेता और फरियादी भी सभागार परिसर में पहुंच गए। इससे परिसर में खासी गहमा-गहमी का माहौल रहा। फरियादियों और लाभर्थियों से मिलने के बाद केंद्रीय राज्यमंत्री की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक शुरू हुई। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री ने जिले की समस्याओं और सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक के दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि जनपद में टूटी हुई सड़कों पर मरम्मत/ गड्ढा मुक्ति के कार्यों में तेजी लाई जाए। साथ ही पीलीभीत-टनकपुर मार्ग के चौड़ीकरण में आने वाली बाधाओं को दूर करते हुए चौड़ीकरण का कार्य कराने के निर्देश दिए। सेतु निगम के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों को समय पूरा कराने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके लाभार्थियों को विधायकों से मिलवाया जाये, ताकि सही स्थिति का पता चल सके।

किसानों की समस्या प्राथमिकता से निपटाए : अब तक हुई धान खरीद के संबंध में जानकारी लेते हुए जितिन प्रसाद ने अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित कराए जाने के निर्देश दिए। कहा कि किसानों को धान बिक्री में किसी भी स्तर पर कोई समस्या न होने पाए तथा उनकी शिकायतों का प्राथमिकता पर निस्तारण करें। अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि बिजली बिलों में गड़बड़ी को सुधारने तथा ऐसे गांव जहां बिजली नहीं है, विधायकों से समन्वय स्थापित करते हुए मानक के अनुसार उन गांवों में बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। केंद्रीय मंत्री ने डीएफओ से मानव-वन्यजीव संघर्ष के स्थिति की जानकारी लेते हुए किसानों को जंगल के किनारे गन्ने की खेती न कर औषधीय खेती करने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए।

बीएसए को जनपद के फर्नीचर विहीन विद्यालयों को तत्काल फर्नीचर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। गन्ना विभाग से संबंधित अधिकारियों को किसानों के बकाया गन्ना भुगतान कराने के निर्देश दिए। सीएमओ से डेंगू की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी जनप्रतिनिधियों से भी साझा करने के निर्देश दिए।

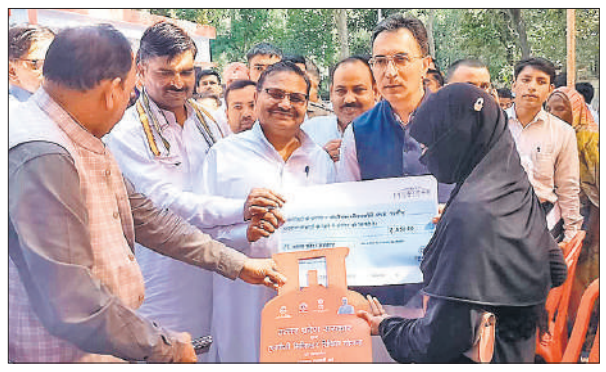

उज्जवला लाभार्थी को डमी चेक सौंपते केंद्रीय राज्यमंत्री व अन्य जनप्रतिनिधि।

- उज्ज्वला के लाभार्थियों के वितरित किए प्रतीकात्मक सिलिंडर और डमी चेक
- बोले, किसानों को धान बिक्री में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

छुटभैये रह गए बाहर, नहीं मिला प्रवेश

केंद्रीय राज्यमंत्री के आने की जानकारी पर जनपद भर के पार्टी के कई छुटभैये नेता भी पहुंचे। समस्या लेकर आए फरियादियों की भी खासी भीड़ रहीं। इन नेताओं को उम्मीद थी कि उन्हें भी बैठक में जगह मिलेगी, मगर जब बैठक शुरू हुई तो कई दिग्गज नेता एवं खुद को केंद्रीय राज्यमंत्री का करीबी बताने वाले कार्यकर्ता गांधी सभागार के बाहर परिसर में टहलते नजर आए। पूरी बैठक के दौरान वह सभागार के दरवाजे पर टकटकी लगाए रहे। कुछ ने तो ये भी तर्क दे दिया कि माननीय ने भीड़ न बढ़े, इसके लिए उन्हें आग्रह कर बाहर रहने को कहा गया है।

योजनाओं का सही तरीके से हो पालन

केंद्रीय मंत्री ने गांधी सभागार परिसर में ही उज्ज्वला योजना के 10 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक सिलिंडर व डमी चेक वितरित किए। समापन पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने केंद्रीय मंत्री को दिए गए निर्देशों को शत-प्रतिशत अनुपालन कराने के प्रति आश्वस्त किया। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, एमएलसी सुधीर गुप्ता, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरभाग सिंह, ब्लाक प्रमुख सभ्यतादेवी वर्मा, पूरनपुर पालिका चेयरमैन शैलेंद्र गुप्ता, एसपी अभिषेक यादव, सीडीओ राजेंद्र कुमार, डिप्टी डायरेक्टर पीटीआर मनीष सिंह, सामाजिक वानिकी डीएफओ भरत कुमार डीके, एडीएम वित्त ऋ तु पूनिया, सीएमओ डॉ. आलोक कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सादगी व देशभक्ति का प्रतीक रहा डॉ.कलाम का जीवन

पीलीभीत, अमृत विचार: सपा कार्यालय पर बुधवार को भारत रत्न मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया।

गोष्ठी में जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि डॉ.कलाम एक महान वैज्ञानिक, शिक्षक और भारत के 11 वें राष्ट्रपति थे। उनका जीवन संघर्ष सादगी और देशभक्ति का प्रतीक रहा। उन्होंने कहा था कि सपने वो नहीं जो हम नींद में देखते हैं,सपने वो हैं जो हमें नींद नहीं आने देते। उनके विचारों व आदर्शों को जीवन में अपनाने की अपील की। इस मौके पर जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा कट्टर, बालकराम सागर, अमित पाठक एडवोकेट, युवजन सभा जिलाध्यक्ष हरगोविंद गंगवार,सतेन्द्र मौर्य, नरेश कुमार सागर,महेश कश्यप,मोहनलाल गंगवार,फुरकान अली, संदीप सक्सेना,मुनेंद्र पाल,कोहिनूर आलम अंसारी, जहीर,अशोक कुमार वर्मा,हेमंत सिंह आदि मौजूद रहे।

नहीं खुला टेंडर, अधर में लटकी प्रक्रिया

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : दीपावली पर शहर को जगमग करने के लिए नगरपालिका की ओर से खरीदी जा रही स्ट्रीट लाइट का टेंडर निर्धारित तारीख को भी नहीं खुल सका है। पर्व नजदीक आ रहा है। मगर अभी तक लाइट खरीद नहीं हो सकी है। ऐसे में गलियों के रोशन होने पर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

बता दें कि नगर पालिका के दायरे में शहर के चारों ओर करीब चार किलोमीटर का एरिया है। नगरपालिका की ओर से शहर भर में करीब 4650 स्ट्रीट लाइट के पोल लगे हुए हैं, लेकिन वर्तमान में अधिकतर लाइट बंद हो गए हैं। इतना ही नहीं कुछ लाइट वह भी बंद हैं, जो कुछ माह पहले ही लगवाई गई थे। सड़कों पर लगी स्ट्रीट लाइटें तो बस दिखावे के लिए ही हैं। गली

मोहल्लों में कुछ जगह पोलों पर लगी लाइट और बल्व बंद हो चुके हैं। जिस वजह से शाम होते ही शहर की सड़कों पर अंधेरा पसरा रहता है। इसको लेकर स्थानीय लोगों और सभासदों ने नगरपालिका के समक्ष लाइट लगवाने का प्रस्ताव रखा था। इस पर चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल व ईओ संजीव कुमार ने रणनीति बनाते हुए तीन हजार लाइट खरीदने का प्रस्ताव तैयार किया था। जिसके बाद उसका टेंडर अपलोड कराया था। जिसमें दो हजार बल्व और एक हजार 45 वॉट की स्ट्रीट लाइट शामिल की गई है। लाइट का टेंडर अपलोड होने के बाद

- दिवाली को लेकर होनी थी तीन हजार स्ट्रीट लाइट की खरीद
- 14 को खुलनी थी टेक्निकल बिड अब कल की तय हुई डेट

14 अक्टूबर को टेंडर खुलना था। लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते अभी तक टेंडर नहीं खुल सका है। जबकि 18 अक्टूबर को धनतेरस मनाई जाएगी। ऐसे में बाजार में अंधेरा लोगों की समस्या बन सकता है। दिवाली को चंद दिन बाकी है। जिम्मेदारों की मानें तो टेक्नीकल समस्या के चलते टेंडर नहीं खुल सका है। ईओ संजीव कुमार ने बताया कि टेंडर गुरुवार को खुलवाया जाएगा। फाइनेंशियल बिड भी खोली जाएगी। दिवाली से पहले शहर में स्ट्रीट लाइट और बल्व स्थापित कर दिए जाएंगे। इसका सत्यापन भी सभासदों की मौजूदगी में कराया जाएगा।

दीपावली पर घर जाना होगा आसान, बढ़ेंगी बसें

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: दीपावली समेत अन्य त्योहारों के मद्देनजर इस बार दिल्ली रूट पर 50 रोडवेज बसों का संचालन किया जाएगा। वहीं स्थानीय रुटों पर यात्रियों की संख्या बढ़ने पर बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगें। यात्रियों को कोई असुविधा न हो, इसे लेकर शहर के मुख्य चौराहे पर रोडवेज कर्मी की ड्यूटी भी लगाई जाएगी।

दीपावली एवं छठ त्योहार मनाने के लिए घर लौटने वालों को परेशानी से बचाने के लिए स्थानीय रोडवेज डिपो ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शासन ने 18 से 30 अक्तूबर तक जिन मार्गों पर यात्रियों की संख्या अधिक है, वहां अतिरिक्त बसों को लगाने के निर्देश दिए हैं, ताकि घरों को वापस लौटने में यात्रियों को दिक्कतें न हो। जनपद की बात करें तो ग्रामीण अंचलों के तमाम लोग दिल्ली, नोएडा, हरियाणा आदि महानगरों में काम करते हैं।

दीपावली समेत अन्य त्योहारों पर यह सभी अपने घरों को वापसी करते हैं। वर्तमान में स्थानीय रोडवेज डिपो से 99 रोडवेज बसों का संचालन विभिन्न रुटों पर किया जा रहा है। इसमें करीब 40 बसें दिल्ली रुट पर संचालित की जाती है। इधर दीपावली पर यात्रियों की संख्या में बढ़ोत्तरी के मद्देनजर रोडवेज डिपो ने 18 अक्तूबर से दिल्ली रुट पर अतिरिक्त बसों को बढ़ाने का निर्णय लेते हुए करीब 50 बसें संचालन करने की बात कही है। वहीं स्थानीय रुटों पर भी यात्रियों की संख्या बढ़ने पर बसों के फेरे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इस बार रोडवेज डिपो ने यात्रियों को कोई असुविधा न हो, इसको लेकर शहर के प्रमुख चौराहों में शुमार असम चौराहा और नौगवा चौराहे पर रोडवेज कर्मियों को तैनात करने का निर्णय लिया है। जो चौराहों पर यात्रियों की संख्या पर नजर रखेंगे और डिपो के अधिकारियों को इसकी जानकारी देंगे, ताकि बस भेजकर उन्हें उनके गंतव्य तक भेजा जा सके।

रोडवेज के बाहर खड़ी बसें। ● अमृत विचार

- दिल्ली रुट पर अतिरिक्त बसें लगाकर 50 बसों का होगा संचालन
- स्थानीय रुटों पर यात्रियों की संख्या बढ़ने पर बढ़ाए जाएंगें फेरे

दीपावली समेत त्योहारों के मद्देनजर रुपरेखा तैयार की जा चुकी है। इस बार दिल्ली रुट पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा स्थानीय रुटों पर भी यात्रियों की संख्या को देखते हुए बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगें, ताकि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। - **विपुल पाराशर**, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक।

छात्राओं को साइबर अपराध से बचने के तरीके बताए

सड़क सुरक्षा की शपथ लेती छात्राएं। ● अमृत विचार

बिलसंडा, अमृत विचार: गौहनिया स्थित कृष्णा नरेश महाविद्यालय में पुलिस ने छात्राओं को साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया। छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव और सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

महाविद्यालय की स्नातक और परास्नातक की छात्रा समृद्धि गुप्ता, शिखा, खुशी खान, अंशिका सिंह, छाया शुक्ला, रोली जायसवाल, सृष्टि, प्रिया, संदीप कौर ने विचार व्यक्त किए। इसके अलावा टीम ने छात्राओं को किसी भी समस्या के लिए हेल्पलाइन नंबर 1090 और 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी। इस दौरान प्रबंधक अमित अग्रवाल,प्राचार्य डॉ. वीके सिंह आदि मौजूद रहे। उधर, हेमपुर स्थित राजकीय महाविद्यालय में छात्र -छात्राओं को सड़क सुरक्षा जागरूकता बिंदु पर जानकारी दी गई। छात्र छात्राओं को शपथ दिलाई। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया। संकेतकों के बारे में विस्तार से समझाया। मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. अनुजा अग्रवाल ने छात्राओं को गुड टच, बैड टच के बारे में बताया।

केंद्रीय मंत्री से सभासदों ने की शिकायत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: दिशा की बैठक के बाहर निकलते ही नगर पालिका पीलीभीत की रार केंद्रीय राज्यमंत्री पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद तक पहुंच गई। एक गुट के चौदह सभासदों ने केंद्रीय राज्यमंत्री को रोका और मांग पत्र सौंपा। इस दौरान पूर्व में की गई शिकायत पर एक्शन न लिए जाने पर नाराजगी जताई गई।

केंद्रीय राज्यमंत्री बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में दिशा की बैठक लेने पहुंचे थे। नगरपालिका में सभासदों के बीच लंबे समय से रार छिड़ी हुई है। चेयरमैन के विरोध वाले 14 सभासद भी यहां पहुंच गए। जैसे ही केंद्रीय मंत्री बाहर निकले, उनको काफी देर से इंतजार कर रहे सभासदों ने रोक लिया और अपनी समस्या बताते हुए समाधान कराने की मांग की। इस दौरान दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि लंबे समय से कुछ वार्ड में किसी प्रकार के निर्माण कार्य नहीं हुए हैं। जिसके बारे में एक पत्र पूर्व में उनके द्वारा दिया गया था, लेकिन उस पर अभी तक कोई सुनवाई नहीं हो सकी है। आरोप लगाया कि बिना बजट पास किए और बिना बोर्ड की सहमति से तमाम कार्य कुछ वार्ड में कराए जा रहे हैं। ये भी बताया कि उन वार्ड में काम कराए जा रहे हैं, जिनमें पहले से काफी कार्य हो चुके हैं। संबंधित टेंडर प्रक्रिया को निरसत कराकर दोबारा टेंडर कराने की मांग की है। शिकायत करने वालों में एहतिशाम वली खां, पुष्पा उपाध्याय, महनाज बेगम, सुनीता सिंह, चैतन्य गंगवार, रत्ना शुक्ला, सुरेश कुमार लोधी, माया देवी, शिवम, शिखा वर्मा, राजेंद्र कुमार आदि थे।

केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से शिकायत करते सभासद। ● अमृत विचार

- केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को सभासदों ने सुनाई समस्या, टेंडर निरस्त कराने की मांग

न्यूज डायरी

भूरा और तूफान के बीच कुश्ती बराबरी पर छूटी

अमरिया, अमृत विचार : रामलीला मेले में चल रहे विराट एकता कुश्ती दंगल में पहलवानों ने अपना दम दिखाया। कलियर शरीफ के बाबा फकीर पहलवान ने दिल्ली के विनोद पहलवान को हराकर जीत दर्ज की। श्री रामलीला मेला कमेटी के महामंत्री श्याम बिहारी गौतम ने भूटान के आदिवासी पहलवान और कुरुक्षेत्र के बिल्ला पहलवान का हाथ मिलाकर कुश्ती की शुरुआत कराई। 15 मिनट चली कुश्ती में आदिवासी पहलवान ने बिल्ला पहलवान को हराकर जीत दर्ज की। सरैंदा पट्टी के भूरा पहलवान और झांसी के तूफान पहलवान के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा। अजमेर शरीफ के बाबा अजमेरी पहलवान ने राजस्थान के चंद्रमुखी पहलवान को हराया। रेफरी की भूमिका सरदार सेवा सिंह ने निभाई। इस मौके पर अध्यक्ष चंद्र प्रकाश गुप्ता, सुरेश कुमार गुप्ता, मुंशीलाल सागर, विशाल गुप्ता, श्याम बिहारी, लेखराज भारती,नेमचंद बाबा आदि मौजूद रहे।

प्रश्नोत्तरी में धैर्य-मिस्बा प्रथम

पीलीभीत, अमृत विचार : समाधान आईपीटी अन्वेषिका के तत्वाधान में जेएमबी किड्स स्कूल में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जयंती और विश्व मानक दिवस मनाया गया। डॉ.कलाम के व्यक्तित्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। प्रश्नोत्तरी में धैर्य मौर्य और मिस्बा ने बाजी मारी। प्रधानाचार्य उदिता अग्रवाल ने कहा कि डॉ.कलाम का जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्हें विद्यार्थियों से बहुत प्रेम था और उनके मध्य रहकर उनसे चर्चा करना अच्छा लगता था। उन्होंने भारत को रक्षा के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। इस अवसर पर समन्वयक लक्ष्मीकांत शर्मा ने गुरुत्व केंद्र,बल, घर्षण विद्युत और बल विषय संबंधी अनेक प्रयोग करके दिखाए। इस मौके पर जायसा, कृतिका वर्मा आदि मौजूद रहे।

स्पर्धा के बाद 38 बच्चे चयनित

अमरिया, अमृत विचार : ब्लॉक संसाधन केंद्र पर स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन खंड शिक्षाधिकारी उमेंद्र दत्त त्रिपाठी की उपस्थिति में कराई गई। ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे कक्षा तीन से आठ तक के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता हिंदी व अंग्रेजी ,कविता, निबंध आदि विषयों पर आधारित रही। ब्लॉक के करीब 85 बच्चों ने प्रतिभाग किया। 38 छात्र -छात्राओं को चयनित किया गया। चयनित बच्चे जिला स्तरीय परीक्षा में भाग लेंगे। मुकेश कुमार, एआरपी लोकेंद्र सिंह, प्रबल प्रताप सिंह, वसीम रशीद, राजेंद्र सिंह गंगवार, राजेश शुक्ला, शिशुपाल सिंह, मनोज अग्रवाल, आलोक कौशल, गरिमा गोस्वामी, रंजना गंगवार आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, किए गए पुरस्कृत

पीलीभीत, अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों की न्याय पंचायत स्तरीय प्रतियोगिता में बच्चों ने प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अगले राउंड के लिए जगह बनाई। बुधवार को विकासखंड मरौरी के प्राथमिक विद्यालय मोहनपुर में सुलेख, श्रुतलेख, कविता, निबंध सहित अनेक प्रतियोगिताएं हुईं। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग की हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय मुड़िया रतनपुरी के सतीश कुमार, श्रुतलेख में इसी विद्यालय के अनुज, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अमीन नगर के अनुज, कविता पाठ में पुरवाभूड़ा के लक्की सागर, निबंध प्रतियोगिता में कैम के प्रभास कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग की अंग्रेजी सुलेख व श्रुतलेख में चाटडांग की दर्पिका, स्पेलबी में कैम की रानी, पोइम रेसिटेशन में कैम की कशिश, क्वीज में कैम की रानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उच्च प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग की हिन्दी सुलेख में मोहनपुर की सोनी वर्मा, श्रुतलेख में सैजना निमिष वर्मा, प्रश्नोत्तरी व कविता पाठ में मरौरी की अदिति वर्मा, निबंध प्रतियोगिता में मोहनपुर की पायल, बालक वर्ग की अंग्रेजी सुलेख प्रतियोगिता में मोहनपुर के दिनेश कुमार, श्रुतलेख में अनुज, स्पेल बी में मोहनपुर के गिकांश, पोयम रेसिटेशन व क्वीज में मरौरी के जितिन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इमरजेंसी वार्ड में दो पक्ष भिड़े हुआ हंगामा

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला अस्पताल का इमरजेंसी वार्ड में बुधवार को दो पक्ष भिड़ गए। मामला बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे का है। बरखेड़ा क्षेत्र के एक गांव की युवती युवक के साथ पीलीभीत आ गई थी। इसकी सूचना मिलते ही युवती के परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए। आरोप है कि परिजनों ने अस्पताल गेट पर युवक को पकड़कर पीटा। किसी तरह बचकर भागा युवक इमरजेंसी वार्ड में पहुंचा तो परिजन भी उसके पीछे-पीछे अंदर जा घुसे। वहां भर्ती मरीजों के तीमारदारों से भी उनकी कहासुनी हो गई, जिसके बाद वार्ड में अफरा-तफरी मच गई। इमरजेंसी में हो रहे हंगामे की सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को शांत कराया।

नहीं चलेगी मनमानी, छात्राओं की उपस्थिति होगी ऑनलाइन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग में अब शिक्षकों की मनमानी नहीं चल सकेगी। छात्र-छात्राओं को समय से स्कूल पहुंचना होगा और शिक्षक समय से उनकी हाजिरी लगाएंगे। महानिदेशक के आदेश के बाद जिलास्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई हैं। सीएम डैशबोर्ड से छात्रों की उपस्थिति की निगरानी की जाएगी। बच्चों के पठन-पाठन के लिए जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। शासन ने छात्र-छात्राओं की ऑनलाइन उपस्थिति समेत 12 पैरामीटर को ऑनलाइन करने के निर्देश दिए।

जिले के सभी 1508 स्कूलों में टैबलेट दिए गए हैं। जहां करीब पौने दो लाख से अधिक छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। इसके बावजूद एक भी पंजिका ऑनलाइन नहीं भरी जा रही है। साथ ही स्कूल में बच्चों व शिक्षकों के आवागमन से लेकर सरकार की ओर से संचालित की जा रही सभी योजनाओं का ब्योरा पंजिकाओं पर दर्ज किया जा रहा है। जबकि पिछले साल जिले के परिषदीय विद्यालयों में विद्यार्थी व शिक्षक उपस्थिति के साथ ही 12 पंजिकाओं को ऑनलाइन भरने के निर्देश दिए गए थे मगर सिम व नेटवर्क का हवाला देकर शिक्षकों ने व्यवस्था को अव्यवहारिक बताते हुए अपनाने से हाथ खड़े कर दिए थे। शिक्षकों की हाजिरी के साथ ही अन्य पंजिकाओं को भी ऑनलाइन नहीं किया गया। अब सख्ती से लागू किया जा रहा है।

शासन की ओर से दिए गए निर्देश में उपस्थिति पंजिका, प्रवेश पंजिका, कक्षावार छात्र उपस्थिति पंजिका, एमडीएम पंजिका, समेकित निःशुल्क सामग्री वितरण पंजिका, स्टॉक पंजिका, आय-व्यय, बैठक पंजिका, निरीक्षण पंजिका, निरीक्षण पंजिका, पत्र व्यवहार पंजिका, बाल गणना पंजिका और पुस्तकालय एंव खेलकूद पंजिका को ऑनलाइन किया गया है।

शहर में आज

- मेडिकल कॉलेज में पोषण माह के तहत कार्यक्रम सुबह 10 बजे।
- अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।
- बीसलपुर के रसिया खानपुर में स्वास्थ्य शिविर सुबह 10 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

चेक की गई पटाखा की दुकानें, दिए निर्देश

बीसलपुर, अमृत विचार : दीपावली नजदीक आ चुकी है। ऐसे में पटाखा बिक्री को लेकर भी नजर रखी जा रही है। वरिष्ठ उपनिरीक्षक रमेश चंद्र शर्मा ने पुलिस बल के साथ नगर में भ्रमण कर आतिशबाजी की दुकानों को चेक किया। लाइसेंस आदि की बारीकी से जांच की गई। पटाखे रखने के साथ ही अग्निशमन के इंतजाम भी परखे गए। मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए।

विवादित पोस्ट करने वाले को भेजा जेल

बिलसंडा, अमृत विचार : सोशल मीडिया अकाउंट से विवादित पोस्ट करने वाले युवक का पुलिस ने चालान कर दिया। आरोपी एक संगठन का कार्यकर्ता बताया जाता रहा। विवादित पोस्ट करने के मामले में राष्ट्रीय योगी सेना के कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि आरोपी सर्वेश कुमार का शांतिभंग की आशंका में चालान किया है।

गंधक पोटाश के साथ एक को पकड़ा

माधोटांडा, अमृत विचार : दरोगा अमरीश बाबू ने बताया बुधवार को वह पुलिस बल के साथ गश्त पर थे। कलीनगर पहुंचे तो सूचना मिली कि मुख्य बाजार में एक व्यक्ति दुकान में अवैध तरीके से गंधक पोटाश बेच रहा है। विस्फोट होने की आशंका जताई। टीम ने दबिश दी आरोपी कलीनगर के वार्ड पांच के निवासी रामप्रकाश को पकड़ लिया। उसके पास से छह किलो 550 ग्राम गंधक और चार किलो 640 ग्राम पोटाश बरामद की गई।

खेत की पैमाइश को लेकर मारपीट

पीलीभीत,अमृत विचार : ग्राम जगत निवासी शमसेर सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 13 की शाम 8 बजे गांव के ही श्याम सिंह व उसका पुत्र पलविंदर सिंह उसके दरवाजे पर आकर खेत की पैमाइश को लेकर मारपीट की। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पीडब्ल्यूडी के गोदाम से बिना गेटपास निकल रहा सामान, कहीं खेल तो नहीं !

चार पहिया वाहन में लादकर ले जाए गए लोहे के बोर्ड, कहां और कितने कुछ पता नहीं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: एक बार फिर गोदाम से निकलने वाले सामान में नियमों की अनदेखी का खेल उजागर हुआ है। जिसके बाद पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल उठ गए है। मनमानी इस कदर हावी है कि गोदाम से बड़ी मात्रा में सड़क किनारे लगाए जाने वाले लोहे के बोर्ड गाड़ी में लादकर ले जाए गए। वह भी बिना इंट्री पास बनवाए। यह सामान कहां और कितनी मात्रा भेजा जा रहा है, इसे लेकर भी तस्वीर स्पष्ट नहीं की जा सकी है। इसे लेकर तमाम तरह की चर्चाएं तेज हैं।

बता दें कि प्रकरण लोक निर्माण विभाग से जुड़ा है। सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता का खेल अक्सर उजागर होता है। चहेतों को काम देने के आरोप भी पूर्व में लगते रहे हैं। वहीं नकटादाना चौराहा के पास स्थित गोदाम अक्सर चर्चा में रहता है। इस बार मामला गोदाम से बिना इंट्री पास बनवाए करीब ढाई दर्जन लोहे के बोर्ड ले जाने से जुड़ा है। बताते हैं कि एक दिन पूर्व मंगलवार को एक चार पहिया वाहन से 30 बड़े लोहे के बोर्ड गोदाम से निकालकर ले जाए गए। गोदाम से निकलने वाले किसी भी सामान का एंट्री पास बनने का नियम है। मगर, इस सामान को निकालते वक्त कागजी औपचारिकताएं पूरी नहीं की गई। जिससे व्यवस्था पर सवाल उठ गए हैं। यह भी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं किया जा सका कि इन बोर्ड का कहां इस्तेमाल किया जाना है।

बिना गेटपास के वाहन से लादकर ले जाए जा रहे लोहे के बोर्ड।

- नकटादाना चौराहे के पास बना गोदाम फिर बना सुर्खियां

कोलतार की निकासी पर भी उठे थे सवाल

पीडब्ल्यूडी के इस गोदाम से मानसून से पूर्व कोलतार की निकासी पर पहले ही प्रश्नचिन्ह लग चुका है। उस वक्त आरोप लगे थे कि शासन के निर्देश पर गोदाम को निल दिखाने के बाद अवैध तरीके से कोलतार ठेकेदारों को दिया जा रहा। वह भी एक चौकीदार के हस्ताक्षर के गेटपास पर। इससे जुड़ी आरटीआई भी शहर के एक अधिवक्ता ने मांगी है। उनके अनुसार कई माह बाद भी जिम्मेदारों ने जवाब नहीं दिया है।

तो छोटे साहब के कहने पर तोड़े नियम

लोहे के बोर्ड गोदाम से निकाले गए। वाहन चालक का कहना था कि वह तो बस किराए पर वाहन लेकर आया है। कुछ बोर्ड बीसलपुर और बाकी बिलसंडा ले जाकर उतारने को बोला गया है। वहीं, उन बोर्ड को निकलवा रहे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का कहना था कि छोटे साहब के आदेश पर बोर्ड भेजे जा रहे हैं। एंट्री पास तो नहीं है। फिर बाद में बनाने की बाद कह दी गई। फिलहाल मामले में झोल की आशंका बनी रही।

गोदाम से निकलने वाले हर सामान को लेकर गेटपास बनाया जाता है। बिना गेटपास के नहीं निकाला जा सकता। फील्ड पर होने के चलते एई के कहने पर एक दिन पूर्व बोर्ड निकलने का पता चला है। इसे दिखवाया जाएगा। – **एसके जैन**, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी निर्माण

पत्नी मायके गई तो टावर पर चढ़ा युवक

युवक के टावर पर चढ़ने के बाद लगी भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, जहानाबाद

- छह माह पहले हुई थी शादी, मौके पर जुटी ग्रामीणों की भीड़
- जहानाबाद क्षेत्र के गांव सरोरी का मामला, सूचना पर पहुंची पुलिस

अमृत विचार : पत्नी से कहासुनी के बाद नाराज युवक परेशान रहने लगा और मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक को टावर पर देखकर गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर बड़ी मुश्किल से युवक को नीचे उतारा।

थाना क्षेत्र के गांव सरोरी निवासी चंद्रसेन की छह माह पहले शादी हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही दोनों में विवाद होने लगा। बुधवार को उसकी पत्नी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इस पर वह मायके चली गई। इससे नाराज होकर युवक गांव में लगे एक 100 फीट ऊंचे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया। युवक को टावर पर चढ़ा देखकर गांव में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई। जानकारी मिलते ही परिवार वाले भी आ गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी जुटाई। काफी देर तक पुलिस ने उसे समझाने का प्रयास करती रही, लेकिन युवक पत्नी के घर आने के बाद ही नीचे उतरने की बात पर अड़ा रहा। करीब तीन घंटे बाद पुलिस ने समझा बुझाकर उसे नीचे उतरवाया।युवक का आरोप है कि उसकी ससुराल वाले और उसकी पत्नी मारपीट कर दी थी। जिससे आहत होकर उसने कदम उठाया। पुलिस ने उसे शांत कर घर भेज दिया।

टावर पर चढ़ा युवक।

पीटीआर की टीम ने दो घरों में दी दबिश, आरोपी भागे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- वनकर्मियों ने ली घरों की तलाशी, नहीं मिली कोई संदिग्ध वन्यजीव सामग्री

अमृत विचार: वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) की सूचना पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व की टीम ने पुलिस के साथ बीती रात माधोटांडा थाना क्षेत्र में दो घरों में दबिश दी। टीम के आने की भनक पर आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। फिलहाल तलाशी के दौरान टीम को इन घरों में कोई संदिग्ध वन्यजीव सामग्री नहीं मिली हैं। बताते हैं कि दोनों आरोपी पूर्व से ही कई वन्यजीव अपराधों में लिप्त रहे हैं।

टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक डब्ल्यूसीसीबी द्वारा संदिग्ध वन्यजीव सामग्री से संबंधित सूचना दी गई थी। जिस पर मंगलवार रात पीलीभीत टाइगर रिजर्व की टीम ने माधोटांडा पुलिस के सहयोग से माधोटांडा थाना क्षेत्र के गांव करेनिया निवासी जगदीश और गांव मैनाकोट निवासी कंधईलाल के घरों पर दबिश दी। बताते हैं कि टीम के आने की भनक लगते ही दोनों आरोपी भाग निकले। इस दौरान टीम ने दोनों आरोपियों के घरों की तलाश भी ली। हालांकि तलाशी के दौरान संदिग्ध वन्यजीव सामग्री बरामद नहीं हुई। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि डब्ल्यूसीसीबी की सूचना पर पुलिस के साथ दबिश दी गई थी।

युवती से छेड़छाड़ रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के एक गांव के निवासी ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 14 अक्टूबर को उसकी पुत्री व भतीजा गांव में स्थित खेत पर धान झाड़ रहे थे। उसका भतीजा शौच को चला गया। उसकी पुत्री पानी भरने के लिए नल पर गई थी। वहां कारखाने पर काम कर रहे विकास और विजय निवासी ग्राम बालपुर थाना नवाबगंज जिला बरेली ने उसके साथ छेड़छाड़ करते हुए अश्लील हरकतें करना शुरू कर दी। शोर शराबा होने पर जब उसके भतीजे ने वहां पहुंचकर बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसके भतीजे से मारपीट की। जिससे वह घायल हो गया। आसपास के लोगों के आ जाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दिवाली पर गोबर के दीयों के जगमग होंगे घर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: इस दीपावली पर गोबर के गोल्डन दीयों से घर जगमग होंगे। देवीपुरा गोशाला में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ओर से इन दीयों को तैयार किया जा रहा है। इतना ही नहीं, देवीपुरा गोशाला में गोबर से पेंट बनाने की भी तैयारी चल रही है। पशुपालन विभाग की ओर से पेंट बनाने वाली मशीन का ऑर्डर भी दिया जा चुका है।

गाय के गोबर से बने दीपक इस बार दीपावली को खास बनाएंगें। त्योहारी सीजन में इनकी मांग भी इस बार खूब बढ़ी है। बढ़ती मांग को देखते हुए गाय के गोबर से दीये तो तैयार किए जा रहे हैं। गो संवर्धन के साथ आजीविका देने का यह प्रयास शहर से सटी देवीपुरा गोशाला में हो रहा है। खास बात यह है कि इस कार्य में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं हाथ बंटा रही हैं। पशु पालन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक देवीपुरा गोशाला में एक स्वयं सहायता समूहों द्वारा गोबर से डिजाइनर दीपक तैयार किए जा रहे हैं। इन्हें गोल्डन कलर से रंगा जा रहा है। रोजाना करीब 800 से 1000 दीपक तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा देवीपुरा गोशाला में गाय के गोबर से पेंट बनाने की भी तैयारी की जा रही है। गोबर से बने पेंट का चलन भी तेजी से बढ़ा हैं। वजह यह है कि गोबर से बने पेंट के दाम परंपरागत पेंट के दाम से काफी कम होते हैं। पशुपालन विभाग के मुताबिक पेंट बनाने वाली मशीन का ऑर्डर किया जा चुका है। जल्द ही मशीन प्राप्त हो जाएगी। इसके बाद गोबर से पेंट निर्माण जल्द ही शुरू कराया जाएगा।

देवीपुरा गोशाला में गोबर से बनाए गए डिजाइनर दीपक। ● अमृत विचार

- देवीपुरा गोशाला में स्वयं सहायता समूह द्वारा बनाए जा रहे दीपक
- गोबर से पेंट बनाने की भी तैयारी मशीन का दिया आर्डर

जनपद की गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कवायद चल रही है। इसी क्रम में देवीपुरा गोशाला में इस बार गोबर से दीपक बनाने का कार्य किया जा रहा है। यहां गोबर से पेंट बनाए जाने की भी तैयारी चल रही है। – **डॉ. पीके त्यागी**, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी।

महिला अस्पताल में शिशु की मौत, परिजनों का आरोप स्टॉफ ने की लापरवाही, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मंगलवार दोपहर को भर्ती हुई थी महिला, देर रात हुई नवजात की मौत
- दियोरिया कलां क्षेत्र के गांव महदखास की रहने वाली है गर्भवती

अमृत विचार : मेडिकल कॉलेज के महिला अस्पताल में लापरवाही के चलते एक और नवजात की जान चली गई। नवजात की मौत के बाद परिवार वालों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने डॉक्टरों पर नवजात की देखभाल न करने का आरोप लगाया है। आरोप है प्रसव के बाद किसी ने भी जच्चा- बच्चा की देखभाल नहीं की, जिससे उसकी मौत हो गई।

दियोरिया कला कोतवाली क्षेत्र के गांव महदखास निवासी सर्वेश ने बताया पत्नी कीर्ति गर्भवती थी। मंगलवार को प्रसव पीड़ा होने पर वह उसे एंबुलेंस से जिला महिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद भर्ती कर लिया और ऑपरेशन कर प्रसव करने की बात कही। इस पर पीड़ित हां कर दी। देर रात उसका प्रसव कराया गया। जहां उसने एक नवजात को जन्म दिया। आरोप है कि डॉक्टरों और स्टाफ की लापरवाही के चलते उसकी मौत हो गई।

नवजात की मौत की जानकारी मिलते ही परिवार वाले बिखर पड़े। उन्होंने देर रात अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में प्रसव के बाद स्टाफ और डॉक्टर कोई निगरानी नहीं करते हैं। अन्य मरीजों के साथ भी दुर्व्यवहार किया जाता है। हंगामा की सूचना पर अस्पताल प्रशासन के अफसर भी मौके पर पहुंच गए। जिसके बाद उन्हें जांच कर कार्रवाई का आश्वासन देते हुए शांत कराया। इसके बाद परिजन शव को लेकर घर चले गए।

एक बार फिर नवजात की मौत के बाद अस्पताल सुर्खियों में बना हुआ है। सीएमएस डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं है। अगर ऐसा हुआ है तो दिखवाया जाएगा।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से बाइक सवार टकराया, मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- अमरिया क्षेत्र के पीलीभीत-सितारगंज मार्ग पर हुआ हादसा

अमृत विचार : सड़क किनारे खड़े खराब ट्रक से टकराकर बाइक सवार की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची थाना अमरिया पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भिजवाया है। युवक की मौत के बाद परिजनों का रोकर बुरा हाल है।

बता दें कि मंगलवार रात थाना अमरिया पुलिस गश्त कर रही थी। इस दौरान अमरिया-सितारगंज मार्ग पर एक युवक सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा दिखाई दिया। पुलिस ने युवक को सरकारी वाहन से सीएचसी अमरिया में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक के पास ही उसकी बाइक भी पड़ी हुई थी। पुलिस ने मृतक की पहचान करवाई तो मृतक की पहचान 50 वर्षीय श्रीकृष्ण पुत्र प्रसादीलाल निवासी ग्राम तुमरिया थाना अमरिया के रूप में हुई। सूचना पाकर मृतक के परिजन भी आ गए। इस दौरान सामने आया कि मृतक मजदूरी करके बाइक से अपने घर वापस जा रहा था। इस दौरान रास्ते में पेट्रोल पंप के समीप सड़क किनारे खड़े खराब ट्रक से उसकी बाइक टकरा गई। जिससे श्रीकृष्ण की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। देर शाम परिजनों ने अपने पैतृक गांव मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया।

डेंगू थमा नहीं, टाइफाइड ने दी दस्तक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- 14 दिनों में 419 मरीजों की एंटीजन किट से हुई जांच, 73 मिले पॉजिटिव, 30 निकले डेंगू पुष्टि
- बीसलपुर के रसिया खानपुर गांव का मामला,सर्वे में टाइफाइड के मिले दो मरीज, संख्या हुई पांच

अमृत विचार : जिले में डेंगू का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा था और अब टाइफाइड के मरीज भी सामने आने लगे हैं। बीसलपुर क्षेत्र के रसिया खानपुर गांव में किए गए सर्वे में दो टाइफाइड मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई है। पिछले 14 दिनों में डेंगू की एंटीजन किट से जांचे गए 419 मरीजों में से 73 पॉजिटिव पाए गए, जिनमें 30 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है, जबकि राहत की बात यह रही कि अब तक मलेरिया का एक भी मामला सामने नहीं आया है।

बीसलपुर क्षेत्र के गांव रसिया खानपुर में बुखार को प्रकोप करीब 20 दिन से फैला हुआ है। अभी तक इस गांव में 11 लोगों की बुखार से मौत हो चुकी है। जबकि 200 से अधिक बुखार से ग्रसित चल रहे हैं। मौतों का सिलसिला देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार गांव में सर्वे करने में जुटे हुए हैं। दो अक्टूबर से गांव में शुरू हुए सर्वे के दौरान करीब 30 एलाइजा कंफर्म डेंगू मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। जबकि 419 में 73 मरीज एंटीजन किट से डेंगू पॉजिटिव आए हैं। अभी तक इस गांव में सिर्फ डेंगू के मरीज सामने आ रहे थे, लेकिन बुधवार को हुई जांच के दौरान दो मरीज टाइफाइड के भी सामने आए हैं। बरेली में इलाज के दौरान मरने वाले बुंदन हुसैन का डेथ ऑडिट जारी किया है। सीएमओ के अनुसार वह लंबे समय से सांस की बीमारी से जूझ रहे थे। साथ में डायबिटीज के भी शिकार थे। इधर, सीएमओ की ओर से जारी किए गए 15 दिन के रिपोर्ट कार्ड में डेंगू की 419 जांचें कार्ड से की गई। इनमें 73 पॉजिटिव आए। जिसके बाद उनका एलाइजा कराया गया। जिसमें 30 मरीज डेंगू पुष्टि मिले। इसी तरह मलेरिया की 676 जांचे हुई। जिनमें कोई भी पॉजिटिव नहीं मिले। साथ ही दो टाइफाइड के केस मिले हैं। इससे पहले तीन और टाइफाइड के मरीज मिले हैं। सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि डेंगू के अलावा पांच टाइफाइड के मरीज मिले हैं। सभी का इलाज किया जा रहा है। टीमें गांव में लगी हुई है।

अधिवक्ता के भाई की तहरीर पर तीन पर केस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- आरोपी बोले: परिवार में हुई हत्या का बदला लेने के लिए किया था जानलेवा हमला
- घटना के बाद कचहरी परिसर में बढ़ाई गई सुरक्षा, चेकिंग के बाद ही प्रवेश

अमृत विचार: कचहरी परिसर में अधिवक्ता पर हमला करने की घटना के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दूसरे दिन पुलिस पीएसी की तैनाती के बीच आवाजाही करने वालों की चेकिंग पर विशेष जोर दिया गया। घायल के भाई की ओर से तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। मौके से ही हिरासत में लिए गए दो आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया है।

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के बरखड़ी निवासी रामेश्वर दयाल ने सदर कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि उनके परिवार का गांव के ही बृजनंदन से मुकदमे की रंजिश चल रही है। उनके भाई अधिवक्ता ओपी वर्मा बीसलपुर तहसील में प्रेक्टिस करते हैं। 14 अक्टूबर को उनके भाई ओपी वर्मा कचहरी में सिविल बार एसोसिएशन की तरफ सड़क पर अपने अधिवक्ता अजय लल्ला एडवोकेट की सीट पर सुबह 9:30 बजे बैठे हुए थे। तभी पुराने मुकदमेबाजी की रंजिश में उन पर बांके से हमला कर दिया गया था। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपी बरखड़ी गांव के बृजनंदन , सुरेंद्र कुमार और जसपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। दो आरोपी बृजनंदन और सुरेंद्र कुमार को बुधवार को जेल भेज दिया है। दूसरे दिन सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। भारी फोर्स लगाया गया और निगरानी की जाती रही। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर दो आरोपियों को जेल भेज दिया है।

हमलावरों पर रासुका लगाने की मांग : राज्य विधिक परिषद उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्य अजय कुमार शुक्ल ने इस मामले का संज्ञान लिया है। उन्होंने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है जिसमें कहा है कि पीलीभीत में अधिवक्ता पर कचहरी में हुए हमले की घटना से अधिवक्ता समाज में आक्रोश है। आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई करने और प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की गई।

अधिवक्ता पर हुए हमले के बाद कचहरी के दूसरे गेट पर लगा बैरियर और पुलिस।

अधिवक्ता पर हमले के बाद गांव में भी लगाई फोर्स

बीसलपुर, अमृत विचार : अधिवक्ता ओपी वर्मा पर हुए हमले के बाद गांव में भी पुलिस बल की तैनाती की गई है। बता दें कि 2022 में हुए झगड़े के दौरान हत्या भी हो गई थी, जिसमें क्रॉस रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुराने मुकदमे सत्र न्यायालय में विचाराधीन हैं। दोनों पक्ष बरखड़ी गांव के ही रहने वाले हैं। मकान भी नजदीक हैं। ऐसे में एक दिन पूर्व हुई घटना के बाद तनाव को देखते हुए गांव में भी पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। गांव में अधिकारी भी संपर्क कर माहौल भांप रहे हैं।

यूकेलिप्टिस के पेड़ काटे

बरखेड़ा, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर पट्टी के निवासी शशि कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके खेत में यूकेलिप्टस के पेड़ लगे थे। जिन्हें 5 अक्टूबर की शाम 7 बजे गांव के नरेंद्र कश्यप, छत्रपाल ने कटवाया। करीब 100 पेड़ काट दिए और नरेंद्र कश्यप, रावेद्र कश्यप,मोहित और छत्रपाल ने कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी दी। बताया कि उनके बच्चे फौज में हैं और वह घर पर अकेले रहते हैं। ऐसे में आरोपियों से जान का खतरा बताया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

युवक से की मारपीट

बरखेड़ा, अमृत विचार: कोतवाली बीसलपुर के मोहल्ला ग्यासपुर के रहने वाले अनिल कुमार वर्मा ने बरखेड़ा थाने में दी तहरीर में बताया कि उसकी बहन रजनी वर्मा पत्नी हरीओम गांव जिरौनिया में रहती है। 14 अक्टूबर को उसकी बहन ने कॉल कर बताया कि देवर धर्मपाल उसे परेशान करता हैं। जिस पर वह रिश्तेदारों के साथ बहन के घर पहुंचे। बहन को समझाया। देवर धर्मपाल , थाना सुनगढी क्षेत्र के ग्राम टंडोला निवासी बबलू, गजरौला के गांव बंजरिया निवासी रामकुमार, संजीव कुमार ने गाली गलौज कर हमला कर दिया। धारदार चीज से वार कर घायल कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन
डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थिसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ., डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीर वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध 24/7
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

धान के ढेर में दबी पर्चियां बता रहीं व्यवस्था की हकीकत

कई किसानों को धान की फसल का मिला महज 1200 रुपये क्विंटल दाम, लागत निकालना हो रहा मुश्किल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

मंडी समिति में लगे धान के ढेर। ● अमृत विचार

मंडी समिति में एक आढ़त के बाहर लगे धान को बोरी में भरते श्रमिक।

अमृत विचार: सरकारी क्रय केंद्रों पर धान की खरीद धीरे-धीरे तेजी पकड़ रही है। तौल तेजी से कराई जा रही है, लेकिन उससे कई गुना अधिक धान आढ़तों पर पटा हुआ है। मंडी में सरकारी केंद्रों से हटकर धान की कीमत बेहद कम दी जा रही है।

व्यापारी भले इसे नमी अधिक होने की बात कहें, लेकिन किसानों को फसल की लागत निकालना मुश्किल पड़ रहा है। दावे दो हजार रुपये से अधिक दिलाने के किए जाते रहे हैं लेकिन मंडी में आढ़तों के बाहर पड़े धान के ढेरों में दबी बिक्री से जुड़ी पर्चियां हकीकत बयां कर रही है। कई किसानों का धान तो महज 1200 रुपये प्रति क्विंटल में ही बिका।

फिलहाल जिम्मेदार अभी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा सके हैं। हर बार की तरह इस बार भी अधिकांश किसान क्रय केंद्र से दूरी बनाए दिख रहे हैं। उनको क्रय केंद्रों तक लाने में अभी जिम्मेदार पूरी तरह से कामयाब नहीं हो सके हैं।मंडी समितियों में धान की आवक 15 सितंबर के आसपास से शुरू हो गई थी। हालांकि शुरुआती समय में बाढ़ -बारिश के चलते फसल भीगने पर कई किसानों को धान कटवाना पड़ गया था। उस वक्त नमी की मात्रा काफी अधिक होने पर धान की कीमत बेहद कम रही। 3 अक्टूबर से सरकारी धान खरीद शुरू हो चुकी है। इसे 12 दिन बीत चुके हैं। 132 क्रय केंद्रों पर पचास हजार मीट्रिक टन से अधिक धान सरकारी केंद्रों पर खरीदा जा चुका है। मंडी में एक सप्ताह से बड़ी मात्रा में धान की आवक हो रही है। जिसमें एक अनुमान लगाया जाए तो क्रय केंद्रों से अधिक धान अभी भी आढ़तों पर बिक रहा है।

दावे कुछ भी कर दिए जाएं लेकिन मंडी में आढ़तों के बाहर लगे धान के ढेरों में दबी पर्चियां देखें तो न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 के बजाए 1800 रुपये तक ही दाम मिल पा रहा है। बुधवार को तो कई ढेर 1700 से 1775 तक बेचे गए थे। गौटिया के किसान गया प्रसाद का धान तो सिर्फ 1200 रुपये क्विंटल में ही बिका। बंग्ला के राजेंद्र का धान 1725 रुपये में बिका। इसी तरह से अन्य ढेरों की भी कीमत अठारह सौ से कम ही रही। इधर, डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला का कहना है कि मानक के अनुरूप नियम प्रक्रिया अपनाते हुए जो धान क्रय केंद्र पर आ रहा है, उसको खरीदा जा रहा है। सरकारी खरीद भी लगातार बढ़ रही है।

नमी मापने की भी नहीं जरूरत, खाकर ही बता दे रहे स्थिति

आढ़तों पर बोली लगाकर बिकने वाले धान की कीमतें काफी कम मिल रही है। इसमें किसान को ये तो बताया जा रहा है कि उसके धान में नमी अधिक है। मगर, ये नमी किसी यंत्र से मापी ही नहीं जा रही है। आढ़तों पर मौजूद कुछ लोग धान के ढेर से एक-दो तिनके उठाकर मुंह डालकर नमी का आकलन कर रहे हैं। किसान भी कम दाम पर फसल बिकने के बाद इतना ही बता पा रहा है कि धान में नमी अधिक थी, लेकिन कितनी अधिक है, ये उसको भी नहीं पता है।

- अधिकतम 18 सौ तक आढ़तों पर बिका, सरकारी सेंटरों पर भी हुई खरीद

बोली के नाम पर भी निभा रहे महज औपचारिकता

मंडी समिति में धान की बोली लगाई जा रही है। मगर, ये महज औपचारिकता में सिमटी हुई है। खरीद से जुड़े अधिकारियों की मानें तो इस दौरान उनके कर्मचारी भी मौजूद रहते हैं। मगर, अधिकांश जगह बोली लगाने वालों के बीच कोई कर्मचारी नहीं दिखता। ये बात आढ़ती भी दबी जुबां से बता रहे हैं। उनका भी यही कहना है कि अगर बोली लगाने के दौरान ही जिम्मेदार मौजूद रहेंगे तो कुछ और राहत किसान को मिल सकती है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

हर्षिल हॉस्पिटल
क्रिटिकल केयर एण्ड पेन सेन्टर
डॉ. हिमांशू वर्मा
MBBS, MD, FICM, FIPM
क्रिटिकल केयर एवं पेन फिजिशियन
Advanced ICU & OT 24x7 Emergency Operation | TPA/कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
पताः- प्लाट नं. 4 राघव पेट्रोल पम्प के सामने, बुखारा, बरेली
Mob : 9458702280, 8937810741

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
भगन्दर गांठ Piles in Men
डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पताः- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

गणित ओलंपियाड में मरौरी प्रथम

संवाददाता, बीसलपुर

कार्यक्रम में पुरस्कृत किए जाते प्रतियोगिता के विजेता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बीसलपुर में जनपद स्तरीय गणित ओलंपियाड परीक्षा, प्रदर्शनी और क्विज प्रतियोगिता कराई गई। गणित ओलंपियाड एवं क्विज प्रतियोगिता में परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं और गणित प्रदर्शनी में माध्यमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया।

ओलंपियाड लिखित परीक्षा में छात्र सचिन कुमार कंपोजिट विद्यालय कैच मरौरी, छात्रा नीरज कुमारी, सुमन देवी कंपोजिट विद्यालय मुडैला खुर्द, छात्र रूप कुमार उच्च प्राथमिक विद्यालय दियोराजपुर बरखेड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। माध्यमिक स्तर की गणित प्रदर्शनी में शिक्षक विकास अवस्थी एवं विकास चंद्र भारती प्रथम, अजय पाल सिंह द्वितीय और धर्मपाल व कृष्ण देव तृतीय रहे। उच्च प्राथमिक स्तर की गणित प्रदर्शनी में शिक्षिका शालिनी जायसवाल ने प्रथम, शिक्षक मनोज कुमार एवं राजकुमार द्वितीय और शिक्षिका शुचि पचौरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान ब्लॉक मरौरी प्रथम, ललौरीखेड़ा द्वितीय व बरखेड़ा ब्लॉक तृतीय रहा। डायट प्राचार्य महेंद्र कुमार सिंह ने विजेताओं को प्रमाण पत्र दिए। इस मौके पर नीलेश नाथ, वीरेंद्र कुमार, विजय कुमार, पुलकित शर्मा, सुनीता बिष्ट, मंजू लता, आशाराम, निर्मित कुमार,रविंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

पूर्व राष्ट्रपति की जयंती मनाई और किया योग

पीलीभीत, अमृत विचार: उपाधि महाविद्यालय में पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर विचार गोष्ठी कराई गई। संचालन शिक्षाशास्त्र प्रभारी मुकुल अग्रवाल ने किया। इस दौरान मिसाइल मैन को श्रद्धांजलि देते हुए राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को याद किया गया। विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे महापुरूषों के जीवन से प्रेरणा लेकर देश सेवा में अपना योगदान दें। इस मौके पर शिक्षाशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर रुद्रभान सिंह ने भी पूर्व राष्ट्रपति को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।विद्यार्थी गौरव और प्रियांशी ने विचार रखे। उधर, मिशन शक्ति फेस 5.0 के तहत प्रभारी डॉ. शेफाली सक्सेना के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं को योग कराया गया।

दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार: क्षेत्र के गांव जगदीशपुर निवासी रामपाल ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उसने बेटी आशा देवी की शादी 20 वर्ष पहले क्षेत्र के गांव गाजीपुर मुगल निवासी राजेंद्र से की थी। पति राजेंद्र, ससुर ओमप्रकाश, देवर राजू, धनपाल, दाताराम बाइक और एक लाख रुपये की मांग कर रहे थे। इसके पूरा न होने पर 12 अक्टूबर की रात मारपीट कर निकाल दिया। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज की है।

कहासुनी के बाद युवक को पीटा

बरखेड़ा, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव सुकटिया के रहने वाले प्रेमपाल ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि वह नौ अक्टूबर को अपने घर के पास में स्थित दुकान पर बैठे थे। इस बीच गांव के महेश शराब के नशे में आया और उसे गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारने पीटने लगा। जान से मारने की धमकी देकर चला गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

शराब खरीदने गए भाइयों से मारपीट

बरखेड़ा, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव पिपरिया मंडन के रहने वाले ताराचंद ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि वह और उसका भाई मुनेंद्रपाल 10 अक्टूबर की रात के 9 बजे शराब भट्टी पर शराब खरीदने गया था। मौजूद गांव के ही बदालू दोनों भाइयों से गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर बदालू, नितिन, सागर, निर्दोष ने हमला कर पीटा। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

मारपीट में ग्रामीण घायल,रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार: थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम गुर्ज गौटिया निवासी शिवकुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके खेत पर धान की फसल खड़ी हुई है। गांव के ही प्रदीप,डालचंद और सौरभ की पालतु बकरियां धान खाती हैं। मना करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी है।

न्यूज डायरी

बरखेड़ा में देर रात तक चला मैया का जगराता, उमड़े भक्त

बरखेड़ा , अमृत विचार : मां आदि शक्ति जागरण ट्रस्ट के बैनर तले कस्बे के मेला मैदान में मंगलवार रात 34वां विशाल दुर्गा जागरण किया गया। जिसके लिए ज्वाला जी से मां की ज्योति लाई गई। पंडित शिवम मिश्रा, दिव्यांश शुक्ला, प्रदीप शुक्ला ने विधि विधान से पूजा अर्चना कराकर जागरण शुरू कराया। गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी। आकर्षक ढंग से झांकियां प्रस्तुत की गई। कस्बे में मेला मैदान में मंगलवार शाम को माता रानी का जागरण कराया गया। मां आदि शक्ति जागरण ट्रस्ट के सदस्यों ने मां ज्वाला जी से ज्योति लाकर जगराते में माता रानी की प्रतिमा के समक्ष रखकर विधि विधान से पूजा अर्चना की। जागरण की शुरुआत किशोर कुमार ने गणेश वंदना और गुरु वंदना से कराई। कानपुर से आए संदीप मस्ताना ने प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, तेरे दरबार में मैया खुशी मिलती है.. आदि भेटों की प्रस्तुति दी। देवी देवताओं की झांकियां सजाई गई। कथा के बाद प्रसाद का वितरण कर जगराता संपन्न हुआ।

डिग्री कॉलेज में कराई गई गोष्ठी

बीसलपुर, अमृत विचार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति अभियान 5 .0 के अन्तर्गत गुड टच और बैड टच को लेकर छात्राओं को जागरुक किया गया। गोष्ठी में विचार रखे गए। नोडल अधिकारी डॉ. चंद्रप्रभा गंगवार की मौजूदगी गोष्ठी संपन्न हुई। इसकी शुरुआत प्राचार्य डॉ. दरख्शां ने कराई। डॉ. पूर्णिमा भारद्वाज ने छात्राओं को गुड़ टच-बैड टच के बारे में बताया। प्राचार्या ने बताया कि इस विषय में जागरूक व सावधान रहना अति आवश्यक है। डॉ चन्द्रप्रभा ने कहा कि गुड टच-बैड टच को समझकर भविष्य में होने वाली शोषण व दुर्घटना से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी छात्राओं का दायित्व है कि वे अपने घर-परिवार व आसपास की छोटी बालिकाओं को इस विषय में जागरूक करें।

सड़क सुरक्षा सबकी जिम्मेदारी

पीलीभीत, अमृत विचार : सड़क हादसों की बढ़ती संख्या को देखते हुए डिवाइन कॉलेज में सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण और सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ .नीरज कुमार जायसवाल ने शुरुआत कराई। कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकार की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। प्रवक्ता डॉ. हरचरन लाल ने कहा कि छोटी सी सावधानी-जैसे यातायात संकेतों का पालन, तेज गति से बचाव, ओवरटेक से बचना और पैदल पथ का उपयोग, हमारी और दूसरों की जान बचा सकती है। इस दौरान शपथ भी दिलाई गई।इस मौके पर भारत वीर, मुन्तहा अंसारी, प्रिया सिंह, राखी, अंषमोहन, अनु, बलराम, भुवनेष्वरी देवी, केषव वर्मा, मंजू देवी, सलोनी देवी, युवराज सिंह आदि ने प्रतिभाग किया।

बच्चों को बताए हाथ धोने के सात तरीके

पीलीभीत, अमृत विचार : शैमरॉक किरन स्कूल में ग्लोबल हैंड वॉशिंग डे मनाया गया। बच्चों को हैंड वॉश के सात तरीके बताए गए। सभी को हैंड वॉश करने का तरीका बता कर उसका अभ्यास भी करवाया गया। सुबह की प्रार्थना के दौरान कक्षा एक के विद्यार्थियों ने सुंदर सी स्किट के माध्यम से गंदगी से होने वाली समस्याओं को दर्शाया और गंदगी से दूर रहने के तरीकों से अवगत कराया। साथ ही बच्चों ने हाथ धोने के सात तरीकों को बताते हुए हाथों को स्वच्छ रखने के महत्व को समझाया। प्रधानाचार्या अदिति सक्सेना ने ग्लोबल हैंडवाशिंग डे का महत्व बताया। इस मौके पर शानी, पल्लवी , विप्रा , रश्मि , सायमा , रूचि , इक़रा , सदफ ,दीपिका सक्सेना , दीपिका तिवारी , सिदरा, अदिति, लव, ज्योति, सागर आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

श्रीराम-केवट संवाद और सीताहरण का सुनाया प्रसंग

केशवापुर, अमृत विचार : कोरैया मुफरत में पहलवान बाबा देवस्थान पर हो रही श्रीरामकथा के छठे दिन राम केवट संवाद व सीता हरण की कथाव्यास प्रेममूर्ति रामानुजाचार्य महाराज ने भक्तों को श्रवण कराई। उन्होंने राम केवट संवाद का प्रसंग रामायण की चौपाइयों के जरिये सुनाया। सीता हरण का प्रसंग सुन लोगों की आंखें नम हो गईं। प्रधानपति संजय वर्मा और क्षेत्रवासियों के सहयोग से हो रही श्रीराम कथा का समापन हवन, पूजन, भंडारा के साथ होगा।

दो कोबरा सांपों को पकड़कर दुधवा जंगल में छोड़ा

पलिया कलां, अमृत विचार : गौरीफंटा रेंज के बनगवां गांव में एक घर में दो कोबरा सांप देख लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची मोटिवेटर नाजरुन निशा ने दोनों को पकड़कर दुधवा जंगल में छोड़ दिया है। उन्होंने सर्प की पहचान वन्यजीव संरक्षित प्रजाति स्पेक्टेकल कोबरा के रूप में की। उन्होंने बताया कि कोबरा की यह प्रजाति अत्यंत तेज, सतर्क और घातक विष वाली मानी जाती है। यह प्राय: चूहों का शिकार करता है, इसी कारण यह मानव बस्तियों के पास दिखाई दे जाता है।

महिलाओं पर फब्तियां कसते युवक को किया गिरफ्तार

रोशननगर, अमृत विचार : हैदराबाद थाना प्रभारी सुनील मलिक ने बताया कि एंटी रोमियो टीम ने गांव तकिया निवासी अनरोज को शहाबुद्दीनपुर तिराहा पर महिलाओं पर फब्तियां कसते हुए गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी का चालान भेजा है।

पुलिस टीम ने शांति भंग करने वाले छह आरोपी किए गिरफ्तार

रोशननगर, अमृत विचार : हैदराबाद थाना अध्यक्ष सुनील मलिक ने बताया कि पुलिस टीम ने शांति भंग करने वाले नीरज कुमार, किस्मत कुमार निवासी कचियानी, गजराम, स्वामी दयाल, लेखराम निवासी जमुनहा और राजाराम निवासी भैरोंकला थाना माधोटांडा जिला पीलीभीत को गिरफ्तार कर शांति भंग करने के आरोप में चालान भेज दिया है।

सड़क चौड़ीकरण के लिए चला बुलडोजर, 25 निर्माण किए ध्वस्त

मेला मैदान रोड पर दो महीने पहले दिया था नोटिस, शटर उखाड़े और छज्जे तोड़े, प्रशासन और पीडब्ल्यूडी की संयुक्त टीम ने की बड़ी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: एलआरपी चौराहे से संकट देवी चौराहा, मेला मैदान होते हुए महेवागंज तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य प्रस्तावित है। इसके लिए दो महीने पहले अतिक्रमण हटाने के लिए दुकान व भवन स्वामियों को नोटिस दिए गए थे। बुधवार को संकटा देवी चौराहे से मेला मैदान रोड पर अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चला दिया गया।

दुकानों और भवनों के छज्जे तोड़ दिए गए और शटर उखाड़ दिए गए। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने गंभीर बीमार दुकानदार की बंद दुकान को भी न छोड़ा और उसका शटर उखाड़ ले गए। हालांकि परिजन दो दिन का समय देने के लिए मिन्नतें करते रहे। उधर, दीपावली से ठीक पहले इस कार्रवाई की सोशल मीडिया पर आलोचना होनी लगी। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता (सीडी-1) केके झा ने बताया कि शहर के मेला मैदान मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण कार्य को लेकर प्रशासन और पीडब्ल्यूडी की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की।

संकटा देवी चौराहे से मेला मैदान तक सड़क किनारे बने 20 से 25 पक्के निर्माण हटाए गए, जबकि कुछ दुकानों के शटर तोड़कर हटाए गए निर्माणों को भी साफ किया गया। हालांकि सड़क निर्माण तो हो चुका है लेकिन अतिक्रमण पूरी तरह नहीं हट सका है। इसीलिए यह कार्यवाई की गई। अधिकारियों ने यह भी बताया कि अभी सड़क चौड़ीकरण के लिए पूरी आवश्यक जगह खाली नहीं हो सकी है। कई स्थानों पर आंशिक निर्माण शेष हैं, जिन्हें अगले चरण में तोड़ा जाएगा। कार्रवाई के दौरान टीम ने फीता लगाकर पैमाइश की और यह स्पष्ट किया कि सड़क को कितनी चौड़ाई तक बढ़ाया जाना है।

कार्यवाई के दौरान एसडीएम सदर अश्वनी सिंह, अधिशासी अभियंता (सीडी-1) केके झा, नायब तहसीलदार, लेखपाल सहित राजस्व विभाग और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही शेष निर्माण भी हटाकर कार्य को गति दी जाएगी।

एक दुकान पर चलता बुलडोजर। ● अमृत विचार

मेला मैदान रोड पर अतिक्रमण को ढहाता बुलडोजर। ● अमृत विचार

अतिक्रमण हटवाने की कार्रवाई के दौरान मौजूद लोग। ● अमृत विचार

> सड़क के दोनों तरफ पूरी तरह से अतिक्रमण नहीं हट सका है। दुकानदारों ने अपने अपने पक्के अतिक्रमण तोड़े हैं लेकिन उतना नहीं तोड़ा जितना पैमाईश में था, इसलिए जेसीबी से यह कार्रवाई की गई है।
> **-अश्वनी सिंह,** एसडीएम सदर

गंभीर बीमार दुकानदार की बंद दुकान को भी न छोड़ा

तीन माह से गंभीर बीमारी के कारण इदरीस की लखनऊ में डायलिसिस हो रही है। बीमारी के कारण उनकी दुकान बंद है। बुधवार को जब अधिकारियों की टीएम जेसीबी लेकर पहुंची तो इदरीस के परिवार वाले मिन्नतें करते रहे कि दो घंटे का समय और दे दीजिए। डायलिसिस कराकर लौटते ही दुकान का सामान खाली कर हटा लेंगे, लेकिन अधिकारियों ने एक न सुनी और शटर उखाड़ ले गए। इससे सारा सामान सड़क पर आ गया। परिजनों को कहना है कि दो घंटे का भी समय नहीं दिया, जिससे उनका काफी नुकसान हो गया है।

दुधवा की बेलरायां रेंज में 3 लकड़कट्टे दबोचे

संवाददाता, पलियाकलां/खीरी

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व की बेलरायां रेंज में मंगलवार की रात पेट्रोलिंग टीम का कीमती साखू की लकड़ी के बोटे साइकिल पर लादकर जा रहे लकड़ कट्टों से सामना हो गया। टीम ने जब उन्हें ललकारा और दबोचने की कोशिश की तो लकड़ कट्टों ने टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग के बाद वनकर्मियों ने तीन लकड़ कट्टों को दबोच लिया, जबकि उनके छह साथी साइकिलों को मौके पर छोड़कर भाग जाने में सफल रहे। वन विभाग ने केस दर्ज कर तीनों आरोपियों का चालान भेजा है।

दुधवा टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक जगदीश आर. ने बताया कि बेलरायां रेंज की गश्त के दौरान वनकर्मियों ने कुछ लोगों को साखू के कीमती पेड़ काटते हुए पकड़ा। जब टीम ने उन्हें ललकारा तो अपराधियों ने जानलेवा फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में टीम ने साहस दिखाते हुए तीन को धर दबोचा, लेकिन छह आरोपी बोटों से लटी साइकिलें मौके पर छोड़कर भाग निकले। पकड़े गए अपराधियों की पहचान शमीम पुत्र बुद्धा, अल्ताफ पुत्र मेहदी हसन और अलीम पुत्र बुद्धा, निवासी कुशाही कोतवाली तिकुनियां के रूप में हुई है। मौके से आरा, कुल्हाड़ियां, कीमती साखू के लट्ठे और नौ साइकिलें बरामद की गई हैं। वन विभाग ने तीनों को गिरफ्तार कर चालान भेजा है, जबकि फरार अपराधियों की तलाश में रेंज की सीमाओं पर सघन नाकेबंदी की गई है।

गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी व वन विभाग की टीम। ● अमृत विचार

बेलरायां रेंज में लगातार सक्रिय वन माफिया

काफी लंबे समय से दुधवा नेशनल पार्क की बेलरायां रेंज में साखू और अन्य कीमती वृक्षों की अवैध कटाई जारी है। रात के अंधेरे में आरे और कुल्हाड़ियों की आवाज़ें जंगल की खामोशी चीर रही हैं। वन माफिया का जाल इतना मजबूत है कि वे गांव-गांव तक अपने सहयोगी फैला चुके हैं। लकड़ी काटने, लादने और बेचने तक की पूरी चेन सक्रिय है। कमज़ोर निगरानी: कई बार गश्ती दलों की संख्या कम होने या सीमित संसाधनों के चलते अपराधी पकड़ से बाहर रह जाते हैं।

बस की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत

पसगवां, अमृत विचार: मोहम्मदी शाहजहांपुर मार्ग पर ग्राम मछेछा में पेट्रोल पंप के निकट बस की टक्कर से बाइक सवार एक छात्र की मौत हो गई जबकि दूसरा घायल हो गया। मोहम्मदी थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुर निवासी और कक्षा 11 का छात्र आशुतोष शुक्ला और मोहल्ला शुक्लापुर निवासी वैभव त्रिवेदी बाइक से शाहजहांपुर की ओर जा रहे थे।

इसी ओर जा रही एक रोडवेज बस से बाइक की मछेछा पेट्रोल पंप के पास टक्कर हो गई जिससे दोनों बाइक सवार घायल हो गए। दोनों घायलों को इलाज के लिए मोहम्मदी सीएचसी भेजा गया है जहां आशुतोष शुक्ला(16) की मृत घोषित कर दिया गया। घायल वैभव (16) का इलाज सीएचसी पर चल रहा है। रोडवेज बस मौके से चली गई।

ट्रामाडोल तत्व से निर्मित अवैध औषधि के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: औषधि विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने मेडिकल संचालक के आवास से ट्रामाडोल तत्व से निर्मित अवैध औषधि के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस की कार्यवाही की है।

मंगलवार को औषधि निरीक्षक बबीता रानी ने ड्रग टीम के साथ पुलिस की मौजूदगी में त्रिलोक गिरि मंदिर मार्ग स्थित पीयूष मेडिकल स्टोर के संचालक के घर से ट्रामाडोल तत्व से निर्मित अवैध औषधि के 37 गत्तों को बरामद किया था, जिन्हें जांच के लिये प्रयोगशाला भेजा गया है। पुलिस ने इस मामले में मेडिकल संचालक ऋषभ मिश्रा, सरोज कुमार मिश्रा और आयुष मिश्रा को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिक कार्रवाई की है।

गोला में दवाओं के सील गत्तों के साथ आरोपी। ● अमृत विचार

महिला एसआई का मोबाइल छीनने का भी है आरोप

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : गोला कोतवाली में तैनात महिला एसआई बबीता ने भी पीयूष मेडिकल स्टोर मामले में सरकारी कार्य में बाधा समेत कई अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया है। महिला एसआई का कहना है कि वह मंगलवार को औषधि निरीक्षक बबीता रानी, महिला आरक्षी रश्मि अग्निहोत्री, आरक्षी रामभूल वर्मा, अवनीश मौर्य और जीशान अली के साथ पीयूष मेडिकल एजेंसी के मेडिकल स्टोर, गोदाम और घर पर छापेमारी की कार्रवाई के दौरान मौके पर शांति व्यवस्था ड्यूटी में थी। तभी वहां मौजूद आयुष उर्फ़ नितिन पुत्र संतोष निवासी त्रिलोक गिरि मार्ग अपने कुछ अज्ञात साथियों के साथ ड्रग निरीक्षक बबीता रानी और मौजूद पुलिस कर्मियों के साथ अभद्रता करने लगे। उनके मना करने पर उसने मोबाइल छीन लिया। अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचने पर उसने मोबाइल फेंक दिया।

धनतेरस से यम द्वितीया तक पांच दिन हैं त्यौहार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● आचार्य प्रमोद ने बताए पूजा करने के मुहर्त

अमृत विचार : धन त्रयोदशी यानी धनतेरस से लेकर यम द्वितीया तक पांच दिन त्यौहार हैं। धनतेरस का पर्व प्रदोषकाल में त्रयोदशी होने के कारण 18 अक्टूबर शनिवार को मनाया जाएगा। धन, ऐश्वर्य में वृद्धि की कामना से महालक्ष्मी का पूजन-अर्चन किया जाएगा। इसके लिए सर्वोत्तम प्रदोष काल में स्थिर लग्न 6.59 बजे से 8.56 बजे के मध्य है। पूजा का यह शुभ मुहूर्त है।

चंद्रकला आश्रम के महंत आचार्य प्रमोद ने मुहूर्त के बारे में बताया कि 19 अक्टूबर रविवार को छोटी दीपावली यानी नरक चतुर्दशी है। 20 अक्टूबर सोमवार को मध्यान्ह 2.32 बजे से अमावस्या लग जाएगी जो अगले दिन 21 अक्टूबर मंगलवार को शाम 4.26 बजे तक रहेगी। प्रदोषकाल व रात्रि में अमावस्या होने पर दीपावली मनाने का शास्त्रोक्त विधान है। चूंकि प्रदोष व रात्रि व्यापिनी अमावस्या 20 अक्टूबर सोमवार को ही है, इसलिए 20 अक्टूबर को दीपावली मनाई जाएगी। दीपावली के दिन माता लक्ष्मी व भगवान गणेश की पूजा होगी। मां लक्ष्मी धन समृद्धि की देवी हैं तथा भगवान गणेश बुद्धि तथा विवेक के देवता हैं।आचार्य प्रामोद ने बताया कि यदि हम अपने जीवन में सद्बुद्धि बनाएं रखें एवं परोपकार एवं कर्तव्य पालन का ध्यान रखें तो मां लक्ष्मी की कृपा से उत्तरोत्तर धन समृद्धि तो बढ़ती ही है, साथ ही घर में खुशहाली आती है।

तीन हैं पूजा के मुहूर्त

वह बताते हैं कि दीपावली पर पूजा के तीन मुहूर्त हैं।

पहला : दिन में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए स्थिर कुंभ लग्न दो बजकर 13 मिनट से तीन बजकर 44 मिनट तक।

दूसरा : सर्वोत्तम प्रदोष काल में स्थिर वृष लग्न छह बजकर 51 मिनट से आठ बजकर 48 मिनट तक।

तीसरा : महानिशा में तांत्रिक पूजा मंत्र सिद्धि के लिए स्थिर सिंह लग्न एक बजकर 19 मिनट से तीन बजकर 33 मिनट तक

● शेष रात्रि या भोर में सूप बजाकर दरिद्रता का निवारण व लक्ष्मी का पदार्पण कराया जाएगा। स्नान-दान व श्राद्ध के लिए अमावस्या 21 अक्टूबर मंगलवार को है। भौमवती अमावस्या के पवित्र संयोग के साथ मनाई जाएगी।

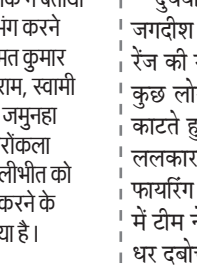

महंत आचार्य प्रमोद।

अन्न कूट पर्व 22 को

अन्नकूट का प्रसिद्ध पर्व देव मन्दिरों में विविध प्रकार के व्यंजनों के नैवैद्यार्पण भोग के साथ होगा तथा काशी से अन्यत्र गोवर्धन पूजा भी 22 अक्टूबर बुधवार को होगी। गोवर्धन पूजा सहित भ्रातृ द्वितीया या भइयादूज चित्रगुप्त पूजा,कलम दवात पूजा 23 अक्टूबर को मनाई जाएगी।

झपकी आने से ट्रक पलटा, चालक घायल

मझगई, अमृत विचार : पलिया निघासन हाईवे पर बुधवार सुबह एक गिट्टी भरा ट्रक गहरी खंती में पलट गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मझगई थाना क्षेत्र के सलीमाबाद के पास निघासन की ओर जा रहे ट्रक में चालक जयप्रकाश निवासी जहानाबाद जनपद पीलीभीत झपकी आने की वजह से नियंत्रण खो बैठा। ट्रक कई पलथे लेकर सड़क के उत्तर दिशा में गहरी खंती में पलट गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल चालक को एंबुलेंस की मदद से पलिया सीएचसी भेजा है। परिचालक नसीम बाल-बाल बच गया।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत

फरधान, अमृत विचार: थाना मैलानी के गांव दुलारेपुर निवासी राम सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी शालिनी (22) की शादी थाना फरधान के गांव बरखेरवा निवासी अंबेश के साथ की थी। आसपास के लोगों ने बेटी की मौत होने की खबर दी। वह मौके पर पहुंचे तो शव घर के अंदर फंदे से लटक रहा था. उन्होंने मृतका के पति व ससुराल के अन्य लोगों पर मारपीट कर प्रताड़ित करने और हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है और पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक दया शंकर द्विवेदी ने बताया कि मामले की जांच कर तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

डीएम ने कराई वैज्ञानिक विधि से धान की कटाई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बुधवार को प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धार्वे के साथ तहसील व विकासखंड लखीमपुर की ग्राम पंचायत रंगीलानगर का दौरा किया और पीएम फसल बीमा योजना के अंतर्गत एक खेत में स्वयं की देखरेख में क्रॉप कटिंग कराई। यह निरीक्षण न केवल किसानों को योजना का वास्तविक लाभ देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, बल्कि इससे प्रशासन की पारदर्शिता और तकनीकी सटीकता को भी बल मिला।

इस अवसर पर डीएम ने किसान राममूर्ति पुत्र छेदीलाल के खेत में पहुंचकर न केवल वैज्ञानिक पद्धति से धान की फसल कटवाई, बल्कि कृषक से सीधी बातचीत कर खेतीबाड़ी से जुड़ी जमीनी समस्याओं को भी समझा। धान की उत्पादकता का आंकलन करने के उद्देश्य से डीएम ने खेत में 43.3 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का 10-10-10 मीटर का समबाहु त्रिभुज प्लॉट चिन्हित कराया। इसके पश्चात सीसीई एग्री एप के माध्यम से क्रॉप कटिंग की प्रक्रिया सम्पन्न कराई गई। कटाई के उपरांत उपज का वजन कर, आवश्यक आंकड़े संकलित किए गए, ताकि किसानों को वास्तविक उपज के अनुसार मुआवजा दिलाया जा सके। इसमें 11.770 किलोग्राम फसल प्राप्त हुई।

किसानों से बातचीत के दौरान डीएम ने पराली जलाने के दुष्परिणाम भी समझाए। साथ ही पराली न जलाकर उसे खेतों में मिट्टी सुधार के लिए उपयोग करने की अपील की।

इस दौरान अपर सांख्यिकी अधिकारी लखनऊ मंडल हर्षित मिश्रा, प्रभारी तहसीलदार सुनील कुमार, बीमा कंपनी के जिला समन्वयक आशीष अवस्थी ने पूरे क्रॉप कटिंग अभ्यास की बारीकी से निगरानी की और जरूरी तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

वैज्ञानिक विधि से कटाई के दौरान धान को देखतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल।

● रंगीलानगर में किसानों से किया संवाद, समस्याएं जानीं

प्रशासन की अनुमति न मिलने से परेशान मेला समिति

सिंगाही, अमृत विचार: श्री रामलीला मेला लगाने की अनुमति न मिलने से मेला समिति सिंगाही के पदाधिकारी परेशान हैं। अब वह अनुमति दिलाने के लिए पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी और निघासन विधायक शशांक वर्मा के कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं।

एसडीएम राजीव निगम ने बताया कि जल्द ही नगर पंचायत में व्यापारी, सभासद, नगर वासियों व जनता मेला समिति की बैठक 17 अक्टूबर को नगर पंचायत कार्यालय में बुलाई गई है, जिसमें पुरानी समितियां भी शामिल होंगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

5.38 लाख महिलाओं को दीपावली पर तोहफा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: महिलाओं की दिवाली रोशन करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1,500 करोड़ की धनराशि से उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी की सौगात दी। कलेक्ट्रेट में आयोजित भव्य समारोह में लखनऊ कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग हुई, जिसमें सीएम योगी आदित्यनाथ के उद्बोधन को देखा व सुना गया। संचालन डीएसओ अंजनी कुमार सिंह ने किया।

जनपदीय कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, डीएसओ अंजनी कुमार सिंह के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। डीएम ने उज्जवला लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक का वितरण किए। डीएम ने सभी लाभार्थियों को दीपावली के पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत जिले के पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी की धनराशि का तोहफा देकर महिलाओं की दिवाली रोशन करने का काम किया। डीएसओ अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि खीरी में 05 लाख 38 हजार 961 गरीब महिलाएं उज्ज्वला योजना की लाभार्थी हैं।

आधार प्रमाणित लाभार्थियों को निःशुल्क एलपीजी सिलेण्डर रिफिल का वितरण किया गया। योजना के तहत लाभार्थी को 14.2 किलो का सिलेंडर रिफिल मिलेगा, जिसके बाद सब्सिडी उसके आधार प्रमाणित खाते में ऑयल कम्पनियों द्वारा अंतरित की जाएगी। इस अवसर पर सेल्स ऑफिसर इंडियन ऑयल के साथ में लखीमपुर के वितरक मौजूद रहे।

लाभार्थी महिलाओं के साथ डीएम व जिलास्तरीय अधिकारी। ● अमृत विचार

● मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने भेजी सब्सिडी, डीएम ने बांटे प्रतीकात्मक चेक

विद्यार्थियों ने देखे जादूगर के करतब

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार

श्री राजेन्द्र गिरि मेमोरियल अकादमी लक्ष्मनजती में मेरठ के जादूगर सम्राट वर्मा ने प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में छात्रों को जादू के हैरतअंगेज करतब दिखाए, जिन्हें देखकर बच्चे अचंभित और आनंदित भी हुए। जादूगर सम्राट वर्मा ने अखबार फाड़कर उसे पुनः ज्यों का त्यों कर देना, 100 रुपये के नोट को देखते ही देखते 200 या 500 रुपये के नोट में बदल देना या गायब कर देना, सुतली को बार-बार काटने के बावजूद उसका छोटा बड़ा होना जैसे जादुई खेल देखकर बच्चे अवाक रह गये। प्रधानाचार्य आलोक कुमार मिश्र ने जादूगर व उनके सहयोगी के विद्यालय आगमन और बच्चों को जादुई करतब दिखाने हेतु आभार व्यक्त किया। डायरेक्टर मोहित पुरी ने छात्र छात्राओं के स्वस्थ मनोरंजन करवाने हेतु आगंतुक जादूगर के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर शिक्षक शिक्षिकाओं की भी मौजूदगी रही।

सीएचसी फरधान को मिला कायाकल्प अवार्ड

डॉ. अमित वाजपेयी को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित करते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता।

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: ब्लॉक स्तरीय चिकित्सा इकाइयों में आयोजित कायाकल्प मूल्यांकन इंटरनल, पीयर और एक्सटर्नल असेसमेंट में सीएचसी फरधान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 74.60 अंक हासिल किए और कायाकल्प अवार्ड के लिए चयनित होकर जनपद का नाम रोशन किया।

बुधवार को इस उपलब्धि पर सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित वाजपेयी को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया और पूरी टीम को बधाई दी। इस अवसर पर एसीएमओ डॉ. आरएम गुप्ता और डीपीएम अनिल यादव भी मौजूद रहे। सीएमओ ने बताया कि कायाकल्प कार्यक्रम के तीन चरणों इंटरनल, पीयर और एक्सटर्नल असेसमेंट में सीएचसी फरधान ने शानदार अंक प्राप्त किए। अंकों के आधार पर इसे कायाकल्प अवार्ड हेतु चयनित किया है। कहा यह सफलता स्वास्थ्य विभाग की टीमवर्क और समर्पण का परिणाम है, जिससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

कोटेदार पर घटतौली का आरोप

मझगईं, अमृत विचार : बौधिया कलां गांव में कोटेदार पर घटतौली का आरोप लगा है। रामनरेश ने बताया कि 12 अक्टूबर को उनके भाई जगदीश राशन लेने सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान गए। जगदीश के राशन कार्ड पर चार यूनिट दर्ज हैं, जिस पर उन्हें 20 किलोग्राम राशन मिलना था, लेकिन कोटेदार अजय ने केवल 10 किलोग्राम राशन दिया। कोटेदार ने जगदीश की मूक-बधिरता का फायदा उठाया। जब रामनरेश ने कम राशन देने का कारण पूछा और कार्रवाई की बात की तो कोटेदार ने कथित रूप से उन्हें धमकाते हुए कहा कि ऊपर तक हिस्सा देता हूं, जो करना है कर लो। रामनरेश ने घटना का वीडियो रिकॉर्ड किया है, जिसे डीएम को भेजते हुए कोटेदार के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई है।

जानलेवा हमला, धमकी देने का आरोप

मझगईं, अमृत विचार : गांव खैराहनी निवासी चंदन सोनी ने बैधिया कोटेदार पर दो साथियों के साथ मिलकर जानलेवा हमला और धमकी देने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बम्हनपुर सरस्वती विद्यालय के पास आरोपियों ने उसका रास्ता रोक लिया और गालियां देने लगे। विरोध पर बाइक से खींचकर गिराया और लात-घूंसों से मारपीट की। प्रभारी निरीक्षक राजू राव ने कहा कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। दोनों पक्षों को थाने बुलाया है।

दशहरा मेला: भोजपुरी संगीत से संजोली ने बिखेरा जादू

पालिकाध्यक्ष की मौजूदगी में सीडीओ ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन, प्रबुद्धजनों को मिला सम्मान

भाजपा के वरिष्ठ नेता उमाशंकर मिश्र को सम्मानित करतीं पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव।

भोजपुरी संगीत सम्मेलन में प्रस्तुति देतीं संजोली पांडेय। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- देर रात तक जमे रहे दर्शक तालियों से गूंजता रहा वातावरण

अमृत विचार: दशकों की धरोहर और पूर्वांचल की जीवंत संस्कृति के संगम स्थल पर प्राचीन ऐतिहासिक दशहरा मेला अपने पूरे शबाब पर रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में ग्यारहवीं शाम सुरमई भोजपुरी संगीत सम्मेलन ने पंडाल में मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुख्य अतिथि सीडीओ अभिषेक कुमार, पालिकाध्यक्षा डॉ. इरा श्रीवास्तव, ईओ संजय कुमार और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच पर भोजपुरी प्रस्तुतियों के संग सुर संगीत की मधुर लहरें बिखेरते हुए लोकगायिका संजोली पांडेय की प्रस्तुति ने लोगों के दिलों में सुर और थिरकन का अमर अनुभव उकेरा।

उनकी मधुर और जीवंत प्रस्तुतियों ने पूर्वांचल की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संजोते हुए दर्शकों को देर रात तक मंत्रमुग्ध रखा। उद्घाटन सत्र का संचालन समाजसेवी और साहित्यकार राम मोहन गुप्त ने किया। इस अवसर पर पारंपरिक रूप से पालिका परिषद द्वारा विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में योगदान देने वाले लोगों का सम्मान किया गया। जिनमें एमआर सुजीत गुप्ता, सचिन प्रभाकर, अवधेश प्रताप सिंह, रामज्ञान, आदर्श मिश्रा, प्रमोद सिंह, प्रदीप सक्सेना, परशुराम सनातनी सेना के संतोष मिश्रा आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता प्रीतम सिंह बग्गा, वरिष्ठ भाजपा नेता उमा शंकर मिश्रा दद्दू, समाजसेवी इंद्रेश गुप्ता, यदुलेश मुरारी सक्सेना, डॉ. पीके गुप्ता मौजूद रहे।

सम्मेलन का संयोजन सभासद विजय गुप्ता, अजय गुप्ता लकी, बृजेश पाल, अनिरुद्ध त्रिपाठी, राकेश कुमार के निर्देशन में हुआ। इस मौके पर डॉ. प्रदीप गुप्ता, मेला अधिकारी समरा सईद, मेलाध्यक्ष कौशल तिवारी, श्वेता शर्मा, कुमुदेश्वर शंकर शुक्ला आदि मौजूद रहे।

स्वयंसेवकों के समर्पण से पूरे विश्व में लहरा रहा संघ का ध्वज

मूड़ा सवारान, अमृत विचार: वसलीपुर ग्रंट के नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर मनाए जा रहे शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हुए कार्यक्रम में भारत माता और वंदे मातरम के जय घोष से पूरा स्टेडियम गुंजायमान हो उठा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संयोजक रामनरेश ने कहा कि व्यक्ति समाज और राष्ट्र निर्माण का अध्याय लेकर चलें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संसार के सबसे विशाल और अनूठे संगठन की यह यात्रा त्याग, तपस्या, निस्वार्थ सेवा और अनुशासन का प्रतीक है। यह प्रत्येक स्वयंसेवक का समर्पण है कि आज पूरे विश्व में संघ का ध्वज लहरा रहा है।

उन्होंने धर्म की रक्षा करते हुए देश के उत्थान पर विचार करने पर जोर दिया। समाज में संघ की भूमिका की सराहना करते हुए स्वयंसेवक के रूप में शाखाओं में भागीदारी बढ़ाने की बात कही। इस मौके पर ग्राम पंचायत वसलीपुर सहित क्षेत्र के तमाम सम्मानित नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन संघ गीत के साथ किया गया।

सिंगाही खुर्द और मझरा पश्चिम के लोगों का धरना

क्रमिक अनशन पर बैठे लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

- रेल चलाओ आंदोलन का 10वां दिन क्रमिक धरना जारी

अमृत विचार: रेल चलाओ, क्षेत्र बचाओ आंदोलन के तहत पलिया रेलवे स्टेशन पर चल रहा अनिश्चितकालीन क्रमिक धरना बुधवार को दसवें दिन भी जारी रहा। इस दौरान मझरा पश्चिम और सिंगाही खुर्द सहित आसपास के गांवों के नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

धरने में संघर्ष समिति के संयोजक कमलेश राय के नेतृत्व में ग्राम प्रधान सिंगाही खुर्द प्रमोद कुमार राणा, पूर्व प्रधान मझरा पश्चिम अमरीक सिंह, गया प्रसाद, संतोष कुमार राणा, राजकुमार कंपनी फॉर्म, प्रीतम सिंह, मोहम्मद मुमताज, राजा खान बड़ागांव, राज कपूर मुसाफिरनगर समेत कई नागरिक धरने पर बैठे। इसी बीच नगर पालिका परिषद पलिया के सभासद गौरव गुप्ता, रईस अहमद, रामगोपाल वर्मा, निर्भय नारायण व सावित्री देवी ने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया। धरने को संबोधित करते हुए कमलेश राय, कामरेड आरती राय, लल्लन गौड़, विश्वकांत त्रिपाठी व सरदार अमरीक सिंह ने कहा कि मैलानी-पलिया-बेलरायां-नानपारा रेल रूट पर तत्काल ट्रेन संचालन शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन क्षेत्र के विकास और जन सुविधा से जुड़ा है, जिसे जनसमर्थन से और भी व्यापक बनाया जाएगा।

रसोइयों ने मांगों को लेकर किया धरना-प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- मुख्यमंत्री को संबोधित नौ सूत्रीय मांग पत्र डीएम कार्यालय में सौंपा

अमृत विचार: रसोइया जनकल्याण समिति के बैनर तले रसोइयों ने अपनी नौ मांगों को लेकर विलोबी मैदान में धरना-प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित नौ सूत्रीय मांग पत्र डीएम कार्यालय में देकर मांगों का निस्तारण कराए जाने की मांग की।

रसोइया जन कल्याण समिति के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश कुमार ने कहा कि रसोइयों से 11 महीने कार्य लिया जाता है, जबकि उन्हें दो हजार रुपये प्रति महीने के हिसाब से वेतन 10 महीने का ही मिलता है। महंगाई के इस दौर में रसोइयों की आर्थिक दशा काफी खराब है। उन्होने रसोइयों को 10 हजार रुपये मासिक वेतन देने, मातृत्व अवकाश देने, दुर्घटना में मौत होने पर 25 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति मुआवजा बीमा देने, मनमाने तरीके से हटाए गए रसोइयों को पुनः कार्य पर रखने और उनका उत्पीड़न बंद करने आदि की मांग की है। धरना प्रदर्शन को जिलाध्यक्ष ऊषा गुप्ता, रानी देवी, सीता देवी, दयाशंकर, पुत्तीलाल, मंशाराम आदि ने भी संबोधित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित नौ सूत्री मांग पत्र डीएम कार्यालय पर सौंपा। धरना-प्रदर्शन में सुंदरी, कविता, अनीमा मंडल, अनुराधा, दुर्गावती, रामबेटी, शकुंतला, फूलमती आदि रसोइयां शामिल रहीं।

कार्तिक पूर्णिमा पर दीपों से जगमगाएगी शारदा

संवाददाता, पलिया कलां

- शारदा तट पर धूमधाम से मनेगी देव दीपावली
- 28 अक्टूबर को पहुंचेगा देवी जी का डोला

अमृत विचार: पलिया-भीरा के बीच बहती शारदा नदी के तट पर इस वर्ष महाचंडी यज्ञ, कल्पवास और देव दीपावली का आयोजन भव्यता के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम 28 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलेगा। आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

नगर के प्रमुख आध्यात्मिक संस्थान श्रीकुल सेवा संस्थान में कुल उपासक आचार्य गोविंद माधव मिश्र की अध्यक्षता में हुई बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। निर्णय के अनुसार 28 अक्टूबर को संस्थान के मंदिर से देवी जी का डोला गाजे-बाजे के साथ शारदा तट पहुंचेगा। वहां स्थान पूजन, देव पूजन और ध्वज स्थापन के बाद देवी जी के प्रतिरूप की स्थापना की जाएगी। इसके बाद 101 महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली जाएगी। अगले दिन बेदी पूजन और मंडप प्रवेश होगा, तीसरे दिन अरणि मंथन से अग्नि प्राकट्य कर महाचंडी यज्ञ का आरंभ किया जाएगा। यज्ञ का संचालन संस्थान के आचार्यों द्वारा वेद मंत्रोच्चारण के बीच संपन्न कराया जाएगा। आयोजन के दौरान कल्पवासियों द्वारा तप, जप, भजन-कीर्तन, सत्संग और नित्य संध्या आरती का आयोजन होगा। सायंकाल शारदा तट पर प्रतिदिन दीपदान और देव आरती देखने को मिलेगी। कार्यक्रम का समापन 5 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा के दिन हजारों दीपों के प्रज्वलन, आतिशबाजी और विशाल भंडारे के साथ होगा।

हृदयाघात से मौत रोकने में सीपीआर कारगर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

एसएसबी गदनियां मुख्यालय पर सीपीआर देकर प्रशिक्षित करते डॉ. अजीत कुमार।

- जीवन बचाने की तकनीक सीएमओ ने बताई
- पलिया और सीएचसी गोला में दिया प्रशिक्षण

अमृत विचार: हृदयाघात मृत्यु का एक प्रमुख कारण है, लेकिन समय पर कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) देने से जान बचाई जा सकती है। इसी उद्देश्य से 13 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सीपीआर जागरूकता सप्ताह के तहत पलिया और सीएचसी गोला में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पलिया तहसील में यह प्रशिक्षण एसएसबी गदनियां 39 वाहिनी के जवानों को दिया गया। कार्यक्रम में कमांडेंट रविंद्र कुमार राजेश्वरी के नेतृत्व में एमडी फिजिशियन डॉ. अजीत कुमार ने सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इसके बाद सीएचसी अधीक्षक डॉ. भरत सिंह ने सभी को जीवन बचाने की शपथ दिलाई। साथ ही काउंसलर अंकित दीक्षित ने हृदय संबंधी रोगों से बचाव पर विशेष काउंसलिंग दी। इसी तरह सीएचसी गोला में जिरियाट्रिक फिजिशियन डॉ. शिखर वाजपेयी ने आम जनमानस और स्वास्थ्य कर्मियों को सीपीआर प्रशिक्षण दिया। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने बताया कि हृदयाघात से मृत्यु रोकने में सीपीआर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा समय पर सीपीआर देने से जीवन बचने की संभावनाएं दो से तीन गुना तक बढ़ जाती हैं। अध्ययनों के अनुसार सीपीआर न मिलने पर कुछ ही मिनटों में मस्तिष्क को क्षति हो जाती है, और हर मिनट की देरी से जीवित रहने की संभावना लगभग 10 प्रतिशत कम हो जाती है। सीएमओ ने बताया कि शासन द्वारा इस जागरूकता सप्ताह का आयोजन इसलिए किया जा रहा है ताकि सीपीआर का महत्व आम जनता और स्वास्थ्य कर्मियों तक पहुंचे और अधिक से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा सके।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

महिला कबड्डी में यूपीएस दरेरी विजयी

संवाददाता, सिंगाही

विजेता टीम को ट्रॉफी देते पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी। ● अमृत विचार

- अंतिम दिन चार टीमों ने खेले तीन-तीन मैच
- पूर्व केंद्रीय मंत्री ने टूर्नामेंट का किया उद्घाटन

अमृत विचार: नवयुवक समाज सेवा समिति एवं वामन द्वादशी मेला समिति के तत्वावधान में गांव सिंगहा खुर्द में आयोजित चार दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतिम दिन महिला कबड्डी टूर्नामेंट का उद्घाटन पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र ने फीता काटकर किया, जिसमें यूपीएस दरेरी की टीम विजयी रही।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन चार टीमों ने तीन-तीन मैच खेले, जिसमें फाइनल यूपीएस. दरेरी और निघासन उच्च प्राथमिक विद्यालय के बीच हुआ। रोमांचक मुकाबले के बाद यूपीएस दरेरी की टीम विजयी रही, जबकि निघासन उच्च प्राथमिक विद्यालय की टीम दूसरे स्थान पर रही। खेल में प्रथम बार भाग ले रही स्टार क्लब सिंगहा की टीम ने अपने खेल से ग्रामवासियों को रोमांचित किया और गांव की महिलाओं को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान समिति संरक्षक राम कैलाश सोनी, यशोदानंदन मिश्र, संकटा प्रसाद मिश्र, राधेश्याम तिवारी, विजय गुप्ता, मेलाराम तिवारी, राज कुमार गुप्ता समेत समिति के सदस्य, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को दी गतिशील रहने और स्वदेशी अपनाने की सलाह

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार: श्री त्रिलोक गिरि मंदिर स्थित प्राथमिक विद्यालय में गोला टूरिज्म संगठन ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई। विद्यार्थियों को जीवन में हमेशा गतिशील रहने, चरित्रवान बनने, समय का सदुपयोग करने और स्वदेशी अपनाने की सलाह देते हुए शिक्षा के महत्व को समझाया।

मुख्य वक्ता गांधी विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सौरभ दीक्षित, विशिष्ट वक्ता भारत विकास परिषद के कोषाध्यक्ष रवि सक्सेना ने विद्यार्थियों को स्वदेशी अपनाने, चरित्रवान बनने, कैरियर में आगे बढ़ने, स्वरोजगार की भावना उत्पन्न करने, 2047 तक अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने को प्रेरित किया। गोला टूरिज्म के अध्यक्ष इं. विनायक श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया। संचालन संगठन के सचिव इं. मिलिंद शुक्ल ने किया। संगठन के उपाध्यक्ष इं. प्रशांत मिश्र, कमलनयन शुक्ल, प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य रजनी बाला आदि मौजूद रहे।

7 दिवसीय निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर

आयुर्वेदीय मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों के द्वारा

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर

दिनांक 10 अक्टूबर 2025 से 18 अक्टूबर 2025 तक

वयस्कों, बच्चों, किशोरावस्था (Teenagers) के लिये

"सुदृढ़ मन, सशक्त बालक"

क्या आपका बच्चा पढ़ाई में पीछे रह रहा है? क्या उसे ध्यान लगाने में कठिनाई होती है, बार-बार गलती करता है, बहुत चंचल रहता है या उसमें चिड़चिड़ापन, गुस्सा और क्रोध के दौरे बढ़ गए हैं?
ये सीखने की अक्षमता (Learning Disability), अतिसक्रियता विकार (ADHD) या शैक्षणिक पिछड़ापन (Scholastic Backwardness) के संकेत हो सकते हैं।

शिविर की विशेषताएं
- बच्चों की मानसिक एवं व्यवहारिक जाँच।
- ध्यान की कमी, सीखने की कठिनाइयों और ADHD की पहचान।
- चिड़चिड़ापन, गुस्सा और व्यवहार संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु परामर्श।
- अभिभावकों के लिए मार्गदर्शन एवं मनोवैज्ञानिक सहायता।
- एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ाने के आयुर्वेदिक उपाय

क्या आप भी इन समस्याओं से जूझ रहे हैं?
- अत्यधिक तनाव (Stress) या चिंता (Anxiety)
- अवसाद (Depression)
- नींद न आना (Insomnia) या अत्यधिक नींद आना।
- चिड़चिड़ापन, गुस्सा या भावनात्मक असंतुलन।
- भय (Fear), अकेलापन, आत्मविश्वास की कमी।
- काम में रुचि न होना, थकान, मनोदैहिक (Psychosomatic) लक्षण।

पंजीकरण एवं जानकारी हेतु संपर्क करें - 9520876144, 8077808309

स्थान : रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हास्पिटल, डोहरा रोड, बरेली

गन्ना बुवाई के प्रचार को निकाली रैली

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: बलरामपुर चीनी मिल्स लि की कुंभी इकाई ने कृषकों को शरदकालीन गन्ना बुवाई के लिए जागरूक करनें के लिए क्षेत्र में रैली निकाली गई। चीनी मिल समूह की ईडी ने बताया कि रैली का उद्देश्य किसानों को शरदकालीन गन्ना बुआई के लाभ, संतुलित खादों एवं कीटनाशकों के उपयोग से गन्ना उत्पादन में बढ़ोत्तरी के प्रति जागरुक करना है। रैली की व्यवस्था का दायित्व इकाई प्रमुख-डॉ. सुनील कुमार यादव ने निभाया। रैली में चीनी मिल कुम्भी के उप महाप्रबंधक गन्ना चन्द्रहास, मुख्य गन्ना प्रबंधक जगपाल सिंह थे।

भारत रत्न एपीजे अब्दुल कलाम की मनाई जयंती, कांग्रेसियों दी श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के चित्र पर माल्यार्पण करते कांग्रेसी।

अमृत विचार: जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेस भवन पर भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोष्ठी की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष मोहन चंद्र उप्रेती ने की। उन्होंने कहा कि कलाम साहब का जीवन राष्ट्र निर्माण और युवाओं को प्रेरित करने वाला रहा है। उनका व्यक्तित्व हमेशा हमें सपने देखने और मेहनत करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। कांग्रेस प्रवक्ता रवि तिवारी ने कहा कि असाधारण सफर तमिलनाडु के रामेश्वरम से शुरू होकर देश के 11वें राष्ट्रपति बनने तक गया। वे महान वैज्ञानिक थे, जिन्हें मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है। साथ ही उन्होंने बच्चों व युवाओं को सपने देखने और नवाचार करने को प्रेरित किया। इस दौरान राजेंद्र गुप्ता, अब्दुल रहीम, रामपाल शाक्य, अब्दुल कयूम, चंद्र प्रभा अवस्थी आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

मंडलीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ी उन्नाव रवाना

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के विजेताओं को डीआईओएस ने तीन दिवसीय मंडलीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए बुधवार को रवाना किया। मंडलीय प्रतियोगिता उन्नाव में होगी। खेल शिक्षक आरके सैनी ने बताया कि मंडलीय प्रतियोगिताएं उन्नाव में 16, 17 व 18 अक्टूबर को होगी। इसमें 32 बालक व 30 बालिकाएं प्रतिभाग करेगीं। इन सभी को डीआईओएस विनोद कुमार मिश्रा ने एथलेटिक्स किट व ट्रैकसूट देकर शुभकामनाएं देकर बस से रवाना किया।

अवैध पटाखा सहित गांव सिंगाही खुर्द निवासी दो गिरफ्तार

संपूर्णानगर, अमृत विचार : थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार ने बताया पुलिस ने गांव सिंगाही खुर्द निवासी दीपक गुप्ता व आशीष साहनी को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से मात्रा में अवैध रुप से रखे पटाखों व फुलझड़ियों को बरामद किया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों का चालान भेजा है।

पटाखा दुकानों के लिए सख्ती, बदली जगह

पीके इंटर कॉलेज में सजेगा पटाखा बाजार, जिले में 57 दुकानदारों के पास स्थायी रूप से पटाखा बिक्री के हैं लाइसेंस

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: दीपावली को लेकर आतिशबाजी का भंडारण कर लिया गया है। जिला प्रशासन ने इस पर सख्ती शुरू कर दी है, जिससे लगातार छापेमारी कर जिले भर में क्विंटलों आतिशबाजी पकड़ी जा रही है, वहीं पटाखा दुकानों के लिए इस बार नियम सख्त कर दिए गए हैं। इस बार राजकीय इंटर कॉलेज के बजाय पीके इंटर कॉलेज में पटाखा बाजार सजाया जाएगा।

कई साल से दीपावली पर राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) मैदान पर आतिशबाजी की दुकानें लगती थीं, लेकिन इस बार मैदान पर दुकानों का लगना संभव नहीं है, क्योंकि मैदान को क्रीड़ास्थल के रूप में विकसित कर लाखों रुपये की लागत से तमाम खेल उपकरण लगवाए गए हैं। ऐसे में आतिशबाजी की दुकानें लगने से उन्हें नुकसान पहुंचेगा, इसलिए पटाखा दुकानें इस बार बेहजम मार्ग स्थित पीके इंटर कॉलेज मैदान में बाजार सजवाने का फैसला लिया है। एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि शहरवासियों को भी सहूलियत रहेगी, क्योंकि राजकीय इंटर कॉलेज में पटाखा बाजार लगने से जाम की समस्या रहती थी। अग्निशमन अधिकारी अक्षय रंजन ने बताया कि जिले में 57 स्थायी रूप से पटाखा बिक्री के लिए दुकानदारों के पास लाइसेंस हैं। पर्व से एक या दो दिन पहले अस्थायी लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

सुरक्षा को लेकर निगरानी बढ़ाई गई है। इसके अलावा लोगों को जागरूक करने के लिए पंफलेट वितरित किए जा रहे हैं। दीपावली त्योहार पर लगने वाली अस्थाई दुकानों को लेकर जगह चिन्हित की जा रही है। जल्द ही इसकी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। **-अक्षय रंजन शर्मा,** जिला अग्निशमन अधिकारी।

दुकानों के लिए सुरक्षा के मानक

- पटाखे की दुकानों पर सुरक्षा के तहत पानी का ड्रम, बालू भरी बाल्टी व अग्निशमन यंत्र आवश्यक हैं।
- दुकान आबादी के बाहर खुले क्षेत्र में होनी चाहिए।
- एक से दूसरे दुकान की दूरी तीन मीटर होनी चाहिए।
- दुकानों पर ज्वलनशील सामग्री रखना वर्जित रहेगा।

पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, 145 किलो विस्फोटक बरामद

- पुलिस चौकी ओयल के मोहल्ला शिवाला के एक घर में बनाए जा रहे थे पटाखे

खीरी टाउन, अमृत विचार : थाना खीरी पुलिस को मंगलवार देर शाम एसओ निराला तिवारी ने पुलिस चौकी व कस्बा ओयल के मोहल्ला शिवाला में छापा मारकर पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। 125 किलोग्राम पटाखा और 20 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद कर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि मुखबिर ने सूचना दी थी कि पुलिस चौकी व कस्बा ओयल के मोहल्ला शिवाला उचक्का के पास कुछ लोग घर के अंदर अवैध तरीके से पटाखे बना रहे हैं। इस पर उन्होंने पुलिस टीम के साथ छापा मारा और पटाखे बना रहे शिवाला निवासी अकील, नसीम सिद्दीक और सकिल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने स्वीकार किया कि वे अवैध पटाखे बना रहे थे और बेचने की तैयारी में थे। पुलिस ने मौके से बरामद प्लास्टिक की बोरियों को जब्त किया, जिनमें विभिन्न प्रकार के 125 किलोग्राम पटाखे और 20 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री भरी थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम की धारा 5/9(बी)(1)(बी) के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि त्यौहार से पहले जिले में अवैध पटाखों और विस्फोटकों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। किसी को भी कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बरामद विस्फोटक के साथ गिरफ्तार आरोपी।

बीएड के पूर्व विभागाध्यक्ष की मौत, कमरे में मिला शव

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- घर का दरवाजा तोड़कर पुलिस ने निकलवाया शव
- मोहल्ला राजगढ़ में अकेले रहते थे सेवानिवृत प्रोफेसर

अमृत विचार: शहर के युवराज दत्त महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और बीएड विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. करन सिंह कुशवाहा (82) की मंगलवार रात मौत हो गई। सुबह कामवाली पहुंची और दरवाजा नहीं खुला तो पुलिस बुलाई गई। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाला। परिवार वालों के पोस्टमार्टम कराने से इंकार करने पर पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया।

वाईडी कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसर करन सिंह कुशवाहा मोहल्ला राजगढ़ में अकेले रहते थे। उनका बेटा बंगलुरु में नौकरी करता है, जबकि बेटी कैलीफोर्निया में रहती है। रोज की तरह बुधवार की सुबह जब कामवाली घर पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक आवाज देने और दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। इस पर उसने सभासद प्रतिनिधि अंशुमान माथुर को सूचना दी। अंशुमान माथुर ने मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो प्रोफेसर कुशवाहा का शव दरवाजे के पास फर्श पर पड़ा मिला। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि देर रात हार्ट अटैक के बाद वे गिर पड़े और वहीं उनकी मृत्यु हो गई। प्रथम दृष्टया मामला स्वाभाविक मृत्यु का प्रतीत होता है।

संकटा देवी चौकी प्रभारी सतेंद्र वर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम से इंकार करने पर पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया है। उनके निधन की सूचना मिलते ही शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। महाविद्यालय के शिक्षकों, पूर्व विद्यार्थियों और परिचितों ने प्रोफेसर कुशवाहा के निधन को अपूरणीय क्षति बताया है। वे सादगी, अनुशासन और शिक्षण के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते थे।

सिंगाही और मैगलगंज में हुई पीस कमेटी की बैठक

संवाददाता, सिंगाही

अमृत विचार: एसएओ अजीत कुमार की अध्यक्षता में थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित हुई। जिसमें ग्राम प्रधान, सभासद और अन्य लोग शामिल हुए।

एसओ ने कहा कि धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, छठ पूजा जैसे त्यौहार आने वाले हैं। बाजार में खरीदारी करने वाले ग्राहकों की भीड़ होगी। ऐसे में उचक्कों का भी भय रहेगा। इसलिए सभी लोग संदिग्धों पर नजर रखें। कोई संदिग्ध दिखाई दे तो सूचना पुलिस को दें। आतिशबाजी की दुकानें नगर के बाहर लगाई जाएंगी। नगर पंचायत के सीसीटीवी कैमरे ठीक करवा लें, जिससे कि अराजकतत्वों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सके। बैठक में पूर्व नगर अध्यक्ष प्रदीप पुरवार, सभासद समेत तमाम ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

मैगलगंज। कोतवाली मैगलगंज में पीस कमेटी बैठक में सर्राफा व पटाखा व्यापारियों को बुलाया गया। बैठक की अध्यक्षता मितौली सीओ जितेंद्र सिंह परिहार ने की। प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र कुमार पांडेय, मढ़िया घाट चौकी प्रभारी संदीप यादव व फत्तेपुर चौकी प्रभारी सुशील तिवारी मौजूद रहे। प्रभारी निरीक्षक ने सभी व्यापारियों से सतर्क रहने की अपील की। इस दौरान रामलड़ैते मिश्र, अरविंद मिश्रा गुड्डन, राममोहन गुप्ता, अजय सिंह सहित कई अन्य बड़े व्यापारी बैठक में मौजूद रहे।

किशोरी ने फंदा लगाकर दे दी जान

बेहजम, अमृत विचार: नीमगांव थाना क्षेत्र के अकबरपुर सरैया गांव में मृतका किशोरी के पिता संजय ने बताया कि उनकी बेटी पंछी देवी (13) को गांव के युवक ने कुछ समय पहले मोबाइल फोन दिया था। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत होती थी। पिता का आरोप है कि युवक लगातार उनकी बेटी को परेशान करता था, जिससे वह तनाव में रहने लगी थी। युवक की प्रताड़ना से दुःखी होकर बेटी ने आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना की जानकारी होते ही नीमगांव थाना पुलिस और बेहजम पुलिस चौकी प्रभारी सिद्धांत पवार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पंचनामा भरा। मृतका के पिता ने आरोपी के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। बेहजम चौकी प्रभारी सिद्धांत पवार ने बताया कि पिता की ओर से तहरीर प्राप्त हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

छह बाइक चोर गिरफ्तार आठ बाइकें बरामद

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान चोरी की तीन बाइकें बेचने जा रहे छह लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी की पांच और बाइकें बरामद हुई हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा है।

क्षेत्राधिकारी आंवला नितिन कुमार ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस टीम ने आंवला बिसौली रोड स्थित मजार के समीप वाहन चेकिंग के दौरान तीन मोटरसाइकिलों पर सवार छह संदिग्धों को रोका। वाहनों के कागजात मांगे तो वे घबराने लगे। ई-चालान ऐप पर चेक करने पर पता चला कि तीनों बाइकें अन्य व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं। यह भी खुलासा हुआ कि ये बाइकें मुरादाबाद, शाहजहांपुर और बरेली से चुराई गई थीं।

गिरफ्तार आरोपियों में आकाश निवासी ग्राम लच्छिमपुर आंवला, मुकेश निवासी हरदासपुर थाना सिरौली, महेंद्र निवासी लच्छिमपुर थाना आंवला, कमरुद्दीन निवासी हरदासपुर थाना सिरौली, असलम निवासी ग्राम रुद्रपुर थाना खीरी जिला खीरी और सलमान निवासी ग्राम रुद्रपुर थाना खीरी जिला खीरी शामिल हैं। पुलिस की सख्ती में आरोपियों ने न केवल मौजूदा तीन बाइकों की चोरी स्वीकार की बल्कि पांच और बाइक चुराने की बात कबूली। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने मनौना गांव के पास ईंट भट्ठे से बाइकें बरामद कर लीं। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि उक्त लोग गिरोह के रुप में कार्य करते हैं। इनमें कुछ मिस्त्री भी हैं। जोकि बाइक चोरी करने के कुछ घंटे में ही इंजन, नम्बर प्लेट आदि बदलकर बाइक को पूरी तरह परिवर्तित कर देते हैं।

सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर:

नन्हे।

नितिन।

- खेत से लौटते समय बाइक सवारों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

अमृत विचार: जिले में मंगलवार शाम से लेकर देर रात तक अलग-अलग हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को शव दे दिए। वहीं एक मृतक की बुधवार देर शाम तक शिनाख्त नहीं हो पाई।

मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गांव पहाड़पुर निवासी नितिन(52) और नन्हें (26) मंगलवार को बाइक लेकर खेत पर गए थे। दोनों लोग देर रात बाइक से खेत से घर लौट रहे थे। मुरादाबाद-पहाड़पुर स्टेट हाईवे पर पहाड़पुर गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों लोग घायल हो गए। राहगीरों ने थाना पर सूचना दी। इधर दोनों के परिवार वाले और पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों घायलों को सीएचसी पर भेज दिया। डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। मृतक नन्हे की शादी नहीं हुई थी और छह भाइयों में पांचवें नंबर का था। नितिन परिवार में इकलौता बेटा था। दोनों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी सोनी शुक्ला ने बताया तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मृतकों का गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार : मिर्जापुर थाना क्षेत्र मे बदायूं-फर्रूखाबाद स्टेट हाईवे पर पहाड़पुर गांव के पास मंगलवार रात हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवकों नन्हे और नितिन का बुधवार की शाम गमगीन माहौल में ढाई घाट गंगा तट पर अंतिम संस्कार किया गया। दोनों युवकों की एक साथ मौत होने से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मंगलवार रात पहाड़पुर निवासी नन्हे पुत्र बुधपाल व नितिन खेत से मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर लौट रहे थे। गांव के पास पुलिया के निकट अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार मुकुल पुत्र कमलेश भी ट्रक की चपेट मे आने से गम्भीर रूप से घायल हो गया, जिसका फर्रूखाबाद स्थित एक अस्पताल मे इलाज चल रहा है। बुधवार दोपहर बाद मृतकों के शव गांव पहुंचते ही घर पर भीड़ उमड़ पड़ी। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं। शाम को ढाई घाट गंगा तट पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

रामलीला में जलाया रावण का पुतला

संवाददाता, केशवापुर/बिलहरी

अमृत विचार: कस्बा अजान रामलीला में असत्य पर सत्य की जीत हुई। कस्बे के मेला मैदान के प्रांगण में बुधवार को श्रीराम की सेना और रावण की सेनाओं में भीषण युद्ध हुआ। रावण की सेना के सारे योद्धा मारे गए, भाई कुम्भकर्ण, पुत्र मेघनाथ और लंकापति रावण भी मारा गया। मरने से पहले राम के आदेश पर लक्ष्मण सिर के पास खड़े होकर राजनीति की शिक्षा लेने गये। राम का इशारा पाकर लक्ष्मण रावण के पैरों के पास खड़े हुए। प्राण त्यागने से पहले रावण राम से कहता है कि उसने अपने जीते जी राम को लंका में प्रवेश नहीं करने दिया और वह रावण राम के जीते जी राम के बैकुंठ धाम में जा रहा हूं। इसी के साथ रावण ने अपने प्राण त्याग दिये।

रामलीला मैदान में जलता रावण का पुतला।

रावण वध के मंचन के बाद मेला मैदान में रखा गया 35 फुट का रावण का पुतला आतिशबाजी के साथ फूंक दिया और रावण का पुतला धू-धू कर जलने लगा। रामलीला मेले में रावण का पुतला दहन होते ही लोग पुतले की जलती बांस की लकड़ी घर ले जाने को दौड़ पड़े। इस मौके पर मेला कमेटी प्रबंधक ग्राम प्रधान विपिन कुमार यादव, अध्यक्ष मिट्ठन लाल शर्मा, कोषाध्यक्ष नवनीत यादव, महामंत्री रणजीत यादव, नसीम अली मंसूरी, योगेश वर्मा, गोवर्धन लाल, पिंकू पाल, मुन्नालाल राठौर, जीवनलाल वर्मा, विनोद प्रजापति, परशुराम सक्सेना, श्रीकृष्ण शर्मा, संजीव पाल, इमाम अली, रामआसरे, साजिद अली, रामू अवस्थी, इसहाक अली, सतीश कश्यप, गौरी शंकर सहित तमाम कमेटी कार्यकर्ता, हजारों दर्शकों ने मेले में मौजूद रहकर आनंद उठाया।

पुलिस ने किया चार लोगों को गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: बुधवार को सुबह 10 बजे अलीगंज लखीमपुर रोड पर किसान इंटर कालेज के पास लखीमपुर रोड पर बुलेरो और ई रिक्शा में आमने सामने की टक्कर हो जाने से कंचनपुर निवासी सुनील कुमार और उसके पुत्र सौरभ के घायल होने पर गुस्साये ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी थी। हेड कांस्टेबल संजय कुमार मिश्रा, आरक्षी उर्वेश सिंह ने मौके थे। कुसमौरी गांव निवासी सौरभ शुक्ला उर्फ अचल शुक्ला, अटल कुमार शुक्ला, अमल कुमार शुक्ला और कंचनपुर गांव निवासी पंकज कुमार शर्मा ने 25 से 30 लोगों के साथ पुलिस कर्मियों से गाली गलौज की। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर चारों का चालान भेज दिया है।

बाइक सहित खाई में मिला युवक का शव

संवाददाता, बेहजम

- ससुराल जाते वक्त बाइक फिसलने से हादसे की आशंका

अमृत विचार: नीमगांव थाना क्षेत्र के गुलौला-नीमगांव मार्ग पर सोनोरा गांव के निकट बुधवार सुबह एक युवक का शव उसकी बाइक के साथ खाई में मिला। पुलिस ने शव और बाइक को बाहर निकलवाया।

थाना नीमगांव के गांव रामपुर निवासी संजय उर्फ शिवपाल की ससुराल थाना मितौली के गांव रेवाना में है। मंगलवार शाम घर से बाइक से ससुराल जाने के लिए निकला था, लेकिन वह ससुराल नहीं पहुंचा। सुबह सोनारा गांव के कुछ लोग खेतों की तरफ गए थे उन्होंने पानी भरे नाले में बाइक पड़ी देखी। मौके पर पहुंचे तो देखा युवक का शव पड़ा था। बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने शव और बाइक नाले से निकलवाई। शव की पहचान संजय उर्फ शिवपाल के रूप में होने पर घर वालों को सूचना दी। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। आशंका जताई कि युवक की बाइक फिसल गई और वह बाइक समेत पानी भरे नाले में जा गिरा, जिससे डूबने के कारण उसकी मौत हो गई। एसओ आदित्य कुमार मौर्य ने बताया कि बाइक फिसलने से हादसे में मौत होने की आशंका है।

मैराथन में छात्राओं ने जीते पदक

रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते वन बीट के चेयरमैन सरदार बहादुर सिंह। ● अमृत विचार

संवाददाता, भीरा/भानपुर

- मिशन शक्ति के तहत आयोजित किया गया कार्यक्रम

अमृत विचार: भीरा नगर पंचायत में बुधवार को मिशन शक्ति मैराथन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भीरा पुलिस और रोटरी क्लब भीरा के संयुक्त रूप से किया। मैराथन दौड़ में विजयी छात्राओं को मेडल और प्रमाणपत्र दिए गए।

वन बीट संस्था के चेयरमैन सरदार बहादुर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन का शुभारंभ किया। मैराथन रेलवे स्टेशन मैदान से शुरू होकर भीरा थाना परिसर में समाप्त हुई। कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन ने मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जगह-जगह अपने जवान तैनात किए थे। विभिन्न स्कूल, कॉलेज और सामाजिक संस्थाओं की छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी दिखाई।

प्रतियोगिता में छाजूराम केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज की 12वीं की छात्रा शिवानी देवी निवासी कटेया ने प्रथम स्थान हासिल किया। आदर्श जनता इंटर कॉलेज की 9वीं कक्षा की छात्रा बेबी कश्यप दूसरे और इसी कॉलेज की छात्रा स्वार्थी तीसरे स्थान पर रही। सभी विजेताओं को मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। मैराथन के समापन पर भीरा थाने में छात्राओं और प्रतिभागियों को जलपान कराया गया।

इस मौके पर वन बीट संस्था के चेयरमैन सरदार बहादुर सिंह, नगर पंचायत चेयरमैन संजय शुक्ला, रोटरी क्लब भीरा के अध्यक्ष अमनदीप सिंह, छाजू राम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मुकुट बिहारी मिश्रा और प्रभारी निरीक्षक गोपाल नारायण सिंह अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन रोटेरियन अमित पाल ने किया।

रेलवे स्टेशन पर महिलाओं को बांटे जागरुकता पंपलेट

संवाददाता, संसारपुर

- महिला सशक्तिकरण को लेकर प्रभारी निरीक्षक मैलानी ने चलाया अभियान

अमृत विचार: थाना मैलानी में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार मौर्य ने मिशन शक्ति के तहत महिला जागरुकता अभियान चलाया। रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों में महिला यात्रियों, छात्राओं को सशक्त बनाने हेतु जागरूक किया गया।

प्रभारी निरीक्षक ने महिलाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा किसी भी विषम परिस्थिति में वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108, साइबर हेल्पलाइन 1930 आदि हेल्पलाइन नंबर्स पर फोन लगाएं, तुरंत ही आपकी पूरी मदद की जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा विभिन्न लाभान्वित योजनाएं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, राष्ट्रीय पोषण मिशन आदि के बारे में भी जानकारी रखनी चाहिए। अभियान में महिलाओं/बालिकाओं को मिशन शक्ति एवं साइबर सुरक्षा महिला सशक्तिकरण सम्मान व बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से जागरूक करते हुए अपराधों से उनकी सुरक्षा और उनके अधिकारों के बारे में अवगत कराया गया। अभियान के दौरान 1090 से सम्बंधित लघु फ़िल्म दिखाई गई। इस दौरान महिला आरक्षी कामिनी देवी, प्रिया, राजीव, दिनेश कुमार, योगेंद्र सिंह रहे।

महिला को पंपलेट देतीं महिला पुलिस।

बवासीर भगन्दर
ऑपरेशन से बचें
दर्द रहित उपचार
डॉ. एस.के. गुप्ता
(गुप्त रोग चिकित्सक)
बवासीर भगन्दर रोग विशेषज्ञ
ऑपरेशन से बचें # दर्द रहित उपचार
सैक्स
रोगियों का यूनानी आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर को अनदेखा करना घातक हो सकता है
● मस्से होना ● सूजन होना
● जलन होना ● उठाने-बैठने में तकलीफ होना
● खूनी बवासीर होना
धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, निःसन्तान रोगी (नशा छुड़वायें), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर, इन्द्री का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊपर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दे का क्रीटानीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।
नशा छुड़ाए? नशे से कुछ ही दिनों में छुटकारा पायें।
नोटः- हर जगह से निराश रोगी एक बार अवश्य मिलें।
सुबह 10:30 से 2:30 तक, शाम 6:30 से 8:30 तक
रविवार 10:30 से 2:30 तक
डॉ. सी.पी. गुप्ता क्लीनिक
स्थापित 1960
माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड आफिस के सामने, चौपुला से कुतुबखाना रोड, बरेली।
मो. 9259082174

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
● आयुष्मान /TPA/MARG/ COMPUTER अनुभवी महिला रिसेप्शनिस्ट/मेडिकल स्टोर हेतु
● अनुभवी कम्पाउंडर
● अनुभवी ओ. टी. टेक्निशियन
● अनुभवी पी.आर.ओ. ● अनुभवी नर्स
मिलें आज 3 बजे
आर. जी. हॉस्पिटल
अयूब खान-चौपला रोड, बरेली

सूचना
मेरी पुत्री एरिका गोयल (Erica Goel) चिक्कर इंटरनेशनल स्कूल, बरेली में कक्षा 9 की छात्र है। मेरी पुत्री के विद्यालय अभिलेखों में मेरा नाम संध्या गोयल (Sandhya Goel) दर्ज है। जो कि गलत दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम नेहा अग्रवाल (Neha Agarwal) है। संध्या गोयल एवं नेहा गोयल दोनों नाम मेरे ही हैं। उक्त सही नाम को विद्यालय अभिलेखों में संशोधित किया जाये। **नेहा अग्रवाल पुत्री श्री रतन लाल अग्रवाल पत्नी श्री शिशिर गोयल निवासी 493 ए, सिकलापुर बरेली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

रेरा का रियल एस्टेट एजेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के अंतर्गत 22वां रियल एस्टेट एजेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम बुधवार से एनआईईटी कैंपस, ग्रेटर नोएडा में शुरू हुआ। यह चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें 47 प्रतिभागी शामिल हुए हैं, जो प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद रेरा के तहत प्रमाणित रियल एस्टेट एजेंट बनेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन रेरा चेयरमैन संजय भूसरेड्डी और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। चेयरमैन संजय भूसरेड्डी ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से एजेंट्स को नियामकीय समझ और पेशेवर दक्षता प्राप्त होती है, जिससे उपभोक्ता हितों की रक्षा सशक्त होती है।

2027 चुनाव को लेकर बसपा की बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : बीते दिनो कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित बहुजन समाज पार्टी की सफल रैली के बाद पार्टी प्रमुख मायावती ने यूपी स्टेट पदाधिकारियों के साथ गुरुवार को एक अहम बैठक बुलाई है। यह बैठक आगामी आगामी पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी की रणनीति को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, मायावती इस बैठक में रैली को सफल बनाने में योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करेंगी और उन्हें भविष्य में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश देंगी। साथ ही, चुनावी तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं को क्षेत्रवार ज़िम्मेदारियां भी सौंपी जा सकती हैं।

चुनाव प्रचार को आज पटना पहुंचेंगे योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर कई रैलियां करेंगे।

यह सिलसिला 16 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। योगी गुरुवार को पटना और सहरसा पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के दो प्रत्याशियों का नामांकन कराएंगे। इन्हीं दोनों स्थानों पर वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। दरअसल, योगी आदित्यनाथ भाजपा के बतौर स्टार प्रचार बिहार की चुनावी रैलियों में शामिल रहेंगे। एनडीए के प्रत्याशी भी भाजपा संगठन से अपने विधानसभा क्षेत्रों में योगी की रैलियों की मांग कर चुके हैं।

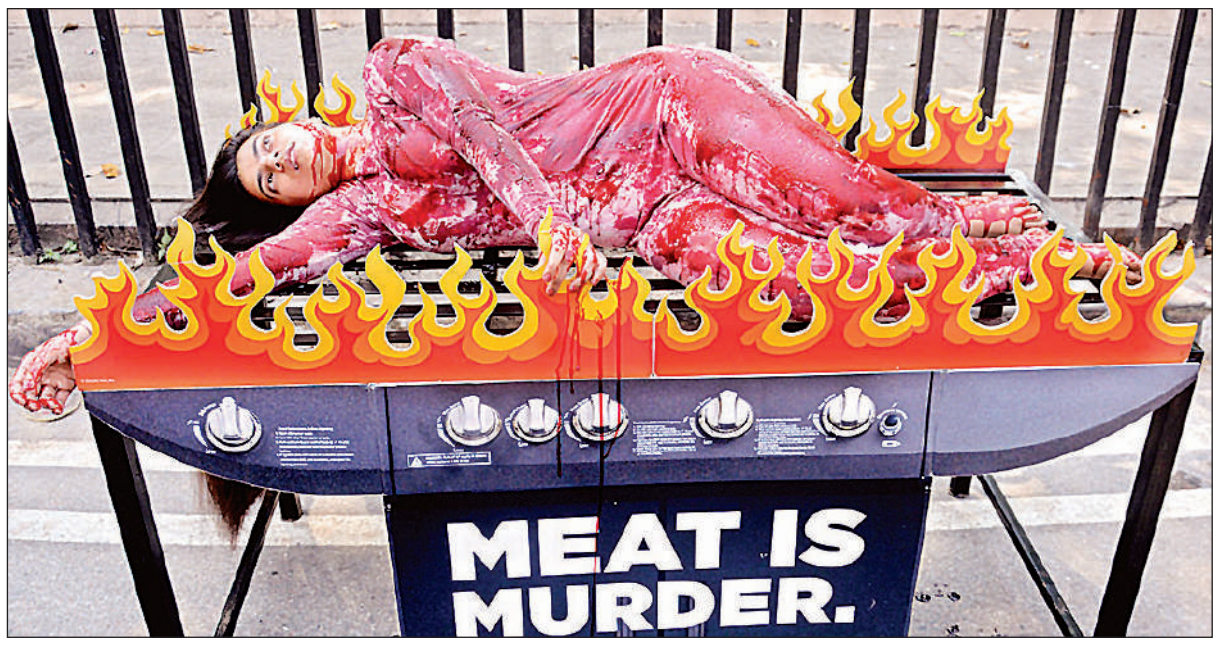

लखनऊ के परिवर्तन चौक पर मांसाहार के खिलाफ कुछ इस तरह लोगों को जागरूक करती पेटा इंडिया की सदस्य। अमृत विचार

सर्किल रेट के नियम होंगे सरल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आमजन अब खुद करा सकेंगे रजिस्ट्री : रवींद्र जायसवाल

अमृत विचार : स्टांप एवं पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि सर्किल रेट निर्धारण के नियमों को अब सरल किया जा रहा है। अब तक जहां लगभग 40 मानकों के आधार पर सर्किल रेट तय किए जाते थे, वहीं अब उन्हें घटाकर 15 से 20 मानकों तक सीमित किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि नियमों के सरलीकरण से आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। सर्किल रेट तय करने की प्रक्रिया आसान होने से अब कोई भी नागरिक स्वयं अपनी संपत्ति की रजिस्ट्री बिना किसी एजेंट या मध्यस्थ के करा सकेगा। उन्होंने

मंत्री रवींद्र जायसवाल

कहा कि लोग विभागीय वेबसाइट पर जाकर अपनी जमीन का सर्किल रेट खुद देख सकेंगे, आवश्यक विवरण दर्ज कर स्लॉट बुक करके रजिस्ट्री स्वयं करा सकेंगे।

जायसवाल ने बताया कि नए मानक लागू होने से सर्किल रेट की असमानता दूर होगी, जिससे पूरे प्रदेश में एक समान और पारदर्शी रियल एस्टेट व्यवस्था सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि अस्पष्ट नियमों के कारण अब तक होने वाली स्टांप चोरी, रजिस्ट्री विवाद और कानूनी मुकदमों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

मंत्री ने कहा कि मानकों में इस सरलीकरण के लिए शासनादेश शीघ्र जारी किया जाएगा, जिससे विभागीय स्तर पर इसका क्रियान्वयन शुरू किया जा सकेगा। उन्होंने उदाहरण दिया कि लखनऊ के हजरतगंज में मुख्य सड़क और पीछे की गलियों के बीच सर्किल रेट में असमानता है, नए नियमों से ऐसे अंतर खत्म किए जाएंगे।

लगातार गैरहाजिर तीन डॉक्टर होंगे बर्खास्त

उप मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव को कार्रवाई के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को लगातार गैरहाजिर चल रहे तीन डॉक्टरों को बर्खास्त करने के आदेश चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) अमित कुमार घोष को दिए हैं। साथ ही लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

बर्खास्त चिकित्सकों में आगरा के शमशाबाद (सीएचसी) में तैनात डॉ. वन्दना जैन, श्रावस्ती संयुक्त जिला चिकित्सालय के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विपुल अग्रवाल, बाराबंकी के जाटा बरौली सीएचसी के डॉ. देवव्रत लगातार गैरहाजिर चल रहे थे।

इसी क्रम में वाराणसी कबीर चौरा जिला महिला चिकित्सालय में 18 अगस्त को गर्भवती रिजवाना को सायंकाल ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स प्रीतम सिंह ने बिना डॉक्टरी परीक्षण रेफरल पर्ची तैयार की दी। गर्भवती को एम्बुलेंस व स्ट्रेचर की व्यवस्था भी नहीं कराई। जिस कारण गर्भवती का प्रसव विषम परिस्थितियों में अस्पताल प्रांगण में ही हो गया। लिहाजा प्रसूता की जिंदगी संकट में पड़ गई। घटना को गंभीरता से लेते हुए उप मुख्यमंत्री ने स्टाफ नर्स प्रीतम सिंह को आरोप पत्र देकर निलंबित करने के आदेश दिये हैं। साथ ही महिला चिकित्साधिकारी डॉ. सुमिता गुप्ता द्वारा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के दोष में उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश भी दिये गये है। इसके अलावा डॉक्टर व कर्मचारियों पर प्रभावी नियंत्रण न रखने, ड्यूटी चार्ट, राउंड की व्यवस्था, रोगियों के बेड हेड टिकट पर वाइटल्स की नियमित रिकॉर्डिंग, चिकित्सालय का स्वयं नियमित राउंड न करने के लिए प्रमुख अधीक्षिका को भी दोषी पाया गया है। ऐसे में अस्पताल की प्रमुख अधीक्षिका डॉ. नीना वर्मा के विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई के आदेश दिये गये हैं।

चार डॉक्टरों पर विभागीय शिकंजा

अमृत विचार : मिर्जापुर विंध्याचल मंडल के अपर आयुक्त (प्रशासन) डॉ. विश्राम सिंह की पत्नी रमा यादव के इलाज में लापरवाही के आरोप लगे। आरोप हैं कि समय पर ईसीजी जांच नहीं कराई गई। मामले की जांच कराई गई, जिसमें मिर्जापुर चिकित्सालय के तत्समय तैनात चार चिकित्साधिकारी डॉ. विनय कुमार, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. तरुण सिंह जो कि वर्तमान में मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र के अधीन तैनात हैं और डॉ. पंकज पाण्डेय, जो वर्तमान में स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय मिर्जापुर के पल्मोनरी विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्य कर रहे हैं, उनको आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई के आदेश दिये गये हैं। तत्समय तैनात संबंधित स्टाफ नर्स सुषमा पाण्डेय, जो कि सेवानिवृत्त हो चुकी हैं, उनके विरुद्ध भी कार्रवाई किये जाने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही अयोध्या स्थित कुमारगंज के 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय में मरीजों को बाहर की दवा लिखने व प्राइवेट प्रैक्टिस का मामला सामने आया है। उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल की महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. शीला वर्मा व फिजीशियन डॉ. अरविन्द मौर्या को आरोप पत्र देकर अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश अपर मुख्य सचिव को दिए हैं।

बिल भुगतान में मिली गड़बड़ी, पेंशन से होगी वसूली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मिर्जापुर में वर्ष 2022 में तैनात सीएमओ पाए गए दोषी

अमृत विचार : मेरठ के जिला चिकित्सालय में वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ.राजीव दोषी की वेतनवृद्धि रोक दी गयी है। इन्हें यह सजा साल 2022 में मिर्जापुर में तैनाती के दौरान बिलों के भुगतान में गड़बड़ी के आरोप तय होने के बाद दी गयी है। साथ ही उनसे 4,35,000 रुपये की वसूली करने तथा परिनिन्दा का दंड दिया गया है। इसी तरह सेवानिवृत्त हो चुके निदेशक उपचार से हर माह 10 प्रतिशत पेंशन कटौती की जाएगी। यह निर्देश उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष को दिए हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार करने वालों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। रिटायरमेंट के बाद पेंशन से वसूली की जाएगी। मालूम हो कि प्रदेश भर में नर्सों के तबादले में अनियमितताओं में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। मामले की जांच कराई गई। जांच में उस वक्त निदेशक चिकित्सा उपचार पद जिम्मेदारी निभा रहे डॉ. पीएम श्रीवास्तव को दोषी पाया गया। डॉ. पीएम श्रीवास्तव सेवानिवृत्त हो चुके हैं। डॉ. पीएम श्रीवास्तव की पेंशन से तीन साल तक 10 प्रतिशत के हिसाब से कटौती के आदेश दिए गए हैं।

प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप में तीन वेतनवृद्धि रोकीं

अमृत विचार : प्रयागराज के राजकीय मेडिकल कॉलेज में नेफ्रोलॉजी विभाग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द गुप्ता पर प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोप लगे हैं। जांच में आरोप सही पाए गए। लिहाजा उनकी तीन वेतनवृद्धियों को स्थायी रूप से रोक दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष को परिनिंदा का दंड देने के आदेश दिए हैं। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय में सम्बद्ध देवरिया मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार बरनवाल पर आरोप है कि तैनाती के दौरान 36 पदों पर आउटसोर्स ऑफ मैनपावर आपूर्ति के लिए टेंडर नहीं लिये, बार-बार नवीन निविदा को निरस्त किया गया और पुरानी संस्था के अनुबंध समय को विस्तार दे दिया गया। ऐसे में डॉ. राजेश को आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई की संस्तुति करते हुए आदेश अपर मुख्य सचिव को दिए गए हैं। इसी तरह कन्नौज मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. दिनेश सिंह मर्तोलिया ने भी मेडिकल कॉलेज परिसर में साफ सफाई व अपशिष्ट निस्तारण में बिना औपचारिकताएं पूर्ण किए पुरानी संस्था को विस्तार दिया जाता रहा है, इसलिए आरोप पत्र देकर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश दिये गये हैं।

यूपी कैडर के 31 अधिकारी बिहार चुनाव में बने ऑब्जर्वर

अमृत विचार, लखनऊ : चुनाव आयोग के निर्देश पर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए उत्तर प्रदेश कैडर के 31 अधिकारी गुरुवार को पर्यवेक्षक के रूप में पटना पहुंचेंगे। 16 अक्टूबर को बिहार में रिपोर्ट करने के बाद यहां के गए आईएएस अधिकारी बिहार चुनाव प्रक्रिया की निगरानी, मतदाताओं की सुरक्षा और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने का काम करेंगे। साथ ही अधिकारी निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदान केंद्रों, मतदाता सूची, मतदान सामग्री और अन्य चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

पहले चरण के लिए जिन 16 आईएएस अधिकारियों को बिहार भेजा जा रहा है, उनमें अजय कुमार शुक्ला, बलकार सिंह, चैत्रा वी, ओम प्रकाश, सेल्वा कुमारी जे, अमित सिंह बंसल, भानु चन्द्र गोस्वामी, प्रांजल यादव, उदय भानु त्रिपाठी, अनामिका सिंह, भवानी सिंह खंगारोत, गौरी शंकर प्रियदर्शी, जीएस नवीन कुमार और राज शेखर शामिल हैं। वहीं, दूसरे चरण के चुनाव के लिए भी उत्तर प्रदेश के 15 आईएएस अधिकारियों को बिहार भेजा जाना है। अधिकारियों के दूसरे बैच को 19 अक्टूबर को रिपोर्ट करना है।

छूटे लाभार्थियों को एक माह में दें जीरो पावर्टी की सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने एक माह का विशेष अभियान चलाकर जीरो पॉवर्टी अभियान के सभी छूटे हुए पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए हैं। कहा कि चिन्हित परिवारों के सीएम अथवा पीएम आवास योजना के अंतर्गत आवेदन हो जाएं। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी लाभार्थियों के पूरे परिवार का राशन कार्ड में नामांकन हो।

मुख्य सचिव ने बुधवार को लोकभवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर दिशा-निर्देश दिए। जीरो पावर्टी अभियान की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि अभियान के प्रथम चरण में सात प्राथमिकता वाली योजनाओं (राशन कार्ड, दिव्यांगजन पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, पीएम किसान सम्मान निधि, आवास योजना तथा पीएम जन आरोग्य योजना) के माध्यम से चिन्हित शत-प्रतिशत परिवारों को आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से लक्ष्यों को प्राप्त करने और प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी अनाथ बच्चों को बाल सेवा योजना में नामांकित किया जाए, जिससे उन्हें योजना का लाभ मिल सके। परिवार के सभी बच्चों का स्कूल में नामांकन सुनिश्चित हो।

नोएडा समेत देश में बनेंगे 50 विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि अगले दशक में भारत में 50 विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल विकसित किए जाएंगे, यह घोषणा उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से राजस्थान के उदयपुर में आयोजित 'वन स्टेट, वन ग्लोबल डेस्टिनेशन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन बुधवार को की। उप्र. से पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गौतमबुद्ध नगर से जुड़े प्रस्ताव को पेश किया। अवगत कराया कि नोएडा स्थित आईटी सिटी के समीप लगभग 100 एकड़ भूमि पर निजी क्षेत्र के सहयोग से एक वृहद हॉस्पिटैलिटी हब विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

बोगस कंपनी से करोड़ों की कर चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गुजरात व भदोही के व्यापारियों ने जाली बिजली बिल लगाकर कराई थी फर्म रजिस्टर्ड, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : राज्यकर विभाग ने फर्जी कंपनियां बनाकर करोड़ों की टैक्स चोरी करने वाले दो व्यापारियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। गुजरात और भदोही के व्यापारियों ने जाली बिजली बिल लगाकर फर्म पंजीकृत की और सरकार को लगभग 30 करोड़ रुपये की चपत लगाई।

सहायक आयुक्त राज्यकर गौरव कुमार राजपूत ने विकासनगर थाने में एसएसके ट्रेडिंग और अनिल ट्रेडर्स के मालिकों के खिलाफ एफआईआर कराई। जांच में सामने आया कि दोनों फर्मों ने फर्जी दस्तावेजों पर पंजीकरण कराकर भारी कारोबार दिखाया और जीएसटी रिटर्न में टैक्स चोरी की। एसएसके ट्रेडिंग का पंजीकरण विकासनगर सेक्टर-13 में कराया गया था। फर्म का स्वामी गुजरात के अहमदाबाद निवासी भरत भाई सोलंकी है। 4 अक्टूबर 2024 को पंजीकृत इस फर्म ने स्क्रैप कारोबार के नाम पर 15,11,72,96,600 रुपये का कारोबार दिखाया और करीब 20.55 करोड़ रुपये टैक्स की चोरी की। जांच में फर्म का कोई अस्तित्व नहीं मिला।

इसी तरह विकासनगर सेक्टर-5 स्थित अनिल ट्रेडर्स के मालिक अनिल कुमार उपाध्याय निवासी भदोही ने कपड़ों का कारोबार दिखाकर 56,89,68,297 रुपये का फर्जी लेनदेन कर 8.98 करोड़ रुपये टैक्स चोरी की। यह फर्म भी मौके पर नहीं मिली। एसओ आलोक सिंह ने बताया कि दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी गई है। राज्यकर विभाग ने कहा कि फर्जी पंजीकरण कराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिवाली पर जगमग होंगे दिव्यांगजन के हुनर

अमृत विचार, लखनऊ : इस दीपावली पर प्रदेश के सभी मंडलों में 16-17 अक्टूबर को 'दिव्य दीपावली मेला-2025' का आयोजन होगा, जिसमें दिव्यांगजन द्वारा निर्मित उत्पादों की भव्य प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।

राज्य सरकार की यह पहल न केवल 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र को साकार करने से साथ-साथ दिव्यांगजन को आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान का नया मंच भी प्रदान करेगी। मिट्टी के दीपकों से लेकर कृत्रिम आभूषण और खाद्य सामग्री तक, इन प्रदर्शनियों में दिव्यांगजन का कौशल दीपोत्सव की रौनक को दोगुना करेगा। योगी सरकार दिव्यांगजनों के न केवल आर्थिक विकास पर ध्यान दे रही है, बल्कि सामाजिक समावेशिता को भी प्राथमिकता देती है। इस दीपावली, जब घर-घर दीये जलेंगे तो दिव्यांगजन के हुनर की रोशनी पूरे प्रदेश को नई दिशा देगी। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा आयोजित इस मेले में हस्तनिर्मित मिट्टी के दीपक, आकर्षक मोमबत्तियां, हथकरघा उत्पाद, घरेलू सजावटी सामान, पूजा सामग्री और अन्य खाद्य सामग्री प्रदर्शित होंगी।

नदियों की सफाई का ढोंग कर रही सरकार

सपा प्रमुख बोले- बिजनेस घरानों को रियल एस्टेट बैंक बनाने की दी गई खुली छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के नौ साल में भाजपा के लोगों ने बड़े पैमाने पर जमीनों पर कब्जा किया। सरकारी जमीनों को बेच लिया है। सरकार ने बड़े-बड़े बिजनेस घरानों को अपना रियल एस्टेट बैंक बनाने (जमीन बढ़ाने) की खुली छूट दी है।

सपा प्रमुख बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए डिजिटल प्लेटफार्म धोखा है। भाजपा सरकार ने नौ साल में इसे क्यों नहीं बनाया। इस सरकार में किसानों को खाद नहीं मिल रही।

पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

कृषि मंत्री को पता ही नहीं खाद कहां से आती है। खाद के लिए पहले से तैयारी करनी पड़ती है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गोमती सफाई को लेकर ढोंग कर रहे हैं। सरकार गोमती सफाई को लेकर सफेद टेबल पर बैठकर काला झूठ बोल रही है। भाजपा सरकार की योजना जमीन पर नहीं सिर्फ अखबारों की हेडलाइन में दिखती है। सपा प्रमुख ने कहा कि सपा सरकार ने नदियों की सफाई के लिए एक मॉडल तैयार किया था। जो मॉडल बनाया था, उसी मॉडल से नदियों की सफाई हो सकती है। लेकिन भाजपा सरकार नदियां नहीं, बजट साफ कर रही है।

रिवरफ्रंट पर लगाएंगे केदारनाथ की प्रतिमा

अमृत विचार : पार्टी मुख्यालय के सभागार में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ी संख्या में आए सैंथवार समाज के लोगों का अभिनंदन कर उन्हें भरोसा दिलाया कि सपा सरकार में उनके साथ न्याय किया जाएगा। राजनीतिक भागीदारी दी जाएगी। गोरखपुर के साथ ही लखनऊ में गोमती रिवरफ्रंट पर केदार नाथ सिंह की प्रतिमा लगाकर उन्हें और सैंथवार समाज को सम्मान दिया जाएगा।

फैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, कानून को समय से पीछे ले जाकर नहीं किया जा सकता लागू

2017 से पहले नाबालिग पत्नी के साथ यौन संबंध दुष्कर्म नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- कहा, माता-पिता की गवाही से यह सिद्ध नहीं होता कि अपीलकर्ता ने लड़की को बहकाया

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 18 वर्षों से लंबित वैवाहिक दुष्कर्म के एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति ने 15 वर्ष से अधिक आयु की नाबालिग पत्नी के साथ शादी के बाद शारीरिक संबंध बनाए हों, तो उसे सिर्फ 2017 के सुप्रीम कोर्ट के 'इंडिपेंडेंट थॉट' फैसले के बाद ही अपराध माना जा सकता है, उससे पहले नहीं। वर्ष 2017 के इंडिपेंडेंट थॉट बनाम यूनियन ऑफ इंडिया फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की धारा 375 (बलात्कार) के अपवाद 2 को संशोधित करते हुए निर्धारित किया कि पत्नी की आयु 18 वर्ष या अधिक होनी चाहिए, तभी वैवाहिक संबंध वैध माने जाएंगे। जबकि पहले की कानून व्यवस्था के अनुसार 15 वर्ष से अधिक आयु की पत्नी के साथ यौन संबंध बलात्कार नहीं माना जाता था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि यह संशोधन भविष्य में लागू होगा, पुराने मामलों पर नहीं। इस आधार पर कोर्ट ने माना कि वर्ष 2005 की घटना पर इसे लागू नहीं किया जा

सकता है। अतः वर्तमान मामले में वर्ष 2007 में पारित दोषसिद्धि आदेश को रद्द कर दिया गया।

मामले के अनुसार, अपीलकर्ता का कहना था कि लड़की के पिता ने आरोप लगाया कि उसकी 16 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया और शादी कर शारीरिक संबंध बनाया। निचली अदालत ने माना था कि दोनों ने निकाह किया और एक महीने तक पति-पत्नी की तरह रहे। फिर भी अपीलकर्ता को लड़की के नाबालिग होने के आधार पर आईपीसी की धारा 363, 366 और 376 के तहत सजा दी गई। इस्लाम उर्फ पलटू की अपील पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति अनिल कुमार-दशम की एकल पीठ ने पाया कि माता-पिता की गवाही या अन्य साक्ष्यों से यह सिद्ध नहीं होता कि अपीलकर्ता ने लड़की को बहकाया या जबरन ले गया। लड़की ने स्वयं कहा कि युवक के साथ वह स्वेच्छा से गई और कहीं भी धोखे या हेरफेर का संकेत नहीं है। अभियोजन पक्ष धारा 363 के तहत अपराध सिद्ध करने के लिए अभियुक्त की सक्रिय भूमिका या ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका। इसलिए धारा 363 और 366 के तहत अपराध नहीं बनता। नाबालिग पत्नी से संबंध और बाल विवाह के मुद्दे पर कोर्ट ने स्वीकार किया कि मुस्लिम कानून में विवाह की न्यूनतम आयु 15 वर्ष है, जबकि बाल विवाह निषेध अधिनियम में 18 वर्ष। प्रश्न यह था कि कौन सा कानून प्रभावी होगा। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के इंडिपेंडेंट थॉट फैसले का हवाला देते हुए कहा कि आईपीसी और पॉक्सो में बलात्कार की परिभाषा लगभग समान है। पॉक्सो अधिक व्यापक है और धारा 42-ए के अनुसार पॉक्सो अन्य कानूनों (आईपीसी सहित) को असंगति की सीमा तक निरस्त करता है।

बाल वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत मंडल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी और टीएमएल प्रतियोगिता 2025 का आयोजन हुआ। विज्ञान प्रदर्शनी में जूनियर वर्ग से 17 और सीनियर वर्ग में 14 मॉडल प्रदर्शित किए गए। टीएमएल प्रतियोगिता में 10 विषयों में 41 टीएमएल प्रस्तुत किए गए।

जेडी डॉ. प्रदीप कुमार और डीडीआर रेखा दिवाकर ने सभी मॉडल और टीएमएल का निरीक्षण किया और कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों और शिक्षकों की प्रतिभा तलाशने और तराशने का सशक्त माध्यम हैं।

मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार और ब्राइटलैंड स्कूल के निदेशक रीना मानस व रचित मानस ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

विजेता परिणाम

- सीनियर वर्ग : प्रथम - अमन मंसूरी (श्री बरखण्डी वीका, शिवगढ़, रायबरेली), द्वितीय - आर्यन कुमार व ईशान मिश्रा (संपर्कित), विषय - सूचना संचार।
- जूनियर वर्ग : प्रथम - आराध्य गिरी (पं. दीनदयाल उपा सामिमा ईका, लखीमपुर खीरी), द्वितीय - अभिषेक कुमार (कृषक इण्टर कॉलेज, महोली, सीतापुर)।
- **टीएमएल वर्ग** : भौतिक विज्ञान- रिफ्लेक्शन टीआईआर मैग्नेटिज्म - अनिल कुमार पाण्डेय, डीह, रायबरेली, **रसायन विज्ञान :** वीएसईपीआर सिद्धांत - सैयद मोहम्मद एजाज, लखीमपुर खीरी, **जीव विज्ञान :** कोशिका - दीप्ति विश्वकर्मा, लखनऊ, **गणित :** त्रिकोणमिति का परिचय - आशीष कुमार यादव, लखीमपुर, **नागरिक शास्त्र :** मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्य - डॉ. सुषमा त्रिपाठी, लखनऊ, **अंग्रेजी :** ए लेटर टू गॉड लिटरेचर - हुमा परवीन, रायबरेली, **हिंदी :** गद्य, पद्य, व्याकरण - कुसुम देवी, लखीमपुर, **अर्थशास्त्र :** मुद्रा और साख - दुर्गा प्रसाद, लखीमपुर, **भूगोल :** खनिज संसाधन - सुचित्रा कुशवाहा, रायबरेली

वैन की टक्कर से ऑटो सवार छह लोग घायल

दो की हालत गंभीर, दीपावली मनाने हरिद्वार से घर लौट रहे थे मजदूर, रास्ते में हुए हादसे का शिकार

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार: दीपावली की खुशियां मनाने घर लौट रहे मजदूरों का सफर हादसे में बदल गया। तेज रफ्तार ईको वैन की टक्कर से ऑटो सवार छह लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भीरा थाना क्षेत्र के भानपुर गांव निवासी रामनिवास, उनकी पत्नी मालती देवी, भाई के साले ओमकार, ओमकार के फुफेरे भाई की पत्नी अमृता और उनकी पुत्री काजल सभी लोग उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित सिडकुल की एक कंपनी में मजदूरी करते थे। दीपावली पर छुट्टी मिलने के बाद वे सभी मंगलवार को हरिद्वार से अपने घर भानपुर लौट रहे थे। हरिद्वार से वे बस से शाहजहांपुर पहुंचे।

हादसे के बाद मौके पर खड़े क्षतिग्रस्त दोनों वाहन। ● अमृत विचार

देर शाम होने के कारण आगे सवारी न मिलने पर उन्होंने थाना सिधौली क्षेत्र के खमरिया गांव निवासी ऑटो चालक हरिओम से संपर्क किया। हरिओम ने उन्हें भानपुर छोड़ने के लिए ऑटो बुक किया और सभी लोग उसमें सवार होकर रवाना हो गए। जब ऑटो खुटार-मैलानी मार्ग स्थित बाबा चौराहे के पास पहुंचा, तभी पलिया की ओर से आ रही तेज रफ्तार ईको वैन ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया, और उस पर सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने तुरंत घायलों को ऑटो से बाहर निकाला और पुलिस व 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुटार भिजवाया।

डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद मालती देवी और सनध कुमार की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल शाहजहांपुर रेफर कर दिया। वहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बरेली मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

दो बाइकों की टक्कर में एक घायल

मझगईं, अमृत विचार : मझगईं के पास मंगलवार की शाम दो बाइकों में टक्कर हो गई। दुर्घटना में कन्हैया उर्फ सोनू निवासी कन्धरहिया घायल हो गया। मौके पर मौजूद हल्का इंचार्ज अश्विनी कुमार ने उसे अपनी बाइक से कस्बे के एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत देख पलिया रेफर कर दिया। वहीं दूसरी बाइक पर सवार मलकीत पुत्र मिहिलाल निवासी बनघुसरी भी हादसे में घायल हो गया। बताया जा रहा है कि मलकीत शराब के नशे में था और अपने साथी के साथ लखीमपुर अस्पताल में भर्ती अपनी मां को देखने जा रहा था, जबकि सोनू मझगई से अपने गांव कन्धरहिया लौट रहा था। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

आठ माह पहले किया प्रेम विवाह अब दहेज में मांगे एक करोड़

● कनाडा में बसने को मांगे रुपये पति सास - ससुर गए विदेश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र में आठ माह पहले मुंबई में कोर्ट मैरिज कर प्रेम विवाह किया। उसके बाद युवती पति के साथ मुंबई पहुंची तो पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज में एक करोड़ की मांग की। पीड़िता ने पति समेत तीन पर रिपोर्ट दर्ज कराई, पुलिस जांच कर रही है।

डोहरा रोड निवासी इंदू कौर ने बताया कि वह मूलरूप से तिकोना फार्म, खीरी की रहने वाली है और यहां रहकर पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने शादी डॉट कॉम साइट से मिले रिश्ते के जरिये 10 फरवरी को हरदीप सिंह आनंद, निवासी अंधेरी ईस्ट मुंबई के साथ कोर्ट मैरिज की थी। उसके माता-पिता ने 16 फरवरी को जनकपुरी गुरुद्वारा में सिख धर्म से विवाह की रस्में की थीं। वह विदा होकर ससुराल मुंबई गई तो पति हरदीप सिंह आनन्द, ससुर गुरविंदर पाल सिंह आनन्द और सास बलविन्दर कौर शादी में दिए सभी सामान से खुश नहीं थे। पता चला कि पति हरदीप सिंह कनाडा में बस चलाते हैं। पति, सास, ससुर ने कहा कि कनाडा में बसना है, इसलिए माता-पिता से एक करोड़ रुपये दहेज में लेकर आओ। उसके बाद कनाडा में व्यापार किया जाएगा। इसके अलावा तीन एकड़ जमीन अपने पिता से अपने पति के नाम कराओ। उसके बाद पति 7 मार्च को कनाडा चले गए। उसके बाद सास-ससुर ने और प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। वह वहां से बरेली वापस आई। इसके बाद सास-ससुर भी कनाडा चले गए। पुलिस तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

शैली शर्मा बनाए गए जिला उपाध्यक्ष

पीलीभीत, अमृत विचार : विश्वकर्मा महासभा के जिलाध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने मोहल्ला इनायतगंज के रहने वाले शैलेंद्र कुमार उर्फ शैली पुत्र जमुना प्रसाद को जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। उनसे संगठन को मजबूत बनाने और समाज के लिए काम करने की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत कर बधाई दी।

भाकियू ने चकबंदी से जुड़ी समस्याएं बताई

पीलीभीत, अमृत विचार : भाकियू भानु के पदाधिकारियों ने चकबंदी अधिकारी कार्यालय में पंचायत के बाद ज्ञापन सौंपा। जिसमें चकबंदी विभाग से जुड़ी दिक्कतों का समाधान कराने की मांग की गई। पूर्व में की गई शिकायत का समाधान न होने पर भी नाराजगी जताई गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी, बाबूराम वर्मा, धर्मेंद्र गुप्ता, डालचंद, रामगोपाल आदि मौजूद रहे।

50 मीटर दौड़ में कपिल और कोमल बने विजेता

बरखेड़ा, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र की न्याय पंचायत रम्पुरा नत्थू की संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का कंपोजिट विद्यालय मुसरहा में आयोजन किया गया। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग की 50 मीटर दौड़ में कपिल प्रथम, योगेंद्र द्वितीय रहे। 100 मीटर दौड़ में सूर्य प्रताप प्रथम, सुमित वर्मा द्वितीय रहे। 200 मीटर की दौड़ में कपिल प्रथम, मयंक द्वितीय आए। प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग की 50 मीटर की दौड़ में कोमल प्रथम, शुभी द्वितीय, 100 मीटर की दौड़ में मुस्कान प्रथम, दीक्षा द्वितीय, 200 मीटर की दौड़ में मोहिनी प्रथम, मुस्कान द्वितीय रही। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता में कंपोजिट विद्यालय मुसरहा और बालिका वर्ग में प्राथमिक विद्यालय रम्पुरा नत्थू की टीम विजेता रही। खो खो प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर बालक वर्ग एवं बालिका वर्ग में कंपोजिट विद्यालय मुसरहा की टीम प्रथम रही। ऊंची कूद में राजन प्रथम, कुलदीप द्वितीय रहे।

प्रारंभिक वोटर लिस्ट में नाम चेक कर लें अधिवक्ता

● पूर्व बार काउंसिल अध्यक्ष इमरान माबूद खान ने पहुंचकर की गोष्ठी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्य इमरान माबूद खान बुधवार को पीलीभीत पहुंचे। उनका अधिवक्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के सभागार में गोष्ठी भी हुई। जिसमें स्वागत के साथ ही कई बिंदुओं पर चर्चा की गई।

पूर्व बार काउंसिल अध्यक्ष इमरान माबूद खान ने कहा उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की चुनावी प्रक्रिया शुरू हो गई है। अधिवक्ता प्रारंभिक मतदाता सूची में अपना नाम देख लें। अगर किसी का नाम शामिल नहीं है या नाम में कोई त्रुटि है तो 23 अक्टूबर तक प्रदेश बार काउंसिल को लिखित रूप में सूचित करें, ताकि अंतिम मतदाता सूची में नाम शामिल हो सके। जिन अधिवक्ताओं ने अभी तक सर्टिफिकेट आफ प्रैक्टिस लेने के लिए आवेदन नहीं किया है। वे सभी अधिवक्ता 23 अक्टूबर तक अपना आवेदन प्रदेश बार काउंसिल कार्यालय में जमा करा दें, ताकि उन्हें सर्टिफिकेट आफ प्रैक्टिस जारी हो सके। मतदाता सूची में केवल सर्टिफिकेट आफ प्रैक्टिस , सीओपी धारक अधिवक्ताओं का नाम ही शामिल किया जाएगा। गोष्ठी की अध्यक्षता जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र एडवोकेट और संचालन महासचिव आनंद मिश्रा एडवोकेट ने किया। इस मौके पर नगर पंचायत जहानाबाद के पूर्व अध्यक्ष एजाज अहमद खान, बाबूराम शर्मा, राम अवतार रस्तोगी, इजहार अशरफ कुरैशी, युसूफ अली सिद्दीकी, अब्दुल जाहिद अंसारी, महेंद्र मिश्र, अभिषेक मिश्र, हरदयाल सिंह, प्रभाकर सिंह, राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, सत्यपाल गौतम, जियाउद्दीन जिया, कुलदीप अवस्थी आदि मौजूद रहे।

बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष का स्वागत करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

अमरिया के अधिवक्ताओं की हड़ताल जारी

अमरिया, अमृत विचार : तहसील बार एसोसिएशन के अधिवक्ता हबीब अहमद एडवोकेट के साथ हुई अभद्रता के बाद चल रही अधिवक्ताओं की हड़ताल बुधवार को भी जारी रही। अधिवक्ताओं ने इसे लेकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा और स्पष्ट किया कि अगर एसडीएम के पेशकार को नहीं हटाया गया तो आंदोलन को गति दी जाएगी। जिला स्तरीय बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों से भी समर्थन की मांग की गई है।

न्यूज डायरी

हम सेवक हैं और न्याय करने आए हैं: जिजा जज

पीलीभीत, अमृत विचार : सिविल बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने नवागत जिला जज रवींद्र कुमार का स्वागत किया। नवागत जिला जज ने अदालतों में अधिवक्ताओं की ओर से अच्छी और स्तरीय बहस पर बल देते हुए कहा कि हम सेवक हैं और न्याय करने आए हैं। कहा कि बार–बेंचों के बीच सामंजस्य से न्याय की राह आसान हो जाती है। सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आलोक कुमार नगायच ने कहा न्यायिक व्यवस्था को बार की ओर से सकारात्मक सहयोग दिया जाएगा। जिला जज का माल्यार्पण व दोशाला व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। एडीजे प्रथम विजय कुमार डुंगराकोटी, प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट संजीव कुमार सिन्हा, वरिष्ठ अधिवक्ता वीडी पांडेय ने भी विचार रखे। इस मौके पर सिविल बार के पूर्व अध्यक्ष विवेक पाण्डेय, संयुक्त बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरेन्द्र मिश्रा, स्नेहलता तिवारी, अजय कुमार सक्सेना, मोहन स्वरूप गंगवार, राजेन्द्र बिहारी श्रीवास्तव, मोहनवीर सिंह, अभय कुमार सक्सेना, जिया उल इस्लाम, फैजान अली खां, अनवार अहमद खां, मोहन गिरी, अवधेश शर्मा, अंशुल गौरव सिंह, श्याम अवस्थी, रीता शर्मा, राधा सहगल, गोपाल कृष्ण समेत अन्य रहे।

कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

बीसलपुर, अमृत विचार : शासन के निर्देश पर सुरक्षा, संरक्षा एवं स्वावलंबन के लिए महिला सशक्तिकरण के रुप में चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5 .0 अभियान के तहत एसआरएम इंटर कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें छात्राओं को जागरूकता किया गया। प्रधानाचार्य राजेश चंद्र गंगवार ने शुरुआत कराई। छात्राओं को आत्म सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य वक्ता सहायक अभियोजन अधिकारी आकांक्षा सक्सेना ने छात्राओं को विधिक अधिकारों की जानकारी दी। इस मौके पर हरेंद्र शर्मा, रोहित वर्मा , कमलेश, खुशनसीब आदि मौजूद रहे।

सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत

पीलीभीत, अमृत विचार : सांसद खेल महोत्सव 2025 की शुरुआत केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने बुधवार को कराई। खिलाड़ियों का परिचय लिया और टास कराकर कबड्डी मैच शुरू कराया। जिले में पहली बार सांसद खेल महोत्सव की शुरुआत की गई है। केंद्रीय राज्यमंत्री की पहल से जिले में खेल योजना को गति भी मिली है। खिलाड़ियों में खेलों को लेकर उत्साह देखने को मिला। कबड्डी का पहला मैच गांधी स्टेडियम और बरखेड़ा की टीम के बीच हुआ। जिसमें स्टेडियम ए की टीम 31 अंक पाकर विजेता रही। बरखेड़ा की टीम को 24 अंक मिले।

प्रश्नोत्तरी परीक्षा में बीसलपुर से टॉप पांच छात्रों का चयन

बीसलपुर, अमृत विचार : परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास करने, प्रयोग के विविध अवसर उपलब्ध करवाने, विज्ञान की प्रकृति, प्रक्रियाओं और विधियों की सम्यक समझ विकसित करने के उद्देश्य से ब्लॉक संसाधन केंद्र में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत विज्ञान प्रश्नोत्तरी परीक्षा कराई गई। जिसमें ब्लॉक क्षेत्र के 65 विद्यालयों से 125 बच्चों ने प्रतिभाग किया। द्वितीय चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 25 छात्रों में मौखिक विज्ञान क्विज कराई गई। जिसमें शीर्ष पांच छात्र हर्षित सिंह कंपोजिट विद्यालय भैंसटा जलालपुर, रितिका कंपोजिट विद्यालय अभयपुर, अजीत गंगवार उच्च प्राथमिक विद्यालय किशनी, अंशु देवी उच्च प्राथमिक विद्यालय खनंका, मधु कंपोजिट विद्यालय सिसैया जलालपुर को चयनित किया गया। साक्षात्कार के आधार पर अन्य पांच बच्चों का चयन विज्ञान प्रदर्शनी के लिए किया गया।

आदित्य बने मंडलीय एथलेटिक्स के चैंपियन

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बदायूं में मंगलवार को हुई 69वीं मंडलीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बरेली के मनोहर भूषण इंटर कालेज के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

आदित्य सिंह ने गोला फेंक, तार गोला फेंक और चक्का फेंक तीनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर व्यक्तिगत चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। श्याम यादव ने 100 मीटर दौड़ में तृतीय, 200 मीटर दौड़ और लंबी कूद में द्वितीय स्थान, रिजवान और श्याम यादव की जोड़ी ने 400 मीटर रिले रेस में स्वर्ण पदक हासिल किया। छात्रों की इस उपलब्धि पर प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार, क्रीड़ा अध्यक्ष एवं चीफ प्रॉक्टर डॉ. आरबी तिवारी, डॉ. नागेश पांडे, अश्विनी बाजपेई, अनुज कुमार सिंह, अमित गोयल, डॉ. गौरी शंकर, वीके तिवारी, अजय शर्मा, एमएल गंगवार, सुमित गंगवार, जेपीएस तोमर, धीरेंद्र कुमार, संतोष कुमार सिंह, मुकेश पाल, शैलेश कुमार सिंह ने शुभकामनाएं दीं।

प्रशिक्षण के बाद मिले प्रमाण पत्र

प्रमाण पत्र के साथ स्पेशल एजुकेटर। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: समग्र शिक्षा अभियान के तहत कोलोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर तैनात आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को समावेशी शिक्षा के पहलुओं से अवगत कराया जाएगा। इसके लिए ब्लॉक स्तर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। 13 अक्टूबर से तीन दिवसीय प्रशिक्षण देकर स्पेशल एजुकेटर को प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम नगर क्षेत्र के यूआरसी केंद्र पर संपन्न हुआ। जिले के 20 स्पेशल एजुकेटर को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण का समापन बीएसए अमित कुमार सिंह ने किया। उन्होंने स्पेशल एजुकेटर को प्रमाण पत्र दिए। सभी से कहा ब्लॉक स्तर पर बनाए गए रोस्टर के अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करें। प्रशिक्षण देने की कार्य योजना जल्दी ही जारी कर दी जाएगी। शासन की योजना है कि कोलोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर नामांकित सामान्य बच्चों की तरह दिव्यांग बच्चों की भी अब आंगनबाड़ी केंद्रों पर उनकी देखभाल की जाएगी। जिले के 20 स्पेशल एजुकेटर्स को राज्य स्तर से प्रशिक्षण लेकर आए प्रशिक्षक मनीष श्रीवास्तव और सुनील त्रिपाठी ने दिया। प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करना है उन्हें को लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर किस तरीके से नामांकित किया जाएगा। प्रशिक्षण में इसकी विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में जिला समन्वयक राकेश पटेल ,स्पेशल एजुकेटर संजीव मिश्रा, अनिल सोनकर, रामदास आदि स्पेशल एजुकेटर शामिल रहे।

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: बी.के.एस./क्रय/2025-26/1552 दिनांक: 13.10.2025

ई-निविदा सूचना

इस मिल समिति में वर्ष 2025-26 में अनुभवी पार्टियों से मिल के बैगास फीडिंग/हैण्डलिंग कार्य व विभिन्न निष्प्रयोज्य सामानों की बिक्री एवं तीनों ब्यायलरों के फर्नेस, चैम्बर एवं वेट रकवर के ऐश पौण्ड में एकत्रित राखी को हटाने संबंधी कार्य हेतु दिनांक 23.10.2025 तक ई-निविदायें निर्धारित धरोहर राशि जमा करने के उपरांत आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा की नियम एवं शर्ते व विस्तृत विवरण www.etender.up.nic.in से एवं संघ कार्यालय लखनऊ की वेबसाइट upsugarfed.org से डाउनलोड की जा सकती है। यदि आवश्यक हुआ तो एल-1/एच-1 बिडर्स से निगोसियेशन किया जा सकता है। अद्योहस्ताक्षरी को निविदा की शर्तो में परिवर्तन करने एवं बिना कारण बताये एक या समस्त ई-निविदायें निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

डॉ. हरी कृष्ण गुप्ता
प्रधान प्रबन्धक

सार्वजनिक सूचना

मेरे पक्षकार श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड बरेली द्वारा कमाल हुसैन पुत्र श्री प्यारे मियां निवासी 303 किला छावनी मुस्तफा मस्जिद रामपुर मार्ग बरेली को एक ऋण सम्पत्ति पर दिया जा रहा है। सम्पत्ति स्थित स्वाले नगर नवदिया फूल बाग बरेली। बैनामा शराफत हुसैन पुत्र श्री अहमद अली श्री विक्रेता/क्रेता कमाल हुसैन पुत्र श्री प्यारे मियां श्री क्रेता/विक्रेता शराफत हुसैन पुत्र श्री अहमद अली जिसकी रजिस्ट्री नं. 12665 दिनांक 31.12.1985 वही नं. 1 जिल्द 2481 के पृष्ठ 271 से 272 है। हदूद पूर्व में मकान सुरेश भारती, पश्चिम में रास्ता 12 फिट चौड़ा वादहू मकान शौकत अली उत्तर में- रास्ता 30 फिट चौड़ा वादहू मकान ओम प्रकाश व नन्हें दक्षिण:- मकान ओम शंकर,

क्रय पत्र 25.09.2025 में कहीं खो गया है। जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट 15.10.2025 थाना किला बरेली में करा दी गयी है। किसी को ये विक्रय पत्र मिले या किसी बैंक में विक्रय पत्र रखे हो तो 7 दिन के भीतर सूचित करें।

संजीव कुमार एडवोकेट
पता:- चैम्बर नियर बंगलिया बिल्डिंग, बरेली मो. 9412149165

सार्वजनिक सूचना

आज दिनांक 28.07.2025 को तरसेम सिंह व सुखवीर सिंह पुत्रगण हरभजन सिंह व हरविन्द कौर पत्नी हरभजन सिंह निवासी समपुरवा धौरहरा खीरी के बीच आपसी बंटवारा हुआ जिसमें घर जमीन तथा खेती के निम्न सामान जैसे ट्रैक्टर, ट्राली, रोटावेटर, कल्टीवेटर, सरावन इत्यादि शामिल किया गया। बंटवारे के निम्न बिन्दु रहे-

1. जो नया घर बना है उनमें से एक कमरा आजीवन माता जी को और जमीन में से 16 बीघा जमीन माता जी को गुजारे के लिए दी गयी। शेष जमीन दोनों भाइयों तरसेम सिंह व सुखवीर सिंह में बराबर बांटी जाये।
2. इसके अलावा नये घर के साथ भूसा वाला मकान और उसके आगे का खाली भाग व दो मंजिल मकान व उसके आगे का भाग और खेती के सारे साधन जिसमें ट्रैक्टर, ट्रॉली, हैरों, कल्टीवेटर, रोटावेटर, लोहिया हल, सरावन आदि इम्पलीमेंट तरसेम सिंह को दिये गये।
3. नये घर में माता जी के कमरे को छोड़कर बाकी सारा भाग जिसमें, रसोई, बाथरूम, लैट्रीन, टीन शेड, सुखवीर सिंह को दिया गया।
4. ग्रीन कार्ड पर जो कर्ज है वो दोनों भाइयों को आधा, आधा देना होगा।
5. राजविन्दर कौर को दिये जाने वाले दहेज में जो खर्च आयेगा वो दोनों भाई आधा- आधा वहन करेंगे।
6. जब तक तरसेम सिंह अपने कमरे कम्पलीट नहीं कर पाता जिसकी सीमा दो साल निर्धारित की गई है जो आज दिनांक 28.07.2025 से शुरू होकर 28.07.2027 को समाप्त होगी। तब तक सुखवीर सिंह, तरसमेम सिंह को अपना सामान उठाने के लिए नहीं कहेगा।
7. खेत में लगे ट्यूबवेल संयुक्त रूप से चलेंगे, जिनका बिल दोनों भाईयों को वहन करना होगा।
8. यह फैसला, सरदार रघुबीर सिंह (मामा), सीतल सिंह (मासड़), जसपाल सिंह (फूफा), झिलमिल सिंह (भाई), जरजिन्दर सिंह (भाई), रनजीत सिंह (भाई), जसवन्त सिंह (ताऊ), महेन्द्र सिंह (पड़ोसी), नरेन्द्र सिंह (फूफा), मनजीत सिंह (भाई), तरसेम सिंह (भाई), झिलमिल सिंह (भाई) आदि की मौजूदगी में दोनों भाईयों की सहमति में हुआ।
9. भविष्य में सुखबीर सिंह के द्वारा स्वयं किए गए किसी भी लेनदेन, कृत्य व किसी भी प्रकार के वाद विवाद से मेरा तरसेम सिंह एवं मेरी मां हरविंदर कौर का कोई भी जिम्मेदारी, वास्ता एवं सरोकार नहीं होगा

आयोजन शारदा राठौर को ई-पोस्टर प्रतियोगिता में तृतीय स्थान, अंशिका का शोध भी रहा चर्चित

पीलीभीत मेडिकल कॉलेज का मान बढ़ाया

● विश्व एनाटॉमी दिवस पर आयोजित हुई गोष्ठी, छात्र-छात्राओं ने रखे विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया है। एनाटॉमी विषय पर किए गए शोध कार्यों को एनाटॉमी एक्रॉस द बॉर्डर नामक राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया, जो नॉर्थ ईस्टर्न इंदिरा गांधी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज शिलांग, मेघालय में आयोजित हुआ।

महाविद्यालय की एमबीबीएस बैच 2024 की छात्रा शारदा राठौर को कैडावर में डबल सुपीरियर वेना कावा का एक दुर्लभ मामला एक केस रिपोर्ट विषय पर प्रस्तुत ई-पोस्टर के लिए ऑल इंडिया स्तर पर तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। वहीं, छात्रा अंशिका ने द्विपार्श्वीय असामान्य वृषणीय वाहिकाओं की शाखाएं एवं बाईं वृषणीय धमनी की असामान्य उत्पत्ति एक केस रिपोर्ट विषय पर शोध प्रस्तुत कर सबका ध्यान आकर्षित किया।

विश्व एनाटॉमी दिवस पर संगोष्ठी के दौरान शिक्षकों के साथ मौजूद एमबीबीएस के छात्र। ● अमृत विचार

दोनों शोध कार्य एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह के निर्देशन में हुए। उन्होंने छात्राओं की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विभाग बल्कि पूरे महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने छात्राओं को भविष्य में और ऊंचाइयां छूने की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि हमारे संस्थान की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा लगन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह सिद्ध किया है कि समर्पण के साथ किया गया शोध कार्य राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना सकता है। यह उपलब्धि आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। इधर, विश्व एनाटॉमी दिवस पर भी एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां भाषण प्रतियोगिता में अमन अली ने प्रथम, समीर राघव ने द्वितीय और तान्या वशिष्ठ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. पूजा सिंदवानी, असिस्टेंट प्रोफेसर, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा किया गया।

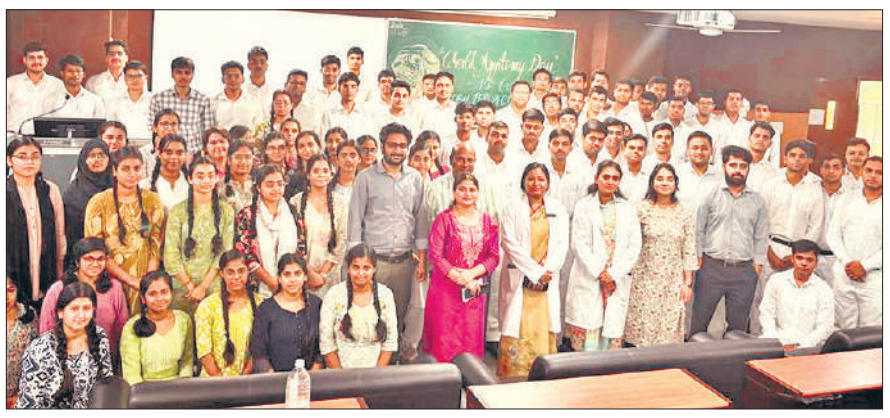

तंत्रिका तंत्र है शरीर का प्रमुख अंग, रखें विशेष ध्यान

● बीआईयू के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में विशेष व्याख्यान का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सभागार में बुधवार को तंत्रिका तंत्र को लेकर विशेष व्याख्यान आयोजित हुआ। बीआईयू के प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल ने तंत्रिका तंत्र के बारे में विस्तृत रूप से सभी जानकारियां दीं।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी शामिल होती है। यह शरीर के सभी कार्यों को नियंत्रित करता है, जैसे कि सोचना, महसूस करना, हिलना-डुलना, और हृदय गति, श्वसन और पाचन जैसी जीवन रक्षक प्रक्रियाओं को भी नियंत्रित करता है। यह परिधीय तंत्रिका तंत्र से संवेदी जानकारी प्राप्त करता है, उसे संसाधित करता है और फिर शरीर की प्रतिक्रियाओं का समन्वय करता है, जैसे मस्तिष्क तंत्रिका तंत्र का केंद्रीय नियंत्रण केंद्र है जो संवेदी जानकारी को संसाधित करता है और शारीरिक गतिविधियों को नियंत्रित करता है। वहीं ये रीढ़ की हड्डी के भीतर स्थित होती है और मस्तिष्क से शरीर के बाकी हिस्सों तक आदेश भेजने और संवेदी जानकारी प्राप्त करने का काम करती है। इसके साथ ही अन्य प्रतिक्रियाओं में भी तंत्रिका तंत्र का अहम योगदान है। इस मौके पर संस्थान के वरिष्ठ चिकित्सक व छात्र-छात्राएं समेत अन्य मौजूद रहे।

बीआईयू के प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल संबोधित करते हुए।

अमृत विचार

गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

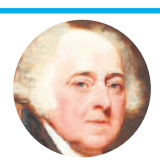

ताकत हमेशा सोचती है कि उसकी आत्मा महान है और उसके विचार कमजोर लोगों की समझ से परे हैं।
–जॉन एडम्स, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति

दुर्घटना प्रसूत प्रश्न

जैसलमेर की भयावह बस दुर्घटना ने इस प्रश्न को पुनः केंद्र में ला दिया है कि वातानुकूलित स्लीपर बसें आग का गोला क्यों बन रही हैं। महाराष्ट्र और गुरुग्राम में ऐसी घटनाएं पहले भी घट चुकी हैं। हादसे के बाद जांच और बयान तो होते हैं, लेकिन इनके कारकों को दूर करने की कोई कोशिश नहीं होती। न तो निर्माण मानकों में सुधार होता है, न ही संचालन प्रणाली में। अधिकतर वातानुकूलित स्लीपर बसें निजी 'बॉडी बिल्डरों' द्वारा इस उद्देश्य से बनाई जाती हैं कि अधिकतम सवारियों के लिए जगह बने, ताकि खरीददार अधिक किराया और मुनाफा कमा सके। ऑपरेटर भी बसों को 'शानदार' दिखाने की होड़ में तय मानकों को ताख पर रख सुरक्षा की जगह क्षमता बढ़ाने पर जोर देते हुए मूल डिजाइन में बदलाव के साथ अतिरिक्त बर्थ, नकली एयर-कूलिंग पाइप और कई गैरजरूरी दिखावटी मनमाने मॉडिफिकेशन करवाते हैं। बसों में प्रयुक्त इंटीरियर और अन्य सामग्रियां ज्वलनरोधी होनी चाहिए, लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता, जबकि इनसे निकला जहरीला धुआं जानलेवा होता है। मानक के अनुसार हर बस में दो निकास द्वार और छत पर आपातकालीन खिड़कियां अनिवार्य होनी चाहिए, परंतु अक्सर ये नहीं होतीं। आवाजाही की गैलरी भी बेहद संकरी होती है।

बिजली की अवैज्ञानिक वायरिंग, एयर-कंडीशनिंग सिस्टम की खराब देखभाल, सस्ती बैटरियों और घटिया इन्वर्टरों के इस्तेमाल के चलते एसी स्लीपर बसें लगातार असुरक्षित होती जा रही हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के 2018 में बने 'बस बॉडी कोड' के तहत अग्निरोधी सामग्री, इमरजेंसी एग्जिट और फायर सप्रेशन सिस्टम का प्रावधान है, लेकिन इन मानकों को लागू करने की फिक्र किसे है। दरअसल, बसों के वास्तविक और कड़ाई से निरीक्षण का कोई प्रभावी तंत्र नहीं है, इसलिए यह लापरवाही बेरोकटोक जारी है। चीन ने तो तकरीबन डेढ़ दशक पहले ही अपने यहां स्लीपर एसी बसों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन भारत में ट्रेनों में सीट मिलने की अनिश्चितता और हवाई सफर के महंगा होने के कारण यह विकल्प शायद ही बंद किया जा सके।

इंसानी मौतों की कीमत पर यह विकल्प जारी रखना ही है, तो हमें अब सख्त कदम उठाने होंगे। सभी स्लीपर बसों में फायर डिटेक्शन सिस्टम, दो आपातकालीन निकास और ज्वलनरोधी सामग्री को अनिवार्य किया जाए। आरटीओ और बीमा कंपनियों को बिना इन मानकों के बसों को सड़क पर उतरने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। दूरस्थ राजमार्गों पर दुर्घटनाग्रस्त बसों के लिए त्वरित राहत संभव नहीं होती, इसलिए बस निर्माण और संचालन दोनों में हवाई जहाज या मेट्रो ट्रेनों की तरह पूर्व-सुरक्षा उपायों के अंतरगत हर एसी बस की वार्षिक अग्नि-सुरक्षा जांच अनिवार्य करनी चाहिए। आरटीओ की जांच केवल कागजी खानापूरी बनकर न रह जाए। जब दुर्घटनाओं के कारण बार-बार एक जैसे निकलते हों, ये सारी कवायदें की जानी चाहिए? फिलहाल राज्य के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजा राशि घोषित कर दी, लेकिन क्या यही पर्याप्त है?

प्रसंगवश

लेखक, जिसने गढ़े उम्मीदों से भरे शब्द

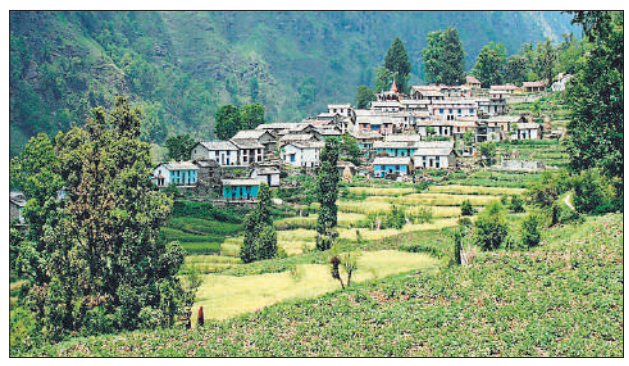

साहित्य जब अपने नैतिक पतन की परिस्थितियों से जूझ रहा हो, तब उसके हिस्से 'नोबेल प्राइज' के आने का मतलब है, साहित्य लेखन को नए सिरे से रिर्चाज करना। नाउम्मीदी और निराशा के बीच उम्मीदों को शब्दों से उकेरने वाले विश्व विख्यात लेखक को इस मर्तबा नोबेल से नवाजने का एलान सुखद एहसास करवाने जैसा है। साहित्यक संसार हंगरी के राइटर 'लास्जलो क्रास्नाहोरकाई' को नोबेल पुरस्कार दिए जाने की घोषणा से इसलिए खुशी जता रहा है कि उन्होंने नाउम्मीदी और हताशा को मिटाने के लिए मुकम्मल प्रयोगों पर अपनी लेखनी के जरिए ऐसा नायाब तरीका गढ़ा, जिसने साहित्यक विधा को नई उचाईंयां प्रदान कीं। उनके विजनरी लेखन ने सफलता और कयामत के ऐसे बेजोड़ आयाम गढ़े हैं, जो भविष्य के रुचिकर भावी रचनाधर्मियों को साहित्यक पन्नों को उकेरने में मदद करेंगे।

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

5 जनवरी 1954 को हंगरी के छोटे से शहर 'ग्युला' में जन्मे लास्जलो क्रास्नाहोरकाई को बचपन से साहित्य से प्यार था, कम उम्र से ही लेखन कार्य आरंभ कर दिया था। उन्होंने अपनी तमाम शिक्षा साहित्य विषय में पूरी की। निराशा से कैसे उभरें और अपने भीतर पनपे नकारात्मक पक्ष को कैसे सेतु बनाकर सकारात्मक दृष्टि में तब्दील करें, को अपनी रचनाओं में प्रयोग किया, जिसे पाठकों ने खूब सराहा। नए-नए शब्दों को गढ़ना और उनके शाब्दिक अर्थों को साहित्य में इस्तेमाल करने की रचनात्मक क्षमताओं को आंक कर ही वैश्विक बुद्धिजीवियों ने नोबेल सम्मान देने का निर्णय किया। पुरस्कार के एलान के बाद तुरंत स्वीडिश एकेडमी का ये कहना कि नोबेल पुरस्कार लास्जलो क्रास्नाहोरकाई को व्यक्तिगत तौर पर नहीं, बल्कि उनके प्रभावशाली व विजनरी लेखन को समर्पित किया गया। लेखक के लिए एकेडमी ने बिल्कुल सटीक आकलन किया। हंगरी के नाम ये दूसरा नोबेल प्राइज है, इससे पहले वर्ष-2002 में एक और राइटर 'इमरे जींस केर्टेस्ज' को मिला था।

बहरहाल, क्रास्जनाहोरकाई को उनकी दूरदर्शी, सर्वनाशकारी और दार्शनिक कृतियों के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। उन्हें करीब 10 करोड़ और तीन लाख रुपये बतौर पुरस्कार के तौर पर मिलेंगे। अभी मिले नहीं हैं, लेकिन उससे पहले ही उन्होंने उस राशि को हंगरी के 'साहित्यक डेवेलपमेंट विंग' को देने की घोषणा कर दी है। उस धनराशि का पुस्तकालय बनें, ऐसी इच्छा क्रास्नाहोरकाई ने जताई है। क्रास्नाहोरकाई को उनकी सरल सादगी के लिए दुनिया जानती है। साहित्य, दो वक्त की रोटी, बेहद सामान्य जीवन के सिवा और कुछ उन्हें नहीं चाहिए? लास्जलो मौजूदा वक्त में यूरोपीय साहित्य के उन दुलर्भ, अलहदा और बिरले लेखको में शुमार हैं, जिन्होंने हताशा के मध्य सफलता की नायाब भाषा को गढ़ा है।

नोबेल विजेता क्रास्नाहोरकाई की लेखनी सदैव जीवित इंसान के अंत और नैतिक पतन की परिस्थितियों में मेल खाती हैं। साहित्यक लेखन में बदलाव की दरकार है, नए सिरे से गढ़ने की आधुनिक समय में जरूरत है, जिसे शिद्दत से क्रास्नाहोरकाई ने अपने रचनाओं में दर्शाया है। नोबेल प्राइज मिलने से पूर्व क्रास्नाहोरकाई को 2015 में 'बुकर इंटरनेशनल' अवार्ड मिला था। वहीं 2019 में अमेरिका का प्रसिद्ध 'नेशनल बुक अवार्ड' से भी नवाजे गए। इसके अलावा तीन दर्जन अवार्ड ऐसे मिले हैं, जो साहित्यिक क्षेत्र में बड़े माने जाते हैं। प्रत्येक पुरस्कारों की राशि उन्होंने औरों में बांटी, अपने पास कुछ भी नहीं रखा।

देवभूमि के गांवों में फिर जलें खुशियों के दीप

अमित शर्मा
हल्द्वानी

नौ नवंबर 2025 को हमारा उत्तराखंड 25 साल का हो जाएगा। इस लंबे अंतराल में इस छोटे से पर्वतीय राज्य ने तमाम उतार-चढ़ाव देखे। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य और केंद्र सरकार ने तमाम योजनाओं से लोगों की आर्थिकी को बेहतर करने का प्रयास किया और कर भी रही है, लेकिन भौगोलिक दुर्गम परिस्थितियां तो कहीं अन्य कारणों से, आज भी मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों की कमी अक्सर देखी जाती है। ऊपर से वर्ष के छह महीनों में आपदा कब अपना रौद्र रूप दिखा दे, कुछ नहीं कहा जा सकता। राजनीति के तरकश में कहने को तो कई तीर होंगे, लेकिन तमाम समस्याओं को समेटे एक बड़ा मुद्दा जो संवेदनशील बना, वह पलायन रहा।

यह प्रार्थना करना बहुत जरूरी है कि देवभूमि उत्तराखंड उसी अपने दिव्य-भव्य स्वरूप में लौट आए और इस दीपावली उन वीरान दिलों में भी खुशियों के दीप जलें, जो कभी देवभूमि के गांवों में खिलखिलाते थे। राज्य स्थापना दिवस को मनाना भी तभी सार्थक होगा और इसका असली मकसद भी तभी पूरा माना जाएगा, जब सुविधाओं के अभाव और रोजी-रोटी की तलाश में अपनी मातृ भूमि को त्याग कर गया हर एक व्यक्ति वापस पहाड़ों को लौट आए, यानी रिवर्स पलायन की रफ्तार और तेजी पकड़े।

जब भी कोई खास त्योहार आता है, तो हमारा प्रयास रहता है कि उसे अपने गांव, शहर, राज्य में अपनों के बीच मनाएं। वहां, जहां की मिट्टी से आज भी जुड़ाव हो, हमारी जड़ें जमी हों, हमारा बचपन बीता हो। स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क न होने जैसी तमाम दुश्वारियों के चलते आज अपनी मिट्टी से अलग हुए और दूसरे राज्यों में नौकरी या व्यापार करने वालों का मन यह सोचकर जरूर दुखी होता होगा कि काश! इस दिवाली हम अपने गांव में अपने ईष्ट मित्रों के साथ मनाते।

उत्तराखंड राज्य में एक समय ऐसा भी रहा, जब मूलभूत सुविधाओं के अभाव में पलायन के चलते गांवों की सुनसानी ने तेजी पकड़ी। ऐसे वीरान हुए गांवों की लंबी-चौड़ी संख्या रही, जहां कहीं एक भी इंसान न होने पर, जिन्हें आम भाषा में भूतिया गांव भी कहा जाने लगा, तो कहीं पहाड़ों की गोद में बसे गांवों में गिनती भर के लोग रह गए, हालांकि कोरोना आपदा में भी सुखद पहलू यह रहा कि रिवर्स पलायन का चलन तेजी से बढ़ा। पलायन निवारण आयोग भी बनाया गया।

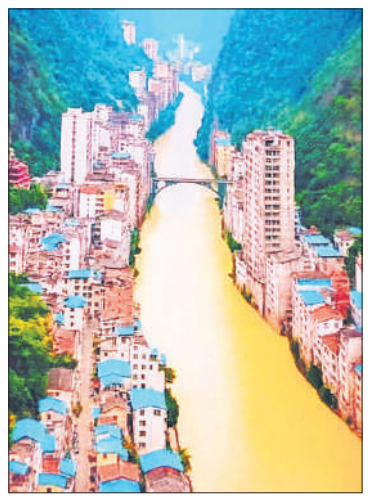

शहरों से अपनी मिट्टी में लौटे पहाड़वासियों के कदम रोके रखने को और अभी भी दूसरे राज्यों/शहरों में रह रहे लोगों को आकर्षित करने के लिए सरकार ने रोजगार सृजन के कई उपाय खोजे। खासतौर से कृषि, बागबानी और स्वरोजगार के माध्यम से, बुनियादी ढांचे के विकास और स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके गांव में जीवन की गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया। भले ही वह किसी भी तरह का स्टार्टअप-होम स्टे, सोलर प्लांट, कृषि एवं बागबानी, डेयरी फार्म, पशुपालन, दुकान समेत अन्य व्यवसायों व उद्यमों से जुड़ा रहा हो। एक अनुमान के मुताबिक सरकारी प्रयासों के चलते 5000 से ज्यादा लोगों ने रिवर्स पलायन किया।

यह भी सुखद है कि उत्तराखंड के लिए केंद्र सरकार ने कभी कोई कमी नहीं छोड़ी। चाहे आपदा का समय हो या रिवर्स पलायन की बात, राज्य और केंद्र सरकार ने मिलकर हर मोर्चे पर बेहतर काम किया। अब आपदा पर तो किसी का बस नहीं है, लेकिन समय रहते उसके प्रभाव को कम तो किया ही जा सकता है, उसी तरह से सरकारी योजनाओं को और लचीला बनाकर और नई योजनाओं को धरातल पर उतारकर रिवर्स पलायन की गति बढ़ाकर राज्य स्थापना दिवस को और दिव्य-भव्य बनाने की दिशा में काम किया जा सकता है, ताकि पहाड़ के हर गांव में केवल दिवाली ही नहीं, बल्कि होली, फूलदेई, घुघुतिया, हरेला, सातूं-आठूं, घी संक्रांत, चैत्र में झोड़े जैसे पारंपरिक लोक पर्वों को दोबारा से जीवंत किया जा सके।

पहाड़ों से युवाओं का पलायन नगरीय क्षेत्रों के समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में रिवर्स होने लगा है। नैनीताल समेत समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कई लोग हैं, जो महानगरों की चकाचौंध छोड़कर घर वापसी कर चुके हैं और अपना स्वरोजगार अपनाकर सुकून का जीवन यापन कर रहे हैं। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में रहना कोई आसान नहीं है और पहाड़ों से पलायन का दौर भी कोई नई बात नहीं है। यह स्वतंत्रता के बाद से ही शुरू हो चुका था, लेकिन इसमें तेजी 80 के दशक से आई। पलायन की सबसे बड़ी समस्या बुनियादी सुविधाओं का नितांत अभाव रहा। खेती बाड़ी पर जीवन निर्भर हुआ करता था। इसके अलावा किसी दूसरे रोजगार की कल्पना ही नहीं की जा सकती थी। शिक्षा, चिकित्सा व रोजगार भी पलायन का एक बड़ा कारण रहा, जिसके चलते समय के साथ गांव के गांव खाली होते चले गए और यह दूर अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी जारी है, लेकिन अब स्थितियां बदलने लगी हैं।

नैनीताल, बागेश्वर, अल्मोड़ा व चंपावत जिले के समीपवर्ती क्षेत्रों से पलायन कर चुके लोग वापस लौटने लगे हैं। इसकी बड़ी वजह सड़क, पानी व बिजली जैसी सुविधाओं का विकास है। साथ ही, आजीविका के लिए पर्यटन अब सबसे बड़ा सहयोगी बनकर उभरा है, जिसने घर से कोसों दूर लोगों को महानगरों से वापस लौटने के लिए मजबूर किया है। इसके अलावा यहां के प्राकृतिक उत्पादों के श्रोत भी शामिल हैं, जिनमें फल, दालें और जड़ी-बूटियां प्रमुख रूप से शामिल हैं। साथ ही, अनेक सरकारी योजनाएं हैं, जो पलायन रोकने के साथ लोगों को घर वापसी को बाध्य कर रही हैं। राज्य और केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गईं ऋण योजनाएं भी इसमें काफी सहायक बनी हैं, जिनमें सब्सिडी के साथ ऋण उपलब्ध होता है। साथ ही, मुद्रा ऋण योजना भी आर्थिक रूप से सहयोगी साबित हुई है।

> पहाड़ों से युवाओं का पलायन नगरीय क्षेत्रों के समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में रिवर्स होने लगा है। नैनीताल समेत समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे कई लोग हैं, जो महानगरों की चकाचौंध छोड़कर घर वापसी कर चुके हैं।

आमने सामने

पिछले लंबे समय से दिल्ली एनसीआर को दीपावली के पावन पर्व पर पटाखों से वंचित रखा जाता था? एक ही धर्म के ऊपर ऐसा अत्याचार क्यों किया जा रहा था? जबकि पूरी दुनिया में इजाजत है। मैं सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करता हूं।
–मनजिंदर सिंह सिरसा
पर्यावरण मंत्री, दिल्ली

बीजेपी सरकार प्रदूषण को लेकर सिर्फ बयानबाजी कर रही है। गाड़ियों और पराली के प्रदूषण को कैसे रोकेंगे यह किसी को नहीं पता। जब पटाखे नहीं आए थे, तब क्या दिवाली नहीं मनाई जाती थी? चार इंजन की सरकार को प्रदूषण रोकने पर ध्यान देना चाहिए। **–गोपाल राय**, आप नेता

गहरी हैं भारत-अफगानिस्तान संबंधों की जड़ें

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोलवी अमीर खान मुत्तकी की भारत यात्रा ने पुरानी दोस्ती में नई जान फूंक दी है। मुत्तकी राजधानी दिल्ली आए थे, जहां उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से विस्तृत चर्चा की। यह 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान के किसी वरिष्ठ नेता की पहली भारत यात्रा है। इस मुलाकात में भारत ने काबुल में अपने पूर्ण दूतावास को फिर से सक्रिय करने की घोषणा की, जो चार वर्षों के अंतराल के बाद एक बड़ा कूटनीतिक कदम है। मुत्तकी की यात्रा से एक उम्मीद बंधी है। विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को 'साझा खतरा' बताया, जबकि तालिबान ने 2025 के पहलगाम हमले की निंदा की।

भारत-अफगानिस्तान संबंध शताब्दियों की परीक्षा से गुजरे हैं। प्राचीन बौद्ध विरासत से आधुनिक बुनियादी ढांचे तक, ये बंधन लचीले साबित हुए। मुत्तकी की यात्रा मानवतावादी सहायता को कूटनीतिक संवाद में बदलने का अवसर है। जैसे अशोक के शिलालेख आज भी बोलते हैं। दोनों देशों को आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विकास जैसे साझा मुद्दों पर एकजुट होना होगा। यह न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए जरूरी है, बल्कि साझा इतिहास की मांग भी है।

मुत्तकी की यह यात्रा केवल वर्तमान की राजनीति नहीं, बल्कि भारत-अफगानिस्तान के गहन ऐतिहासिक बंधनों की याद दिलाती है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आधुनिक विकास परियोजनाओं तक, ये संबंध सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक धागों से बुने गए हैं। भारत और अफगानिस्तान के संबंध प्राचीन काल से ही गहरे हैं, जब ये क्षेत्र एक सांस्कृतिक निरंतरता का हिस्सा थे। सिंधु घाटी सभ्यता (लगभग 3300-1300 ईसा पूर्व) के अवशेष अफगानिस्तान के उत्तरी भागों में भी मिलते हैं, जो व्यापारिक मार्गों के माध्यम से जुड़े हुए थे।

चंद्रगुप्त मौर्य के समय (305 ईसा पूर्व) यह संबंध औपचारिक रूप ले चुके थे। सेल्यूकस निकेटर ने अफगान क्षेत्र मौर्य साम्राज्य को सौंप दिया, बदले में 500 हाथी और वैवाहिक संबंध प्राप्त किए। सम्राट अशोक (268-232 ईसा पूर्व) ने अफगानिस्तान को बौद्ध धर्म का केंद्र बनाया। कंधार में उनके शिलालेख आज भी मौजूद हैं, जो धम्म के प्रचार की गवाही देते हैं। मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद भी, इंडो-ग्रीक और कुशान साम्राज्यों ने इस क्षेत्र को भारतीय उपमहाद्वीप से जोड़े रखा। कुषाण शासक कनिष्क (मध्य पहली शताब्दी) ने बौद्ध धर्म को पुनर्जीवित किया, जिसका प्रभाव गंधार कला में दिखता है।

ये प्राचीन संबंध केवल राजनीतिक नहीं, सांस्कृतिक थे। व्यापार मार्गों ने मसाले, रत्न और विचारों का आदान-प्रदान सुनिश्चित किया, जो आज भी दोनों देशों की साझा विरासत को दर्शाता है। मध्यकाल में अफगानिस्तान भारत के लिए अवसर और चुनौती दोनों रहा। 10वीं शताब्दी से गजनवी, गौरी, खिलजी, लोदी और मुगल जैसे अफगान मूल के वंशों ने उत्तरी भारत पर आक्रमण किए, जो राजनीतिक उथल-पुथल लाए, लेकिन सांस्कृतिक समन्वय भी। महमूद गजनवी (998-1030) के आक्रमणों ने सोमनाथ मंदिर को लूटा, लेकिन उन्होंने फारसी साहित्य और वास्तुकला को भारत में रोपा। गौरी वंश (12वीं शताब्दी) ने दिल्ली सल्तनत की नींव रखी, जो अफगान शासकों द्वारा संचालित थी।

मुगल काल (1526-1858) में यह संबंध और गहरा हुआ। बाबर, अफगान मूल का था। 18वीं शताब्दी में अहमद शाह दुर्रानी ने अफगान साम्राज्य स्थापित किया, जिसने पंजाब तक विस्तार किया, लेकिन महाराजा रणजीत सिंह के सिख साम्राज्य ने इसे रोका। इस काल में आर्थिक लेन-देन फला-फूला। अफगानिस्तान के सूखे मेवे, घोड़े और ऊनी वस्त्र भारत पहुंचे, जबकि भारतीय वस्त्र और मसाले अफगान बाजारों में बिके। सांस्कृतिक रूप से, सूफी संतों जैसे ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (अजमेर) ने दोनों क्षेत्रों को जोड़ा, हालांकि आक्रमणों ने तनाव पैदा किया, लेकिन ये संबंध विनाशकारी नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी साबित हुए।

19वीं शताब्दी में ब्रिटिश उपनिवेशवाद ने इन संबंधों को नया मोड़ दिया। अफगानिस्तान और ब्रिटिश भारत पड़ोसी थे, लेकिन 'ग्रेट गेम' में रूस के साथ ब्रिटेन की होड़ ने अफगानिस्तान को बफर राज्य बना दिया। भारत ने अफगानिस्तान के साथ 1950 में 'मैत्री संधि' पर हस्ताक्षर किए, जो शांति और राजनयिक संबंधों की गारंटी थी। 1973 में मोहम्मद दाऊद खान के गणतंत्र को मान्यता दी गई, लेकिन 1979 के सोवियत आक्रमण ने संबंधों को जटिल कर दिया। भारत ने सोवियत-समर्थित सरकार को मान्यता दी। मुजाहिदीन को पाकिस्तान का समर्थन था, जिससे भारत-पाक तनाव बढ़ा। 1989 में सोवियत वापसी के बाद नागरिक युद्धों में भारत ने नजीबुल्लाह सरकार का साथ दिया।

दोनों देशों के 1996-2001 में तालिबान शासन के दौरान संबंध बेहद खराब हो गए। बेशक,1999 के इंडियन एयरलाइंस अपहरण कांड ने तनाव बढ़ाया। तालिबान द्वारा बामियान बुद्धों का विध्वंस भारत में आक्रोश का कारण बना। 2001 के अमेरिकी आक्रमण के बाद संबंध पुनर्जीवित हुए। भारत ने तीन अरब डॉलर से अधिक की अफगानिस्तान की सहायता दी।

> भारत–अफगानिस्तान के संबंध प्राचीन काल से ही गहरे हैं, जब ये क्षेत्र एक सांस्कृतिक निरंतरता का हिस्सा थे।

सोशल फोरम

सिले हुए धागे जैसा लंबा फैला हुआ शहर

यानजिन, चीन का एक ऐसा शहर जिसे पृथ्वी पर सबसे पतला शहर कहा जा सकता है। दो खड़ी पहाड़ी दीवारों के बीच कसकर बसा और नानक्सी नदी को गले लगाता हुआ खूबसूरती से भरा शहर।

यानजिन एक शहर से ज्यादा एक रिबन जैसा दिखता है। कुछ जगहों पर, यह मुश्किल से 30 मीटर चौड़ा है, फिर भी यह घाटी में सिले हुए धागे की तरह लंबा फैला हुआ है।

नॉलेज अड्डा
फेसबुक

यहां घर ऊंचे-ऊंचे बने हैं, सड़कें सिंगल लेन की हैं और जगह? यह एक विलासिता है, लेकिन यहां के लोग ऊर्ध्वाधर जीवन, लटके हुए रास्तों और स्मार्ट सिटी प्लानिंग के साथ इसे संभव बनाते हैं, जो हर चीज को कल्पनीय रूप से सबसे छोटे पदचिन्ह में फिट करता है।

यहां के लोग इस सीमित जगह में ऊर्ध्वाधर (vertical) रूप से इमारतें बनाकर और स्मार्ट सिटी प्लानिंग का उपयोग करके रहते हैं। यह अपनी अनोखी बनावट के कारण पर्यटकों और फोटोग्राफरों के लिए एक दिलचस्प जगह बन गया है। हर साल बड़ी संख्या में यहां लोग आते हैं।

ऊपर से देखने पर, यानजिन एक पोस्टकार्ड में सिमटे हुए शहर जैसा अवास्तविक लगता है। यह जिज्ञासु यात्रियों और उन फोटोग्राफरों के लिए एक छिपा हुआ रत्न बन गया है, जो ऐसी जगहों की तलाश में हैं, जो नियमों का पालन नहीं करतीं।

एक सच्ची याद दिलाता है- आपको एक पूरा जीवन बनाने के लिए बहुत कुछ नहीं चाहिए।

सामयिकी

नारी का तिरस्कार करती वोट की राजनीति

2023 में पारित हुए महिला आरक्षण बिल को भले ही नारी शक्ति वंदन अधिनियम नाम दिया गया हो, पर सच ये है कि सियासत में नारी की शक्ति का सम्मान नहीं, इस्तेमाल दिखाई देता है। अपमान, शोषण, तिरस्कार और नारी को कमजोर और प्रलोभन में आने वाला समझने की भूल कर रहे हैं राजनीतिक दल। भले ही देशभर की ज्यादातर परीक्षाओं में लड़कियां बाजी मारती रही हैं, लेकिन राजनीतिक दलों के पैमाने में महिलाएं सिर्फ एक वोट बैंक हैं, जो रेवड़ियों के प्रलोभन में चुनावी बेड़ा पार लगा सकती हैं।

सीमा चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

पिछले कुछ वर्षों से भारतीय राजनीति में महिला सशक्तिकरण के नाम पर चुनाव से पहले महिलाओं को रेवड़ियों की तरह कैश बांटने की घोषणा होती है। अब तो ये आलम है कि चुनावी तारीखें की घोषणा यानी आचार संहिता से महीने-दो महीने पहले महिलाओं को रकम बांट दी जाती है। जैसा कि हालिया बिहार चुनाव की घोषणा से पहले नीतीश सरकार ने महिलाओं के खाते में दस-दस हजार रुपये डाल दिए। बिहार सरकार इस मद में पांच हजार करोड़ का खर्च महिलाओं को स्वरोजगार देने के लिए कर रही है, या चुनाव से महीना-दो महीना पहले दी गई ये राशि महिलाओं का वोट हासिल करने का चारा है? इस सवाल का जवाब कई सवालों के जवाबों से मिलेगा। प्रश्न कई हैं। चुनाव के पहले ही महिला सशक्तिकरण की याद क्यों आती है। बेरोजगार युवकों की भरमार में युवकों के स्वरोजगार की फिक्र क्यों नहीं?

क्या महिला स्वरोजगार सृजित करने का कोई मानक निर्धारित होता है। विभिन्न सूबों में इस तरह की चुनावी योजनाओं में धन वितरण के बाद क्या इस बात की समीक्षा रिपोर्ट पेश की गई कि महिलाएं स्वरोजगार इत्यादि में कितना आगे बढ़ीं! देश और प्रदेशों पर दिनों-दिन कर्जा और रेवड़ियों की तरह कैश बंटने का रिवाज साथ-साथ बढ़ता जा रहा है। दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र गुजरात, बिहार इत्यादि राज्यों में महिलाओं के सशक्तिकरण के नाम पर महिला वोट बैंक का लाभ लेने के लिए खूब सच्ची-झूठी घोषणाएं होती रहीं। चुनावी प्रलोभन में हजारों करोड़ का कैश बांटने का रिवाज थमने का नाम नहीं ले रहा है। न इसमें चुनाव आयोग आपत्ति कर रहा है और न ही इस चुनावी रिवाज पर कोई दमदार तरीके से न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहा है।

बड़ा सवाल ये है कि पुरुष प्रधानता में अव्वल राजनीतिक दल महिलाओं को पुरुषों की अपेक्षा अधिक प्रलोभन का शिकार बनाना चाहते हैं। क्या ये समझते हैं कि महिलाएं प्रलोभन में आसानी से आ जाती हैं! शिक्षा से लेकर योग्यता और प्रतिभा के पैमानों में पुरुषों से चार कदम आगे चलने वाली महिलाओं को क्या वोट की ताकत का अंदाजा नहीं, जो वे रेवड़ियों के प्रलोभन से प्रभावित हो जाएंगी! चुनावों से पहले महिलाओं के खाते में चंद हजार रुपये डाल देने से क्या वाकई नारी सशक्तिकरण हो जाएगा?

पुरुष प्रधान सियासतदानों ने महिलाओं को मजाक समझ लिया है। सत्ता बनाने में पुरुष और महिलाओं की वोटिंग का योगदान फिफ्टी-फिफ्टी है, लेकिन सियासत में हिस्सेदारी पंद्रह फीसदी भी नहीं। आजादी के सात दशक बाद 33% महिला सीटें आरक्षित करने वाला विधेयक पास भी हुआ, तब भी जनगणना/परिसीमन इत्यादि के तकनीकी कारणों से इसे लागू होने में अरसा लग जाएगा। पंचायती राज संस्थाओं (ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद) में महिलाओं के लिए पहले से ही 33% सीटें आरक्षित हैं, पर किस तरह पुरुष अपनी पत्नी या मां इत्यादि को डमी की तरह इस्तेमाल कर पूरी राजनीति और पदों पर अप्रत्यक्ष रूप से काबिज रहते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

प्रॉम्प्ट इंजीनियर से बनाएं एआई में भविष्य

यह सच है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते उपयोग के साथ बहुत से लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या एआई उनकी नौकरियों को खतरे में डाल सकता है। यह एक सामान्य चिंता है, लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है। दरअसल, एआई टूल्स, जैसे चैटजीपीटी, टास्क ऑटोमेशन, डेटा प्रोसेसिंग और अन्य एआई-संचालित टूल्स की मदद से काम करना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि एआई इंसानों की जगह ले सकता है, बल्कि यह कह सकते हैं कि एआई इंसानों के काम करने के तरीके को और भी स्मार्ट व प्रभावी बना रहा है। एआई टूल्स को भी कुछ दिशा-निर्देश देने होते हैं। इन दिशा-निर्देशों को प्रॉम्पट कहा जाता है और अच्छा प्रॉम्प्ट लिखकर एआई से आसानी से काम करवाया जा सकता है। इसलिए अच्छा प्रॉम्प्ट लिखने के लिए प्रॉम्प्ट इंजीनियर की जरूरत पड़ती है और आज मार्केट में प्रॉम्प्ट इंजीनियर की मांग तेजी से बढ़ रही है। आइए आपको बताते हैं क्या है प्रॉम्प्ट इंजीनियर और इसमें अपना करियर कैसे बना सकते हैं। *-फीचर डेस्क*

क्या है प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग

- प्रॉम्प्ट इंजीनियर का मतलब है एआई को ऐसे निर्देश देना कि वह हमारी जरूरत के हिसाब से सही और उपयोगी कंटेंट दे सके। उदाहरण के लिए अगर आप चैट जीपीटी से ब्लॉग पोस्ट या मार्केटिंग कंटेंट बनवाना चाहते हैं, तो सही प्रॉम्प्ट देने से ही एआई आपकी स्टाइल और टोन में काम को तैयार करेगा। इस कोर्स में आप सीखते हैं कि कैसे एआई को निर्देश दें, कैसे डेटा को सही तरीके से इनपुट करके और मनमुताबिक रिजल्ट पाएं। साथ ही इसमें एआई की सीमाओं और एथिकल यूज के बारे में भी सिखाया जाता है, ताकि आप जिम्मेदारी से एआई का इस्तेमाल कर सकें।

कोर्स करने के फायदे

- प्रोफेशनल स्किल्स में सुधार : प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग सीखकर आप न केवल एआई टूल्स का सही उपयोग करना सीखेंगे, बल्कि आपको डेटा को सही तरीके से इनपुट करने और एआई के द्वारा दिए गए परिणामों को अपनी आवश्यकता के अनुसार प्रयोग करने कर सकते हैं।

करियर के नए अवसर

- एआई क्षेत्र में करियर बनाने का यह एक बेहतरीन मौका है। प्रॉम्प्ट इंजीनियर बनने से आप न केवल नए तकनीकी क्षेत्रों में खुद को स्थापित कर सकते हैं, बल्कि बढ़ते हुए एआई उद्योग का हिस्सा भी बन सकते हैं।

सही प्रॉम्प्ट का प्रभाव

यदि आप चैटजीपीटी से ब्लॉग पोस्ट, मार्केटिंग कंटेंट या कोडिंग के लिए मदद लेना चाहते हैं, तो सही तरीके से प्रॉम्प्ट देना जरूरी होता है। बिना सही प्रॉम्प्ट के एआई से अपेक्षित रिजल्ट नहीं मिल पाता। यह जैसे एक निर्देश देने का सही तरीका है।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग का महत्व

एआई की सीमाएं और एथिकल यूज

- सही प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग सीखने से आप यह भी समझ सकते हैं कि एआई का सही और नैतिक तरीके से इस्तेमाल कैसे किया जाए। एआई से गलत या असंवेदनशील जानकारी प्राप्त करने से बचने के लिए इस क्षेत्र में एथिकल गाइडलाइंस पर भी ध्यान दिया जाता है।

कैसे करें प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग कोर्स

- अब इस क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त करने के लिए कई प्लेटफॉर्म्स उपलब्ध हैं। कोर्सेरा, उडेमी और लिंक्डइन लर्निंग : ये प्लेटफॉर्म्स शुरुआत से लेकर एडवांस्ड स्तर तक के कोर्सेस ऑफर करते हैं और आपको सर्टिफिकेट भी प्रदान करते हैं।

आईआईटी शॉर्ट टर्म कोर्सेज

- कुछ प्रतिष्ठित संस्थान जैसे आईआईटी पटना एआई और एमएल से जुड़े कोर्सेज भी पेश करते हैं। आईआईटी का 6 महीने का एआई एमएल कोर्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। संस्थान जैसे आईआईटी पटना एआई सकता है।

करियर में संभावनाएं

ग्रेट लर्निंग, अपग्रेड और स्किल शेयर

ये प्लेटफॉर्म्स भारत में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में कोर्सेस प्रदान करते हैं, जिनसे आप अपने समय के अनुसार ऑनलाइन अध्ययन कर सकते हैं।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग से करियर में संभावनाएं

एआई के बढ़ते उपयोग को देखते हुए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं नजर आ रही है।

कंटेंट क्रिएटर्स

जो एआई टूल्स का उपयोग करके कंटेंट बनाने में मदद ले सकते हैं।

प्रोग्रामर्स और डेवेलपर्स

एआई सिस्टम्स के लिए प्रभावी प्रॉम्प्ट डिजाइन कर सकते हैं।

बिजनेस एनालिस्ट्स

डेटा एनालिसिस और रिपोर्ट बनाने के लिए एआई टूल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सही स्ट्रैटजी है नेट में सफलता का मूल मंत्र

यूजीसी नेट डिग्री कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर एवं जूनियर रिसर्च फैलो के लिए होने वाली परीक्षा है। हर साल लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं। अच्छी और सही स्ट्रैटजी से तैयारी करने वाले कैंडिडेट्स ही इस परीक्षा में सफल होते हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की वेबसाइट पर 7 नवंबर 2025 तक अभ्यर्थी फॉर्म को भरा सकते हैं। हाल ही इसकी परीक्षा तिथि भी आ गई है, जो कि दिसंबर-जनवरी में ऑनलाइन परीक्षा होगी। आज हम आपको इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही स्ट्रैट्जी और टिप्स के विषय में बताएंगे, जिसे अपनाकर आप इस परीक्षा में सफलता हासिल कर सकते हैं।

परीक्षा पैटर्न और सिलेबस को समझें

- **परीक्षा पैटर्न :** यूजीसी नेट में दो पेपर होते हैं।
- **पेपर 1 :** यह सभी उम्मीदवारों के लिए सामान्य होता है और इसमें शिक्षण, शोध योग्यता, तर्क क्षमता, डेटा इंटरप्रिटेशन और सामान्य जागरूकता के प्रश्न होते हैं।
- **पेपर 2 :** यह आपके चुने हुए विषय पर आधारित होता है।
- **सिलेबस :** अपने विषय के अनुसार, एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट से विस्तृत सिलेबस डाउनलोड कर और प्रत्येक यूनिट को ध्यान से समझें।

टाइम टेबल बनाएं

- **यथार्थवादी लक्ष्य :** अपने सिलेबस को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें और दिन, सप्ताह और महीने के लिए लक्ष्य निर्धारित करें।
- **समय का आवंटन :** पेपर 1 और पेपर 2 दोनों को समान महत्व दें। पेपर 1 की तैयारी रोजाना करें, क्योंकि यह स्कोर बढ़ाने में मदद करता है।

सही अध्ययन सामग्री चुनें

- **मानक पुस्तकें :** अपने विषय के लिए मानक पाठ्यपुस्तकों का चयन करें, जो सिलेबस को अच्छी तरह से कवर करती हों।
- **ऑनलाइन संसाधन :** ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, वीडियो लेक्चर और स्टडी मटेरियल का उपयोग करें।
- **सही चयन :** ऑनलाइन समीक्षाएं पढ़ें या टॉपर से सलाह लें कि कौन-सी सामग्री सबसे अच्छी है।

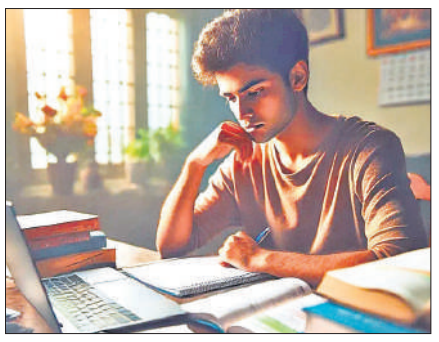

नोट्स बनाएं

- **संक्षिप्त नोट्स :** यूनिट वाइज नोट्स बनाने से आपको कॉन्सेप्ट को बेहतर ढंग से समझने और अंतिम समय में रिवीजन करने में मदद मिलेगी।
- **महत्वपूर्ण बातें :** नोट्स में महत्वपूर्ण तथ्य और परिभाषाएं शामिल करें।

अभ्यास पर ध्यान दें

- **मॉक टेस्ट :** नियमित रूप से मॉक टेस्ट दें। इससे आपको परीक्षा के माहौल का अनुभव होगा और टाइम मैनेजमेंट में सुधार होगा।
- **पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र :** पिछले वर्षों के प्रश्न पत्र हल करने से आपको प्रश्नों के पैटर्न और महत्वपूर्ण विषयों को समझने में मदद मिलेगी।
- **रिवीजन और विश्लेषण :** डेली रिवीजन : जो भी पढ़ा है, उसका नियमित रूप से रिवीजन करें। इससे सीखी गई बातों को याद रखने में मदद मिलती है।
- **कमजोर क्षेत्रों की पहचान :** मॉक टेस्ट और अभ्यास सत्रों के बाद अपनी गलतियों का विश्लेषण करें और कमजोर क्षेत्रों पर अधिक ध्यान दें।

अपडेट रहें और तनाव से बचें

- **करंट अफेयर्स :** पेपर 1 के लिए, उच्च शिक्षा नीति और हाल के घटनाक्रमों पर अपडेट रहें।
- **स्वस्थ रहें :** नियमित ब्रेक लें, अच्छी नींद लें और शांत रहें। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा होने से आपकी उत्पादकता बनी रहती है।

जॉब अलर्ट

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक

- पद का नाम : ग्रामीण डाक सेवक (कार्यकारी)
- पदों की संख्या : 348
- योग्यता : कोई भी स्नातक
- आयु सीमा : 20 से 35 वर्ष
- अंतिम तिथि : 29-10-2025
- वेबसाइट : ippbonline.com

साउथ इंडियन बैंक

- पद का नाम -जूनियर ऑफिसर
- योग्यता - स्नातक
- अंतिम तिथि - 22/10/2025
- वेबसाइट southindianbank.bank.in

प्रसार भारती

- पद का नाम : ब्रॉडकास्ट एग्जीक्यूटिव, कॉपी राइटर और अन्य
- पदों की संख्या : 59
- योग्यता : कोई भी स्नातक, बी.एससी., 12वीं, पीजी डिप्लोमा
- आयु सीमा : 30 से 40 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि : 21-10-2025
- वेबसाइट : prasarbharati.gov.in

भारतीय सेना

- पद का नाम : 143वां तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम
- पदों की संख्या : 30
- योग्यता : बी.टेक/बी.ई., एम.एससी
- आयु सीमा : 20 से 27 वर्ष
- वेबसाइट : joinindianarmy.nic.in

रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी)

- पद का नाम : एनटीपीसी (स्टेशन मास्टर, क्लर्क और अन्य)
- पदों की संख्या : 8,850 (एनटीपीसी स्नातक - 5000
- एनटीपीसी स्नातक - 3050)'
- योग्यता : स्नातक, स्नातक (12वीं पास)
- ऑनलाइन आवेदन की आरंभ तिथि : 28 अक्टूबर
- आवेदन की अंतिम तिथि : 20 नवंबर 2025
- वेबसाइट : rrbcdg.gov.in

कुछ यादें-कुछ बातें

यूनिवर्सिटी में मेरा पहला दिन

लखनऊ विश्वविद्यालय में पहले दिन को मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी। उस दिन से मेरे जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। बचपन से ही मैं हमेशा कल्पना करती थी कि विश्वविद्यालय का जीवन कैसा होगा? लेकिन मुझे यकीन नहीं था कि वास्तविकता मेरी कल्पना से कितनी अलग होगी। एक नए शहर में एक बिल्कुल अपरिचित वातावरण में अपनी शिक्षा शुरू करने से मैं बहुत उत्साहित तो थी, लेकिन थोड़ी घबराई हुई भी थी। शुरू में मैं परिसर के आकार ऐतिहासिक इमारतों और छात्रों से भरे जीवंत माहौल को देखकर हैरान थी। हालांकि इतने बड़े बदलाव के बीच होने से मेरी धड़कनें तेज हो गईं। क्या मैं समायोजित हो पाऊंगी? और क्या मुझे अपनी कक्षाओं में कठिनाई होगी? जैसे सवाल मेरे मन में घूमते रहे, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, मुझे एहसास हुआ कि मेरी चिंताएं बेवजह थीं। लखनऊ विश्वविद्यालय ने मुझे न केवल शिक्षा दी, इसने मुझे आत्मविश्वास, दोस्ती और आज़ादी का एहसास भी दिया। यहां छात्र होने की सबसे अच्छी बातों में से एक आजादी का एहसास है। यहां कोई अनिवार्य यूनिफॉर्म नहीं है और इससे मुझे खुद को और सहजता से अभिव्यक्त करने का मौका मिला। शिक्षा जारी रखने में हमारी मदद के लिए जो भी सहयोग मिला, उसने हमें और मजबूत किया। यहां छात्र होने का मतलब सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना ही नहीं है, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्ति बनना भी है। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मैंने नए दोस्त बनाने शुरू किए, जो लोग पहले दिन अजनबी लगते थे, वे जल्द ही मेरे सबसे करीबी साथी बन गए। मेरे दोस्तों की दयालुता और हमारे साथ बिताए अच्छे पलों ने इस सफर को और भी सुखद बना दिया। इसके साथ ही मेरे शिक्षकों का सहयोग भी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। उनकी मुस्कान और मार्गदर्शन मुझे मेरे परिवार की याद दिलाते थे और जब भी मुझे घर की याद आती थी, मुझे सुकून देते थे। इस गर्मजोशी और दोस्ताना माहौल ने विश्वविद्यालय को न केवल अध्ययन का स्थान, बल्कि दूसरा घर बना दिया। लखनऊ विश्वविद्यालय मुझे सपनों से परे एक जीवन प्रदान करता है। यहां मुझे जो शिक्षा मिलती है, जो दोस्ती मैं बनाती हूं और जो आजादी मैं अनुभव करती हूं, वह मेरे जीवन में हमेशा एक खास जगह रखेगी। पहले दिन जो घबराहट मुझे हुई थी, वह अब आत्मविश्वास और खुशी में बदल गई है। मैं उन सभी का तहे दिल से शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया। मेरा मानना है कि मेरा विश्वविद्यालय जीवन मुझे शक्ति दे रहा है और मुझे भविष्य में और भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार कर रहा है।

अयनाबत हनमेनलियेवा
तुर्किए की छात्रा

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,605 .43	25,323 .55
बढ़त	575 .45	178 .05
प्रतिशत में	0.70	0.71

सोना 1,31,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,82,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 16 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1830, फॉर्चून कि . 2245, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1920, उजाला 1920, गृहणी 13किग्रा 1920, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2150, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2505

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8600, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4480, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4480

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4800, मसूरी- 2400, बासमती- 9300, परमल- 3100

दाल दलहन : काला चना- 7500, साबुत चना दाल- 6400, मूंग साबुत- 8200, राजमा- 11800-14200, दाल उड़द- 8900, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 6000, उड़द साबुत- 8100, काबुली चना- 10100, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 8000

नीतिगत दर में अभी और कटौती की गुंजाइश

मौद्रिक नीति समिति की हुई बैठक में आरबीआई के गवर्नर मल्होत्रा ने दिए संकेत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में गवर्नर संजय मल्होत्रा ने ब्याज दरों में अभी और कटौती की गुंजाइश बताते हुए संकेत दिया कि वांछित प्रभाव के लिए इसे उचित समय पर किया जाएगा। आरबीआई ने 1 अक्टूबर को संपन्न हुई एमपीसी बैठक का ब्योरा बुधवार को जारी किया।

बैठक में गवर्नर ने एमपीसी के पांच अन्य सदस्यों के साथ मिलकर रेपो दर को 5.50% पर स्थिर रखने के पक्ष में मतदान किया था। इस बैठक में मल्होत्रा ने कहा था कि पूर्वानुमानों में संशोधन के परिणामस्वरूप सकल और प्रमुख मुद्रा स्फीति के लिए अनुकूल दृष्टिकोण वृद्धि को और समर्थन देने के लिए नीतिगत गुंजाइश खोलता है। हालांकि, नीतिगत दर में अभी और कटौती की गुंजाइश है, लेकिन मुझे लगता है कि यह इसके लिए उपयुक्त समय नहीं है, क्योंकि इसका वांछित प्रभाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इसलिए, मैं रेपो दर को 5.50% पर अपरिवर्तित रखने के पक्ष में मतदान करता हूं। बहरहाल, नीति का उद्देश्य वृद्धि को बढ़ाने वाली परिस्थितियों को सुगम बनाना जारी रखना है।

बैठक में एमपीसी सदस्य और आरबीआई की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि वृद्धि एवं मुद्रास्फीति के मेल ने नीतिगत दरों को और कम करने की गुंजाइश पैदा की है। मौद्रिक नीति तय करने वाली एमपीसी की अगली बैठक 3 से 5 दिसंबर के बीच प्रस्तावित है। रिजर्व बैंक ने फरवरी से लेकर जून के बीच हुई तीन एमपीसी बैठकों में रेपो दर में कुल मिलाकर 1% की कटौती की थी। उसके बाद अगस्त और अक्टूबर में हुई बैठकों में इसे 5.50 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है।

केंद्रीकरण से उत्पन्न जोखिम पर ध्यान देने की जरूरत: स्वामीनाथन

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे . ने कहा है कि आंकड़ों पर अत्यधिक निर्भरता और कुछ ही मंचों तक सेवाओं के केंद्रीकरण से उत्पन्न डिजिटल जोखिमों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो ये वित्तीय प्रणाली को प्रभावित कर सकते हैं। स्वामीनाथन ने कहा कि डिजिटल नवोन्मेष भुगतान से आगे बढ़कर समावेश को बढ़ा रहा है। छोटी राशि के बीमा और पेंशन उत्पाद तेजी से डिजिटल मंच के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे कम आय वाले परिवारों को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने में मदद मिल रही है। उन्होंने 6 अक्टूबर को डिजिटल नवाचार के माध्यम से वित्तीय समावेश को आगे बढ़ाना विषय पर हुए कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सीमा पार यूपीआई लिंक धन प्रेषण को तेज, सस्ता और अधिक निर्बाध बना रहे हैं, जिससे औपचारिक चैनल में विश्वास मजबूत हो रहा है। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि रिजर्व बैंक में, हम एक ऐसा माहौल बनाना चाहते हैं जहां नवोन्मेष जिम्मेदारी से आगे बढ़ सके। नियामक सैंडबॉक्स, नवोन्मेष केंद्र और डिजिटल वित्तीय सेवाओं के लिए सक्षम ढांचे जैसे उपायों के जरिये, आरबीआई सुरक्षित, टिकाऊ और ग्राहक-केंद्रित नए समाधानों के विकास को प्रोत्साहित करता है। साथ ही, हम संचालन, जोखिम प्रबंधन और ग्राहक सुरक्षा पर भी जोर देते हैं, ताकि तकनीकी प्रगति हमेशा वित्तीय प्रणाली में मजबूती और विश्वास के साथ मेल खाए।

महंगाई में नरमी से वृद्धि को गति देने को नीतिगत दर में हो सकती कटौती: क्रिसिल इंटेलिजेंस

कोलकाता। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर अनुकूल स्थिति के साथ मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) वृद्धि को समर्थन देने के लिए नीतिगत दर में कटौती कर सकती है। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने अक्टूबर, 2025 के लिए अपनी रिपोर्ट में यह कहा है। एमपीसी ने 1 अक्टूबर को अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के दौरान नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखा और तटस्थ नीतिगत रुख बनाए रखा। रिपोर्ट में कहा गया कि हमारा अनुमान है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति घटकर चालू वित्त वर्ष में 3 .2% हो जाएगी, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 4 .6% थी। मुद्रास्फीति के स्तर पर अनुकूल स्थिति एमपीसी को वृद्धि को समर्थन देने के लिए नीतिगत दरों में कटौती करने के लिए प्रेरित कर सकता है। रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था की राजकोषीय स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि सरकार ने चालू वित्त वर्ष में केंद्र के राजकोषीय घाटे को पिछले वित्त वर्ष के 4 .8% से घटाकर सकल घरेलू उत्पाद के 4 .4% तक लाने का लक्ष्य रखा है। सरकार की चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में बाजार से 6 .77 लाख करोड़ उधार लेने की योजना है, जबकि पहली छमाही में यह 8 लाख करोड़ रुपये थी। कुल मिलाकर, चालू वित्त वर्ष में सकल बाजार उधारी 5% बढ़कर 14 .7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि व पीएमएफएमई का फायदा उठाएं किसान : सीतारमण

कोप्पल (कर्नाटक), एजेंसी

- केंद्रीय मंत्रर ने कर्नाटक में 'किसान प्रशिक्षण एवं साझा सुविधा केंद्र' का किया उद्घाटन

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कृषि को लाभकारी व्यवसाय में बदलने के लिए बुधवार को किसानों से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को संगठित क्षेत्र में लाने की योजना पीएमएफएमई और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का पूरा लाभ उठाने की अपील की।

सीतारमण ने कर्नाटक के कोप्पल जिले में 'किसान प्रशिक्षण एवं साझा सुविधा केंद्र' का उद्घाटन करते हुए कहा कि नई पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार ग्रामीण और कृषि समुदायों के लिए भी फायदेमंद होंगे। इस केंद्र की स्थापना सीतारमण के 'सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि' (एमपीएलएडी) से की गई है। सीतारमण ने बताया कि पीएमएफएमई योजना कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्द्धन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। इसके तहत केंद्र सरकार वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करती है और उद्यमों को आधुनिक बनाने में मदद करती है।

उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित कर गांवों में रोजगार सृजन पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष, 2020 से अब तक केंद्र ने राज्यों को 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की है। किसानों के लिए 11,000 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। एक लाख से अधिक कृषि उद्यमी सामने आए हैं।

वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना के तहत 24,000 करोड़ का बजटीय प्रावधान है। कोप्पल इस योजना से लाभान्वित होने वाले जिलों में से एक है।

भारत ने रूस से 2.5 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीआरईए के अनुसार रूसी ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा भारत

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता भारत ने सितंबर में रूस से कच्चा तेल खरीदने में 2.5 अरब यूरो खर्च किए, जो अगस्त की तुलना में 14% कम है। यह जानकारी एक यूरोपीय शोध संस्थान ने दी।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत सितंबर में रूसी ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा। उससे अधिक 5.5 अरब यूरो की खरीद चीन ने की। भारत की रूस से कुल खरीद में कच्चा तेल 77% (2.5 अरब यूरो), कोयला 13% (45.2 करोड़ यूरो) और तेल उत्पाद 10% (34.4 करोड़ यूरो) रहा। सीआरईए ने कहा कि पिछले महीने भारत की रूस से कच्चे तेल की आयात मात्रा 16 लाख बैरल प्रतिदिन थी, जो मासिक आधार पर नौ प्रतिशत कम है। यह इस साल फरवरी के बाद का सबसे निचला स्तर भी रहा। सितंबर में आई इस गिरावट का मुख्य कारण यह है कि सार्वजनिक स्वामित्व वाली तेल रिफाइनरियों ने रूस से आयात करीब 38 प्रतिशत कम कर दिया। यह मई, 2022 के बाद का सबसे कम आयात है। सीआरईए ने कहा कि भारत ने रूस से आयातित तेल का कुछ हिस्सा पेट्रोल और डीजल में बदलकर यूरोप और अन्य जी-सात देशों को निर्यात किया। फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों के प्रतिबंध लगाने और यूरोप में मांग में कमी के चलते रूस ने अपने कच्चे तेल को भारी छूट पर उपलब्ध कराना शुरू कर दिया था। भारत ने इसका लाभ उठाते हुए रूस से सस्ते तेल का आयात बढ़ाया था। सितंबर में रूस के यूराल्स क्रूड पर ब्रेंट की तुलना में औसतन 5.13 डॉलर प्रति बैरल की भारी छूट रही, जो अगस्त की तुलना में 39% अधिक थी।

निर्यात 6.74% बढ़कर 36.38 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- आयात 16.6% बढ़ने से व्यापार घाटा बढ़कर 32.15 अरब डॉलर हुआ
- सोना, चांदी व उर्वरक के आयात में वृद्धि से सितंबर में बढ़कर 68.53 अरब डॉलर पहुंचा

देश का वस्तु निर्यात सितंबर में 6.74 प्रतिशत बढ़कर 36.38 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 16.6 प्रतिशत बढ़ा जिससे व्यापार घाटा बढ़कर 32.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह व्यापार घाटे का एक साल का सबसे ऊंचा स्तर है।

बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सोना, उर्वरक और चांदी के आयात में वृद्धि से देश का आयात सितंबर में बढ़कर 68.53 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 58.74 अरब डॉलर था। संचयी रूप से अप्रैल-सितंबर में निर्यात 3.02 प्रतिशत बढ़कर 220.12 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 4.53 प्रतिशत बढ़कर 375.11 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान कुल व्यापार घाटा बढ़कर 154.99 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद भारत का माल एवं सेवा निर्यात अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। निर्यात में वृद्धि के कारण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि घरेलू उद्योग मजबूत रहा है।

अमेरिकी शुल्क का विश्लेषण जारी

राजेश अग्रवाल ने कहा कि वे अपनी आपूर्ति शृंखला और व्यापारिक संबंध बनाए हुए हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क के प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा कि मंत्रालय अलग-अलग सामान के हिसाब से आंकड़ों का विश्लेषण कर रहा है। उन्होंने कहा कि अभी भी अमेरिका को होने वाला भारत का 45 प्रतिशत निर्यात उच्च शुल्क के दायरे से बाहर है।

राष्ट्रीय

मुझे सर नहीं कहें, मैं आपका भाई हूं : मोदी

बिहार विस चुनाव को लेकर नमो एप के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री ने किया ऑनलाइन संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी ने महिलाओं से मतदान कर लोकतंत्र के त्योहार को मनाने का किया आग्रह

हर बूथ कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बूथ कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में मोदी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकारी योजनाओं के बारे में मतदाताओं को उनकी ओर से गारंटी देने को कहा। उन्होंने कहा कि बिहार के बूथ कार्यकर्ताओं को अपने क्षेत्रों के परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के वीडियो भी दिखाने और साझा करने चाहिए।" मोदी ने दावा किया कि आज बिहार का युवा 'जंगल राज' के दौर में क्या हुआ था, उससे अनजान है जब राज्य में नक्सलवाद फैला हुआ था। उन्होंने ज़ोर दिया कि युवाओं को इसके बारे में बताया जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) शासन के संदर्भ में कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को बिहार भर में लगने वाली उन प्रदर्शनियों में युवाओं को ले जाना चाहिए, जिनमें 'जंगल राज' के दौरान हुए अत्याचारों को दिखाया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन लोगों को वापस सत्ता में आने का जोखिम नहीं ले सकते जो नक्सलवाद को फिर से सिर उठाने की अनुमति दे सकते हैं। यह बिहार के लोगों के वोटों की शक्ति है जिसने राज्य को राजद और कांग्रेस की बुरी नजरों से बचाया है।

करने, गाने गाकर और थाली बजाकर लोकतंत्र के इस त्योहार को मनाने का आग्रह किया। मोदी ने कहा कि इस बार, बिहार में दो दिवाली होने वाली है। सबसे पहले, लोगों ने जीएसटी के कारण नवरात्रि के पहले दिन दिवाली मनाई। अब, दिवाली 20 अक्टूबर को है, और हम उसे मनाने जा रहे हैं। लेकिन इस बार, बिहार 14 नवंबर को राजग की जीत का जश्न मनाने के मूड में है। इसमें बिहार की बहनें और बेटियां प्रमुख भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति मेरी सबसे बड़ी ताकत, ढाल और प्रेरणा है। उन्होंने बिहार की सभी बहनों और माताओं से अपील की कि वे समूह में वोट डालने जाएं और लोकतंत्र का त्योहार मनाएं। प्रधानमंत्री ने बिहार में भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं से 23 अक्टूबर को भाई दूज पर अपने बूथ की सभी बहनों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने और अपने-अपने क्षेत्रों की लखपति और ड्रोन दीदी को सम्मानित करने के लिए भी कहा। मोदी ने बिहार में कार्यकर्ताओं से केंद्र और बिहार की नीतीश कुमार सरकार द्वारा शुरू की योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर घर जाने को कहा और एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार - इससे बनेगी सुशासन की सरकार का नारा दिया। मोदी ने भोजपुरी में कार्यकर्ताओं का अभिवादन करने के बाद कहा कि जब हर बूथ मजबूत होता है, तभी पार्टी जीतती है।

गीतांजलि याचिका में संशोधन कर वांगचुक के हिरासत को देंगी चुनौती

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने इस बात का संज्ञान लिया कि सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो याचिका में संशोधन करना चाहती हैं, इसलिए वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 29 अक्टूबर तक स्थगित कर दी गई।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ ने जोधपुर जेल के जेलर के हलफनामे पर गौर किया कि वांगचुक के बड़े भाई और वकील ने बंदी से मुलाकात की थी। अंगमो के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अनुरोध किया कि वांगचुक को अपनी पत्नी से कुछ नोट्स के आदान-प्रदान की अनुमति दी जाए। शीर्ष अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के कथन पर गौर किया कि उन्हें बंदी द्वारा अपनी पत्नी के साथ नोट्स साझा करने से कोई समस्या नहीं है। शीर्ष अदालत ने छह अक्टूबर को केंद्र और लद्दाख को नोटिस जारी किए थे।

हिजाब विवाद के बाद स्कूल खुला, छात्रा रही अनुपस्थित

कोच्चि, एजेंसी

- केरल के शिक्षा मंत्री ने छात्रा के हिजाब पहनने के अधिकार को फिर दोहराया

कोच्चि के पल्लुरुति में चर्च द्वारा संचालित स्कूल छात्रा के हिजाब पहनने को लेकर विवाद के कारण दो दिन बंद रहने के बाद बुधवार को फिर से खुल गया। स्कूल के सूत्रों ने बताया कि आठवीं की छात्रा स्वास्थ्य कारणों से अनुपस्थित रही। उसके माता-पिता ने उस पर हिजाब पहनने का दबाव डाला था।

विवाद के मद्देनजर सेंट रीटा पब्लिक स्कूल के प्रबंधन ने सोमवार और मंगलवार को छुट्टी घोषित कर दी थी। बुधवार सुबह स्कूल में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया और मीडिया कर्मियों को परिसर में जाने की अनुमति नहीं दी गई। राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने छात्रा के हिजाब पहनने के अधिकार को दोहराया और कहा कि छात्रा हिजाब पहनकर कक्षाओं में तब तक उपस्थित हो सकती है जब तक कि वह और उसके माता-पिता कोई निर्णय नहीं लेते। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों के अधिकारों की गारंटी देश और राज्य में संविधान तथा शैक्षिक कानूनों द्वारा दी गई है। हालांकि, स्कूल के अभिभावक शिक्षक संघ (पीटीए) के अध्यक्ष जोशी ने कहा कि उन्हें इस संबंध में सरकार से कोई आदेश नहीं मिला है। यह स्पष्ट नहीं है कि मंत्री सरकार द्वारा संचालित स्कूलों का जिक्र कर रहे थे या केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के स्कूलों का।

50 लाख के इनामियों सहित 77 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर/सुकमा, (छत्तीसगढ़) एजेंसी

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शिविर में 32 महिलाओं समेत 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। वहीं सुकमा में भी कुल 50 लाख रुपये के 16 इनामी नक्सलियों समेत 27 ने आत्मसमर्पण कर दिया है।

यह घटनाक्रम महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सली नेता मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति और 60 अन्य कार्यकर्ताओं के हथियार डालने के बाद हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने 39 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया हैं। इन माओवादियों में पांच डिविजनल कमेटी सदस्य-- प्रसाद ताड़ामी, हीरालाल कोमरा, जुगनू कोवाची, नरसिंह नेताम और नंदे (राजमन मंडावी की पत्नी) हैं। इससे पहले आज दिन में, राज्य के सुकमा जिले में 27 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था, जिनमें से 16 पर कुल 50 लाख रुपये का इनाम है।

गढ़चिरौली में 61 ने डाले हथियार

गढ़चिरौली (महाराष्ट्र)। शीर्ष नक्सली वेणुगोपाल ने 60 नक्सलियों के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने हथियार डाल दिया। अधिकारी ने बताया कि भूपति पर 6 करोड़ का इनाम था। नक्सलियों ने आत्मसमर्पण के समय अपने 54 हथियार भी सौंपे, जिनमें सात एके-47 और नौ इंसास राइफल शामिल हैं। भूपति को प्रभावशाली रणनीतिकारों में से माना जाता है।

सरकार समय के साथ बदलाव के लिए तैयार नहीं

- उच्चतम न्यायालय में केंद्र ने दोषी को फांसी की बजाय घातक इंजेक्शन के इस्तेमाल का नहीं किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि मृत्युदंड की सजा पाए दोषियों को फांसी के बजाय सजा के तौर पर घातक इंजेक्शन लगाने का विकल्प देना 'बहुत व्यावहारिक' नहीं हो सकता। केंद्र की इस टिप्पणी के बाद न्यायालय ने कहा कि सरकार समय के साथ बदलाव के लिए तैयार नहीं है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें फांसी की सजा पाए दोषियों को फांसी देने के मौजूदा तरीके को कानून से हटाने का अनुरोध था। याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा ने कहा कि कम से कम एक दोषी को यह विकल्प दिया जाना चाहिए कि वह फांसी चाहता है या घातक इंजेक्शन।

मल्होत्रा ने कहा कि सबसे अच्छा तरीका घातक इंजेक्शन है, क्योंकि अमेरिका के 50 में से 49 राज्यों ने घातक इंजेक्शन को अपना लिया है। घातक इंजेक्शन लगाकर मौत की सजा देना त्वरित, मानवीय और सभ्य है, जबकि फांसी देना क्रूर और बर्बर है, क्योंकि इसमें शव 40 मिनट तक रस्सी पर लटका रहता है। न्यायमूर्ति मेहता ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील को सुझाव दिया कि वह मृत्युदंड की सजा पाए दोषी को विकल्प देने के संबंध में मल्होत्रा के प्रस्ताव पर सरकार को सलाह दें। केंद्र के वकील ने कहा कि इस बात पर ध्यान दिया गया कि यह विकल्प देना व्यावहारिक नहीं हो सकता है। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि समस्या यह है कि सरकार समय के साथ बदलाव के लिए तैयार नहीं है, समय के साथ चीजें बदल गई हैं। केंद्र के वकील ने दलील दी कि जवाबी हलफनामे में कहा गया है कि यह नीतिगत फैसला है और सरकार इस पर फैसला ले सकती है।

कैश-फॉर-वोट मामले में एसीबी का बिछाया जाल अवैध : रेड्डी

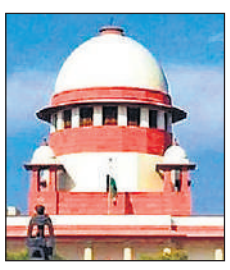

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि 2015 के कैश-फॉर-वोट मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा बिछाया गया जाल अवैध था, क्योंकि ऐसा बिना प्राथमिकी दर्ज किए किया गया था। कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी को 31 मई 2015 को एसीबी ने उस समय गिरफ्तार किया था, जब वे विधान परिषद चुनावों में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) उम्मीदवार वेम नरेन्द्र रेड्डी का समर्थन करने के लिए मनोनीत विधायक एल्विस स्टीफेंसन को कथित तौर पर 50 लाख रुपये की रिश्वत दे रहे थे। रेड्डी उस समय तेदेपा में थे। रेड्डी के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और विजय बिश्नोई की पीठ के समक्ष दलील दी कि रिश्वत देने वाले के रूप में उनका अभियोजन कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। प्राथमिकी दर्ज होने से पहले ही जाल बिछाया गया। यह जाल गैरकानूनी है क्योंकि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत प्राथमिकी दर्ज होने से पहले कोई भी जांच शुरू नहीं हो सकती। न तो कोई जनरल डायरी (जीडी) एंट्री थी और न कोई प्राथमिकी।

आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं होता : भागवत

अहमदाबाद, एजेंसी

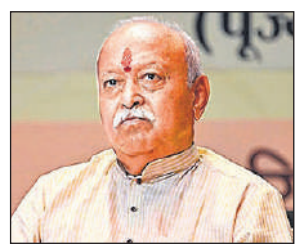

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं होता है और अगर लोग यह मंत्र अपनाएं कि मैं सब में हूं और सब मुझमें हैं तो समाज में हिंसा रुक जाएगी। गुजरात दौरे के दूसरे दिन, भागवत गांधीनगर शहर के पास कोबा स्थित प्रेक्षा विश्व भारती ध्यान केंद्र गए और आध्यात्मिक गुरु आचार्य महाश्रमणजी से मुलाकात की।

भागवत ने कहा कि मैं हर साल इस जगह आता हूं ताकि अपनी ऊर्जा को पुनः संचारित कर सकूं। संघ की विज्ञप्ति में भागवत के हवाले से कहा गया कि व्यक्तिगत चरित्र और राष्ट्रीय चरित्र का आधार नैतिकता है और नैतिकता की नींव आध्यात्मिकता है, क्योंकि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं होता है। इसलिए मैं उन स्थानों पर जाता हूं जहां मुझे अपने द्वारा किए जाने वाले कार्यों के लिए आवश्यक ऊर्जा प्राप्त होती है। आचार्य महाश्रमणजी की अहिंसा की शिक्षाओं का उल्लेख किया। भागवत ने कहा कि आरएसएस के चल रहे शताब्दी वर्ष में बड़ा आयोजन नहीं होगा क्योंकि हम देश के लिए काम करते हुए 100 साल पूरे करते हैं, तो यह हमारा कर्तव्य था, इसका जश्न मनाने की कोई जरूरत नहीं है।

स्वर्णिम नंदा

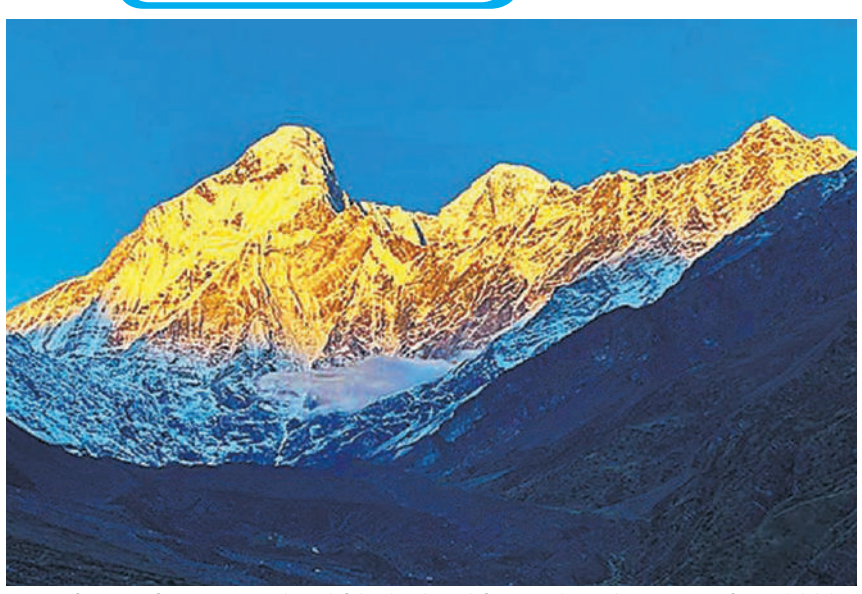

उत्तर भारतीय हिमालयी राज्य उत्तराखंड में नंदा देवी बेस कैंप से नंदा देवी शिखर को सुबह के समय सूरज की किरणों ने ऐसे प्रकाशित किया कि मानो जैसे पूरा पर्वत ही सोने का हो। एजेंसी

इंस्टाग्राम पर पीजी-13 सामग्री तक सीमित रहेंगे बच्चे

- माता-पिता की अनुमति के बिना सेटिंग भी नहीं बदल सकेंगे
- किशोरों का अकाउंट का पता लगाने के लिए एआई का उपयोग कर रहा मेटा

वाशिंगटन, एजेंसी

इंस्टाग्राम पर किशोरों की पहुंच अब केवल 'पीजी -13' सामग्री तक ही सीमित होगी और माता-पिता की अनुमति के बिना वे अपनी सेटिंग नहीं बदल पाएंगे। मेटा ने मंगलवार को यह घोषणा की।

मेटा ने मंगलवार को एक 'ब्लॉग पोस्ट' में कहा कि कठोर भाषा वाली, कुछ जोखिम भरे करतब दिखाने वाली और हानिकारक व्यवहार को संभावित रूप से प्रोत्साहित करने वाली सामग्री को छिपाया जाएगा या

अनुशंसित नहीं किया जाएगा। इंस्टाग्राम पर 18 वर्ष से कम आयु के हर व्यक्ति के 'अकाउंट' की 'सेटिंग' स्वतः ही प्रतिबंधित किशोर 'अकाउंट' के रूप में तब तक रहेगी जब तक कि उसके माता-पिता या अभिभावक उसे इसे हटाने की अनुमति न दे दें। किशोरों के अकाउंट' स्वतः ही निजी होते हैं और उनके उपयोग पर कुछ प्रतिबंध होते हैं तथा उन पर अधिक संवेदनशील सामग्री नजर नहीं आती। बच्चे सोशल मीडिया पर 'साइन अप' करते समय अपनी उम्र के बारे में अक्सर झूठ बोलते हैं। मेटा ने इस तरह के अकाउंट' का पता लगाने के लिए एआई का उपयोग करना शुरू कर दिया है। कंपनी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि इस साल की शुरुआत में यह सुविधा शुरू करने के बाद से उसने कितने ऐसे 'अकाउंट' का पता लगाया है कि जिसमें नाबालिगों ने अपनी आयु गलत बताई थी।

क्या है पीजी 13

पीजी ('पेरेंटल गाइडेंस' यानी अभिभावकीय मार्गदर्शन) -13 तक पहुंच सीमित होने का तात्पर्य है कि किशोर इंस्टाग्राम पर केवल ऐसी तस्वीरें एवं वीडियो देख सकेंगे जो 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए उपयुक्त होते हैं और जिनमें अश्लील सामग्री, नशीले पदार्थों का सेवन एवं खतरनाक करतब आदि दिखाने वाली सामग्री नहीं होती।

मेटा ने पहले ही वादा किया है कि वह किशोरों को आत्म-क्षति, खान-पान संबंधी विकार या आत्महत्या से संबंधित पोस्ट समेत अनुचित सामग्री नहीं दिखाएगा। गैर-लाभकारी संस्था 'फेयरप्ले' के कार्यकारी निदेशक जोश गोलिन ने कहा कि उन्हें इस बात पर बहुत संदेह है कि इसे कैसे लागू किया जाएगा। 'पेरेंट्सटुगेदर' की कार्यकारी निदेशक एलेन अर्रेजा ने भी संशय जताते हुए कहा, ''मेटा ने पहले भी कई वादे किए हैं और हमने हर बार देखा है कि पीआर अभियानों में लाखों रुपये बहा दिए जाते हैं जबकि वास्तव में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए।

ब्रीफ न्यूज

चार्ली किर्क अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके करीबी सहयोगी रहे और रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क को मरणोपरांत अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। अमेरिका के उटाह प्रांत में एक कॉलेज में 10 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम के दौरान किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। किर्क को मंगलवार को उनके जन्मदिन पर आयोजित समारोह में मरणोपरांत पुरस्कार दिया गया। यदि वह जीवित होते, तो यह उनका 32वां जन्मदिन होता। किर्क के अमेरिका के प्रशासन के साथ घनिष्ठ संबंध थे।

कैलिफ़ोर्निया में भयंकर तूफ़ान की चेतावनी

लॉस एंजिल्स। दक्षिण-पश्चिम कैलिफोर्निया के बड़े हिस्से में मंगलवार को भयंकर तूफान के कारण भारी बारिश, अचानक बाढ़ और मलबा बहने का खतरा उत्पन्न हो गया। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने लॉस एंजिल्स काउंटी और आसपास के इलाकों में तेज़ तूफ़ान आने की चेतावनी जारी की है।

ऑस्ट्रेलिया में प्रजनन दर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में महिला प्रजनन दर लगातार दूसरे साल गिरावट के साथ 2024 में रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गयी। ऑस्ट्रेलियाई सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में ऑस्ट्रेलिया में कुल प्रजनन दर रिकॉर्ड निचले स्तर 1.481 जन्म प्रति महिला रही। इससे पहले 2023 में यह आंकड़ा प्रति महिला 1.499 जन्म था। एबीएस ने बताया कि 1976 से कुल प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर से नीचे ही रही है। प्रति महिला लगभग 2.1 बच्चों की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) को प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन क्षमता कहा जाता है।

इंडोनेशियाई शिपयार्ड में विस्फोट, 10 की मौत

बाटम (इंडोनेशिया)। बाटम द्वीप पर एक शिपयार्ड में कच्चे पाम तेल के टैंकर में बुधवार को आग लगने के बाद हुए तेज विस्फोट से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। रियाउ द्वीप प्रांतीय पुलिस प्रमुख असप सफरूद्दीन ने बताया कि जहाज के गैस टैंक में आग उस समय लगी जब मरम्मत कर्मी टैंकर पर मौजूद थे। टैंकर की मरम्मत तंजुंगुनकांग बंदरगाह स्थित शिपयार्ड में चल रही थी। इसमें आग लगने के बाद एक शक्तिशाली विस्फोट हुआ, जिससे अन्य श्रमिक घबराकर भाग गए।

हमास ने बंधकों को नहीं छोड़ा तो की जाएगी जवाबी कार्रवाई : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दी चेतावनी देते हुए हथियार डालने के लिए कहा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को चेतावनी दी है कि अगर उसने हथियार नहीं हटाए और गाजा पट्टी में रखे सभी 24 बंधकों के अवशेषों को नहीं सौंपा तो उसके खिलाफ जवाबी कार्रवाई की जाएगी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि मैंने हमास संगठन से बातचीत की और यह पूछा था कि क्या वह हथियार सौंपेगा तो उनकी तरफ से जवाब आया था कि संगठन हथियार डाल देगा। उन्होंने मुझसे यही कहा था और अब या तो वे हथियार डालेंगे या हम उनके खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई करेंगे। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि यह संदेश उनके 'लोगों' के माध्यम से हमास तक पहुंचाया गया था।

इजरायली रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने स्पष्ट रूप से अपने दो शीर्ष सहयोगियों-अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर का हवाला दिया था। ट्रंप की स्वीकृति से विटकॉफ और कुशनर ने पिछले सप्ताह शर्म अल-शेख में हमास के शीर्ष वार्ताकार खलील अल-हय्या से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि हमास गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते का पालन करे। अगर ऐसा नहीं होता है तो उसे (हमास) को ही जवाबदेह ठहराया जाएगा। अमेरिकी मध्यस्थता वाला युद्धविराम समझौता शुक्रवार को लागू हुआ और हमास ने समझौते की शर्तों के अनुसार सोमवार को सभी 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया। यह समझौता तब गतिरोध में आ गया जब आतंकवादी समूह ने 28 मृत बंधकों के अवशेषों को वापस नहीं भेजा, बल्कि सोमवार को चार बंधकों के अवशेषों को सौंपा। संगठन ने बताया कि गाजा में मलबे से उसे उनके स्थान का पता नहीं है।

फाइल फोटो

इजराइल ने चिकित्सा कर्मियों को रिहा किया

काहिरा। इजराइल ने अस्पतालों पर किए हमलों के दौरान गिरफ्तार दर्जनों डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स और अन्य मेडिकल कर्मियों को 'गाजा युद्धविराम संधि' के तहत रिहा कर दिया है। हालांकि, 100 से अधिक चिकित्सा कर्मी अभी भी इजराइली जेलों में बंद हैं, जिनमें कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक डॉ. हुसाम अबू सफिया भी शामिल हैं, जो इजराइली घेराबंदी और बमबारी के बीच मरीजों का इलाज जारी रखने के लिए सुर्खियों में रहे थे। व्यापक स्तर पर उनकी रिहाई की मांगों के बावजूद, अबू सफिया उन सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों में नहीं थे जिन्हें हमास द्वारा पकड़े गए 20 बंधकों के बदले सोमवार को रिहा किया गया। गाजा के उत्तरी भाग में कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक अबू सफिया को लगभग 10 महीने से बिना किसी आरोप के इजराइल ने हिरासत में रखा है। स्वास्थ्य कर्मियों की गतिविधियों पर नजर रखने वाले संगठन 'हेल्थ वर्कर्स वॉच' ने बताया कि 31 डॉक्टर और नर्स सहित 55 चिकित्सा कर्मी सोमवार को रिहा किए जाने वाले कैदियों की सूची में थे।

चार में एक शव बंधक का नहीं : इजराइल

तेल अवीव। इजराइली सेना ने बुधवार को कहा कि संघर्ष विराम समझौते के तहत हमास द्वारा एक दिन पहले सौंपे गए शवों में से एक शव गाजा में बंधक बनाकर रखे गए व्यक्ति का नहीं है। नाजुक युद्ध विराम समझौते पर दबाव कम करने के लिए हमास ने मंगलवार को चार शव सौंपे। इससे पहले सोमवार को चार शव सौंपे गए थे जब शेष 20 जीवित बंधकों को रिहा किया गया था। कुल मिलाकर, इजराइल 28 मृत बंधकों के शवों की वापसी का इंतजार कर रहा है। इसी बीच इजराइलियों ने सोमवार को इजराइल-हमास संघर्ष विराम के पहले चरण के तहत गाजा में रखे गए अंतिम 20 जीवित बंधकों की वापसी का जश्न मनाया। सेना ने कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन में जांच पूरी होने के बाद, हमास द्वारा इजराइल को सौंपा गया चौथा शव किसी भी बंधक से मेल नहीं खाता है।

अमेरिका में 15 अरब डॉलर की धोखाधड़ी का पर्दाफाश

न्यूयॉर्क। अमेरिका की फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) एजेंसी ने अब तक के सबसे बड़े वित्तीय धोखाधड़ी मामले का पर्दाफाश किया है। अमेरिकी विधि मंत्रालय के अनुसार, यह वित्तीय धोखाधड़ी 15 अरब डॉलर की है, जो ऑनलाइन धोखाधड़ी, धन शोधन और लोगों को बंधक बनाकर हुई थी। विधि मंत्रालय के अनुसार संघीय अदालत में बुधवार को प्रिंस होल्डिंग ग्रुप के मालिक ब्रिटिश और कंबोडियाई नागरिक चेन झी उर्फ विंसेंट के खिलाफ धन शोधन षड्यंत्र, धोखाधड़ी और लोगों को अपनी कंपनी में जबरदस्ती बंधक बनाने के मामले में आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

मेडागास्कर में सैन्य अधिकारी का राष्ट्रपति बनने का दावा

एंटानानारिवो, एजेंसी

- रैंड्रियनिरीना बोले- हमें जिम्मेदारी लेनी पड़ी, देश में सरकार नहीं है

मेडागास्कर में तख्तापलट करने वाले सैन्य अधिकारी ने बुधवार को दावा किया कि वह जल्द ही राष्ट्रपति का पद भार संभाल लेंगे। सैन्य तख्तापलट की अगुवाई करने वाले कर्नल माइकल रैंड्रियनिरिना ने एक साक्षात्कार में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में वह मेडागास्कर के नए नेता के रूप में शपथ ले लेंगे।

सैनिकों के विद्रोह के कारण राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना देश छोड़कर चले गए हैं। रैंड्रियनिरिना ने घोषणा की थी कि सशस्त्र बल मेडागास्कर में सत्ता अपने हाथ में ले रहे हैं, जिससे राजोएलिना और उनकी सरकार के खिलाफ मुख्य रूप से युवा समूहों द्वारा कई सप्ताह से जारी विरोध प्रदर्शन का अंत हो गया। रैंड्रियनिरिना ने कहा कि देश के उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें राजोएलिना की अनुपस्थिति में राष्ट्राध्यक्ष के रूप में यह पदभार ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद वह शपथ ग्रहण के लिए तैयार हैं। रैंड्रियनिरीना ने कहा कि हमें कल जिम्मेदारी लेनी पड़ी क्योंकि देश में न राष्ट्रपति हैं, न सीनेट के अध्यक्ष और न ही सरकार। नया सैन्य नेतृत्व शीघ्र प्रधानमंत्री की नियुक्ति करेगा।

पाकिस्तान ने की अफगानिस्तान से 48 घंटे संघर्ष विराम की घोषणा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि अफगानिस्तान के साथ 48 घंटे के संघर्ष विराम पर सहमति बन गई है। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब दोनों देशों के बीच सीमा पर संघर्ष में दोनों ओर से कई लोग मारे गए हैं।

'डॉन' अखबार ने विदेश कार्यालय के हवाले से कहा है कि तालिबान के अनुरोध पर दोनों पक्षों की आपसी सहमति से बुधवार शाम छह बजे से अगले 48 घंटों के लिए पाकिस्तान सरकार और अफगान तालिबान शासन के बीच एक अस्थायी संघर्ष विराम का फैसला किया गया है। विदेश कार्यालय के अनुसार इस अवधि के दौरान, दोनों पक्ष रचनात्मक बातचीत के माध्यम से इस मुद्दे का सकारात्मक समाधान खोजने के लिए गंभीर प्रयास करेंगे। अफगानिस्तान सरकार की ओर से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं आई है।

पाकिस्तान को पुनर्विचार की जरूरत: अफरीदी

पेशावर। खैबर पख्तूनख्वा के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुहैल अफरीदी ने पाकिस्तान सरकार से अफगानिस्तान के प्रति अपनी नीति की समीक्षा करने का आग्रह किया है। अफरीदी ने प्रांतीय विधानसभा सत्र में अपने संबोधन में अफ़ग़ानिस्तान के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि मैं अपनी सरकार और सेना से अफगानिस्तान के प्रति अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने का आग्रह करता हूं।

ट्रंप-जेलेंस्की वार्ता से पहले हथियार निर्माताओं से मिले यूक्रेनी अधिकारी

कीव, यूक्रेन, एजेंसी

- अमेरिका से क्रूज मिसाइलें, वायु रक्षा प्रणालियां और संयुक्त ड्रोन उत्पादन समझौतों की मांग कर रहा यूक्रेन

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की इस सप्ताह के अंत में व्हाइट हाउस में अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के साथ होने वाली मुलाकात से पहले यूक्रेनी सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के प्रमुख हथियार निर्माताओं से मुलाकात की है। यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के कार्यालय के प्रमुख आंद्री येरमक और प्रधानमंत्री यूलिया स्विडेंको के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। येरमक ने यह जानकारी टेलीग्राम पोस्ट में दी। येरमक ने यह खुलासा नहीं किया कि वार्ता के दौरान क्या चर्चा हुई, लेकिन कहा कि दोनों कंपनियों के साथ उनके देश का सहयोग बढ़ता जा रहा है क्योंकि यूक्रेन रूस के पूर्ण युद्ध का प्रतिरोध करने के लिए और मदद की उम्मीद कर रहा है। यह युद्ध 24 फरवरी, 2022 को शुरू हुआ था। येरमक के एक वरिष्ठ सलाहकार मायखाइलो पोडोल्याक ने एक्स पर पोस्ट किया कि यूक्रेन अमेरिका से क्रूज मिसाइलें, वायु रक्षा प्रणालियां और संयुक्त ड्रोन उत्पादन समझौतों की मांग कर रहा है। रेथियॉन कंपनी पैट्रियट वायु रक्षा प्रणालियां रूसी लंबी दूरी के हमलों का मुकाबला करने के यूक्रेनी प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण रही हैं और टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें बनाती है। कीव के अधिकारी टॉमहॉक्स प्राप्त करने के इच्छुक हैं, जिससे यूक्रेन को रूस पर हमला करने में सहायता मिलेगी।

आईपीएस का 8 दिन बाद अंतिम संस्कार

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा में आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार द्वारा आत्महत्या किए जाने के आठ दिन बाद बुधवार को उनका अंतिम संस्कार हुआ। इससे पहले कुमार के शव का पीजीआईएमईआर में पोस्टमार्टम कराया गया। उनकी पत्नी ने मामले की निष्पक्ष जांच की उम्मीद जताई है ताकि मामले में न्याय हो सके।

सेक्टर 25 स्थित श्मशान घाट पर कुमार की वर्दी और टोपी को कुछ समय के लिए उनके पार्थिव शरीर पर रखा गया, उसके बाद उनकी चिता को मुखाग्नि दी गई। अंतिम संस्कार से पहले कुमार की पत्नी और आईएएस अमनीत पी. कुमार और उनकी दो बेटियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पुलिस की टुकड़ी ने दिवंगत आईपीएस अधिकारी को बंदूकों की सलामी दी। अंतिम संस्कार में नेता, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओपी सिंह और हरियाणा की अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) सुमिता मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। वहीं, मांगें को लेकर पोस्टमार्टम और दाह संस्कार पर कई दिनों तक विरोध दर्ज कराने के बाद मृतक अधिकारी के परिवार ने अंततः पोस्टमार्टम के लिए सहमति दे दी। दिवंगत अधिकारी की पत्नी ने कहा कि पुलिस से निष्पक्ष जांच का आश्वासन मिलने तथा सरकार द्वारा दोषी अधिकारी पर कार्रवाई की प्रतिबद्धता जताए जाने के मद्देनजर उन्होंने दिवंगत आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार के पोस्टमार्टम के लिए सहमति दे दी।

एएसआई संदीप के परिजनों से मिले मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आत्महत्या करने वाले सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) संदीप कुमार के परिवार से बुधवार को मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की। सैनी ने परिवार को आश्वासन दिया कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। एएसआई कुमार ने मंगलवार को रोहतक जिले में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। एएसआई ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के दिवंगत अधिकारी वाई पूरण कुमार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए छह मिनट का कथित वीडियो और एक सुसाइड नोट छोड़ा था। रोहतक में साइबर प्रकोष्ठ में तैनात एएसआई कुमार का शव लाढौत-धामर रोड स्थित उनके रिश्तेदार के खेत में बने कमरे की ऊपरी मंजिल से बरामद किया गया था।

दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी को कानून लाएगी केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार चिकित्सा उत्पादों के लिए सुरक्षा व गुणवत्ता नियंत्रण मानदंडों के सख्त अनुपालन की बढ़ती मांग के बीच एक कानून तैयार कर रही है। इसका मकसद चिकित्सा उपकरणों और सौंदर्य प्रसाधनों का नियमन और औषधि गुणवत्ता परीक्षण व बाजार निगरानी को मजबूत बनाना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) समेत दुनिया भर के स्वास्थ्य नियामकों ने भारतीय दवा की गुणवत्ता में गंभीर खामियों को लेकर बार-बार शिकायतें की हैं और चिंताएं जताई हैं, जो इस कानून का मसौदा तैयार करने के पीछे एक प्रमुख कारण है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) डॉ. राजीव रघुवंशी ने मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एक उच्च-स्तरीय बैठक में औषधि, चिकित्सा उपकरण एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 2025 का मसौदा प्रस्तुत किया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने की।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 10.35 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

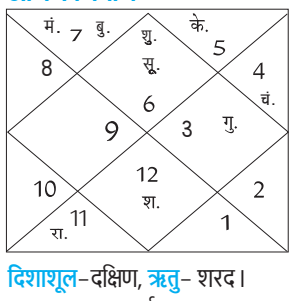

दिशाशूल-दक्षिण, ऋतु- शरद। चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ। ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र- अश्लेशा 12.42 तक तत्पश्चात मघा।

मेष आज अपने काम की गुणवत्ता पर ध्यान दें। आपकी प्रतिष्ठा पर आंच आ सकती है। बच्चों पर अपनी मर्जी और इच्छाओं को न थोपें। विरोधियों के निशाने में आ सकते हैं। प्रेमीजन के साथ समय बिताना पसंद करेंगे।

वृष आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। सहकर्मी आपकी सफलता से ईर्ष्या कर सकते हैं। अधिकारी वर्ग का विश्वास आपके ऊपर बढ़ेगा। परिवार में सुख और शान्ति का वातावरण रहेगा।

मिथुन आज दांपत्य जीवन में सामंजस्य बेहतरीन रहेगा। मीडिया से जुड़े लोगों को बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी। माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार में आय बढ़ने से उत्साहित होंगे।

कर्क आज पैतृक संपत्ति के मामले सुलझने की संभावना हैं। आपके काम की गति कुछ धीमी रहेगी। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी आपका सहयोग कर सकते हैं। किन्तु आप वर्तमान स्थिति को लेकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। प्रेम संबंधों में कुछ परेशानी हो सकती है।

सिंह आज आपको कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं तो आज आपको अच्छे मौके मिल सकते हैं। जीवनसाथी से आपको कुछ उपहार मिल सकता है। युवा प्रेमी जोड़े आज एकांत में समय बिताना चाहेंगे। ससुराल पक्ष में कोई आयोजन हो सकता है।

कन्या आज स्वजन ही आपका विरोध कर सकते हैं। दांपत्य संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। पुरानी नकारात्मक बातें आपके वर्तमान पर हावी हो सकती हैं। आज अच्छे लोगों के साथ समय बितायें। कार्यक्षेत्र में आपका किसी के साथ झगड़ा हो सकता है।

तुला आज आपकी मानसिक मजबूत रहेगी। सभी काम आराम से समय पर हो जायेंगे। अधिक सोच-विचार में अपना समय बर्बाद न करें। कारोबार में वृद्धि हो सकती है। आपका स्वास्थ्य भी काफी अच्छा रहेगा। शुभ कार्यों पर आप अत्यधिक धन खर्च करेंगे।

वृश्चिक आज कार्यक्षेत्र में मनोनुकूल स्थानान्तरण हो सकता है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहने वाला है। आज आप कुछ नया आरम्भ करने का प्रयास करेंगे। उलझे हुए मामलों को अपने पक्ष में कर लेंगे। महत्वपूर्ण लोगों के साथ गंभीर मुद्दों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं।

धनु आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। छात्रों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। धैर्यपूर्वक लिए गए निर्णयों से लाभ मिलेगा। अधूरे कार्यों को पूरा करने का दबाव रहेगा। घर के बुजुर्गों के साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखें।

मकर आज जीवनसाथी आपसे नाराज हो सकते हैं। इसीलिए आपको अपना व्यवहार नम्र रखना चाहिए। बजट की कमी के कारण आपके काम तय समय पर पूरे नहीं होंगे। किसी सहयोगी व्यक्ति से विश्वासघात हो सकता है। स्वार्थी प्रवृत्ति के लोगों से दूर रहें।

कुंभ आज परिवार में कुछ मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन सुखद है। घर में साज-सजावट शुरू करेंगे। आय के नए स्रोत विकसित होंगे। परिजनों के साथ घूमने के लिये जा सकते हैं। प्रेमीजन को प्रपोज करने के लिए बहुत अच्छा दिन है।

मीन आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। व्यापार में आपको काफी अच्छा लाभ मिलेगा। मित्रों की सलाह आज आपके काम आयेगी। शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंता होगी।

सुडोकू-131

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	6							2
9		1				8		
		2			1			
		5			6		3	
	7				8		2	
	1					6		
1			6			9		
8						2		6
4					2		7	

सुडोकू - 130 का हल

1	9	3	8	5	6	7	4	2
6	5	8	4	7	2	9	1	3
2	4	7	9	1	3	5	6	8
9	1	4	3	8	5	2	7	6
8	2	6	7	4	1	3	9	5
7	3	5	2	6	9	1	8	4
5	6	9	1	3	8	4	2	7
3	7	1	6	2	4	8	5	9
4	8	2	5	9	7	6	3	1

वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट मैच में उन्होंने जो भी विकेट लिया वह उन्हें पांच विकेट जैसा लगा क्योंकि पिच गेंदबाजों के लिए अनुकूल नहीं थी। मैं इस तरह का प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करूंगा, क्योंकि टेस्ट क्रिकेट मेरा पसंदीदा प्रारूप है।
-मोहम्मद सिराज

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार 16 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

कुलदीप यादव करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रैंकिंग पर

दुबई : भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ नई दिल्ली में दूसरे मैच में आठ विकेट हासिल करने के शानदार प्रदर्शन के दम पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 14वीं रैंकिंग हासिल की। कुलदीप ने बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई जबकि वेस्टइंडीज के जोमेल वारिकन और कप्तान रोस्टन चेज क्रमश: दो और चार स्थान आगे 30वें और 57वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहली पारी में 175 रन बनाने के बाद दो स्थान ऊपर पांचवें, जबकि केएल राहुल 38 और नाबाद 58 रन की पारियों से दो स्थान ऊपर 33वें स्थान पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों में शाई होप (34 स्थान ऊपर 66वें स्थान पर) और जॉन कैम्पबेल (छह स्थान ऊपर 68वें स्थान पर) को फायदा हुआ है।

गुवाहाटी का मुकाबला होगा रोमांचक : अश्विन

चेन्नई : रविचंद्रन अश्विन ने देश में अच्छी पिचों वाले स्थायी टेस्ट केंद्र बनाने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में होने वाला टेस्ट मैच परिस्थितियों से अनभिज्ञ होने के कारण दोनों टीमों के लिए विदेश में होने वाला मैच जैसा हो सकता है। गुवाहाटी का बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम भारत का सबसे नया टेस्ट स्थल बन जाएगा, जब यह 22 से 26 नवंबर तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की गत विजेता दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे और अंतिम मैच की मेजबानी करेगा। अश्विन ने कहा कि वह इस मैदान पर खेलने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उन्होंने स्थायी टेस्ट केंद्र बनाने के विचार का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय खिलाड़ियों में से किसी ने भी इस मैदान पर लाल गेंद का मैच नहीं खेला होगा। अश्विन ने अपने हिंदी यूट्यूब चैनल पर कहादक्षिण अफ्रीका चैंपियन के रूप में भारत आ रहा है लेकिन मुझे नहीं लगता कि उसका स्पिन विभाग बहुत मजबूत है।

आंध्र प्रदेश के बल्लेबाज शिकर भरत और शेख रसीद। एजेंसी

रणजी ट्रॉफी: ग्रीनपार्क में आंध्र प्रदेश ने पहले दिन ही कसा शिकंजा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शिकर भरत ने 142 रनों की शतकीय पारी खेली, शेख रसीद नाबाद 94 रन पर खेल रहे
- रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ तीन विकेट खोकर 289 रन बना लिए

अमृत विचार। टेस्ट विकेटकीपर बल्लेबाज शिकर भरत की 142 रनों की शतकीय पारी और शेख रसीद के नाबाद 94 रनों की बदौलत आंध्र प्रदेश ने पहले दिन ही मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। ग्रीनपार्क स्टेडियम में बुधवार से शुरू हुई रणजी ट्रॉफी में मेजबान यूपी के खिलाफ पहले दिन का खेल खत्म होने तक 85.5 ओवर में तीन विकेट पर 289 रन बनाए।

विकेट पर शेख रसीद 197 गेंदों में आठ चौकों की मदद से नाबाद 94 रन बनाकर डटे हैं। यूपी के गेंदबाज अपने कई दिन के अभ्यास का कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। आकिब खान ने अंतिम सत्र में दो व विप्रज निगम ने एक विकेट झटका।

ग्रीनपार्क स्टेडियम में बुधवार सुबह शुरू हुए सत्र के पहले रणजी मुकाबले में आंध्र प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। कप्तान का यह निर्णय कारगर भी साबित हुआ। टीम के ओपनर अभिषेक रेड्डी और शिखर भरत ने रन बटोरते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़कर अच्छी मजबूती दी। वहीं तेज गेंदबाजों के निराश करने पर विप्रज निगम ने टीम को 25.3 ओवर में अभिषेक को विकेटकीपर आर्यन जुयाल के हाथों कैच लपकवाकर पहली सफलता दिलाई। अभिषेक 73 गेंदों में चार चौके लगाकर 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

पहले पायदान पर उतरे शेख रसीद ने शिकर भरत का पूरा साथ देते हुए दूसरे विकेट के लिए 194 रनों की साझेदारी की। इस समय टीम का स्कोर ठीक था। इसी बीच शिखर ने अपना शतक पूरा किया, वहीं रसीद ने भी अर्धशतक जड़ा। मैच के आखिरी सत्र के 85.2 ओवर में आकिब खान ने शिकर को माधव कौशिक के हाथों कैच दिलाकर टीम को सफलता दिलाई। शिकर ने 244 गेंदों में 13 चौकों की मदद से 142 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। इसी दौरान ओवर की पांचवीं गेंद खेलते आकिब खान ने आंध्र प्रदेश के कप्तान रिकी भुई को दो रनों पर क्लीन बोल्ड कर तीसरा झटका दिया। रिकी भुई का विकेट गिरने के बाद दिन का खेल यहीं पर रोक दिया गया। विकेट के दूसरे छोर पर शेख रसीद अपने शतक की ओर से बढ़ रहे हैं। पहले दिन यूपी के गेंदबाज कमाल नहीं दिखा सके। विप्रज निगम ने एक और आकिब खान ने दो विकेट हासिल किए।

पीठ में अकड़न के कारण दुबे मैच से बाहर

श्रीनगर : ऑलराउंडर शिवम दुबे को पीठ में अकड़न के कारण जम्मू और कश्मीर के खिलाफ सीजन के पहले मैच से ठीक पहले मुंबई की रणजी ट्रॉफ़ी 2025-26 टीम से बाहर हो गए हैं। दुबे मंगलवार शाम को श्रीनगर से मुंबई के लिए घर लौट गए हैं। माना जा रहा है कि यह कदम एहतियातन उठाया गया है। वह भारत की उस टी20 टीम का भी हिस्सा हैं जो पांच मैचों की सीरीज के लिए 23 अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने वाली है। दुबे का 2025 एशिया कप शानदार रहा था। उस टूर्नामेंट में कप्तान ने उनका इस्तेमाल किया था।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गिल की होगी असली परीक्षा

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा-कप्तान शुभमन ने अभी कठिन चुनौतियों का सामना नहीं किया

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज पर भारत की टेस्ट सीरीज जीत के बाद, शुभमन गिल अब सबसे कठिन प्रतिद्वंद्विता के लिए तैयार हैं, क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी घरेलू धरती पर अपनी पहली एकदिवसीय सीरीज में भारत की कप्तानी संभालेंगे। यहीं पर कप्तान की असली परीक्षा होगी।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने गिल की कप्तानी यात्रा पर विचार किया और दबाव में उनके धैर्य और नेतृत्व गुणों की प्रशंसा की। विशेष बातचीत में भारतीय कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की कप्तानी पर अपने विचार साझा करते हुए कहा अभी तो शुरुआत है-उन्होंने अभी तक केवल कुछ ही टेस्ट मैचों में कप्तानी की है। मुझे उनका सबसे महत्वपूर्ण गुण दबाव और कठिन परिस्थितियों को संभालने की उनकी क्षमता दिखाई देती है। गिल अभी भी बहुत आगे बढ़ रहे हैं; उन्होंने अभी तक कप्तानी के सबसे बुरे दिनों का सामना नहीं किया है, जो निश्चित रूप से आएंगे। गंभीर ने कहा यह व्यक्तिगत रूप से और एक कप्तान के रूप में उनकी परीक्षा लेगा और मैं देखना चाहता हूँ कि जब चीज़ें उनके अनुकूल नहीं होतीं, तो वह कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। मैंने उनसे कहा है कि मैं हमेशा उनका समर्थन और सुरक्षा करने के लिए मौजूद हूं। एक कोच के रूप में मेरी भूमिका उनके कंधों से दबाव और आलोचना को कम करना है, बशर्ते वह टीम के लिए सही काम करें और ड्रेसिंग रूम के अंदर खिलाड़ियों के साथ पारदर्शी और ईमानदार रहें। यही सम्मान अर्जित करने का आधार है। अब तक, वह बिल्कुल शानदार रहे हैं-पारदर्शी, स्पष्टवादी, मेहनती और सही काम करने पर केंद्रित। एक कोच उस कप्तान से और क्या उम्मीद कर सकता है जो अपना सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार हो? शुभमन गिल के कप्तान के रूप में शुरुआती दिनों और टेस्ट कप्तानी के शुरुआती दौर में उनके सामने आई अपार चुनौतियों के बारे में गंभीर ने कहा मुझे कप्तान के रूप में उनके साथ हुई पहली बातचीत अच्छी तरह याद है। हमने उनसे साफ-साफ कहा था कि हमने उन्हें गहरे समुद्र में फेंक दिया है-या तो वह डूब जाएँगे या विश्वस्तरीय तैराक बन जाएंगे। इंग्लैंड में बनाए गए वो 750 रन? मेरे लिए उनका कोई खास महत्व नहीं था; सबसे ज्यादा मायने यह रखता था कि वह दबाव में खुद को कैसे संभालता है।

कोहली और रोहित सहित भारतीय टीम का पहला बैच ऑस्ट्रेलिया रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी : स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा सहित भारतीय टीम का पहला बैच बुधवार को यहां से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गया जहां उसे 19 अक्टूबर से तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। कोहली और रोहित के साथ टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य भी ऑस्ट्रेलिया रवाना हो गए। यह ग्रुप सुबह इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा, जहां कुछ प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए प्रवेश द्वार के बाहर कतार में खड़े थे। मुख्य कोच गौतम गंभीर और कोचिंग स्टाफ के कुछ अन्य सदस्य शाम को रवाना होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे मैच 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा। इसके बाद अगले दो मैच एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला खेली जाएगी और इस प्रारूप के विशेषज्ञ 22 अक्टूबर को रवाना होंगे। टी20 शृंखला 29 अक्टूबर से शुरू होगी। वनडे शृंखला में सभी की निगाह रोहित और कोहली के प्रदर्शन पर टिकी रहेगी। इन दोनों के भविष्य को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। यह दोनों खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट शृंखला में 2-0 की जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि दोनों आगामी शृंखला में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, हालांकि उन्होंने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में इन दोनों के खेलने की संभावनाओं के बारे में कुछ नहीं कहा। गंभीर ने शृंखला के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, वनडे विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत ज़रूरी है। ज़ाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काफ़ी उपयोगी साबित होगा।

ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के लिए कोहली-रोहित को देखना यादगार होगा

सिडनी : आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि भारत के खिलाफ रविवार से पर्थ में शुरू हो रही एकदिवसीय सीरीज विशेष है क्योंकि यह आस्ट्रेलियाई प्रशंसकों के लिए सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को खेलते हुए देखने का आखिरी मौका हो सकता है। पीठ की चोट से जूझ रहे 32 वर्षीय कमिंस इस सीरीज में नहीं खेल पाएंगे।

कमिंस ने कहा विराट और रोहित पिछले 15 वर्षों से लगभग हर भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रेमियों के लिए उन्हें यहां खेलते हुए देखने का यह आखिरी मौका हो सकता है। उन्होंने कहा वे निश्चित रूप से भारत के लिए खेल के चैंपियन रहे हैं और उन्हें हमेशा अच्छा समर्थन मिलता है। जब भी हम उनके खिलाफ खेलते हैं, दर्शक पूरे जोश में रहते हैं। इस शीर्ष तेज गेंदबाज ने कहा कि वह इस सीरीज में नहीं खेल पाने से वह काफी निराश हैं जिसमें एडिलेड और सिडनी में भी मैच होंगे। इसके बाद 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 अंर्जराष्ट्रीय सीरीज खेली जाएगी।

बारिश के कारण इंग्लैंड और पाकिस्तान का मैच रद्द

बारिश होने पर इंग्लैंड की खिलाड़ी मैदान छोड़कर जाती हुईं। एजेंसी

कोलंबो, एजेंसी

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
इंग्लैंड	4	3	0	1	7	1.864
ऑस्ट्रेलिया	4	3	0	1	7	1.353
द.अफ्रीका	4	3	1	0	6	-0.618
भारत	4	2	2	0	4	0.682
न्यूजीलैंड	4	1	2	1	3	-0.245
बांग्लादेश	4	1	3	0	2	-0.263
श्रीलंका	4	0	2	2	2	-1.526
पाकिस्तान	4	0	3	1	1	-1.887

पाकिस्तान के पास इंग्लैंड पर पहली जीत दर्ज करने का सुनहरा मौका था, लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण उसे आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में बुधवार को चार बार की चैंपियन टीम के साथ अंक बांटने पड़े।

कप्तान फातिमा सना के चार विकेट की मदद से पाकिस्तान ने पिच से मिल रही उछाल और मूवमेंट का फायदा उठाते हुए इंग्लैंड को बारिश के कारण प्रति टीम 31 ओवर के मैच में नौ विकेट पर 133 रन पर रोक दिया था। जवाब में डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर पाकिस्तान को 113 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली (नौ) और ओमाइमा सोहेल (19) ने अच्छी शुरुआत करते हुए 6.4 ओवर में बिना किसी नुकसान के 34 रन बना लिए थे। बारिश रुकती नहीं देखकर मैच आखिर में रद्द कर दिया गया जिससे पाकिस्तान की सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने की उम्मीदों पर भी लगभग पानी फिर गया। पाकिस्तान टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सका है और तीन हार के बाद तालिका में सबसे नीचे है। उसके पास एकमात्र अंक है और अब उसे न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका से खेलना है। दूसरी ओर इंग्लैंड सात अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

भारतीय महिला टीम पर जुर्माना

विशाखापत्तनम : भारतीय महिला टीम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप के मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए बुधवार को मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

रविवार को विशाखापत्तनम में आस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को तीन विकेट से हराया। भारत को अब रविवार को इंदौर में इंग्लैंड के खिलाफ करो या मरो वाले मुकाबले में उतरना है। आईसीसी ने एक बयान में कहा एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की मिशेल पेरेरा ने यह जुर्माना लगाया क्योंकि भारत ने निर्धारित समय में एक ओवर कम किया था। इस कारण जुर्माना लगाया गया है।

बांग्लादेश के खिलाफ बड़ी जीत चाहेगा ऑस्ट्रेलिया

विशाखापत्तनम, एजेंसी

- महिला विश्व कप की तालिका में शीर्ष पर चल रही है ऑस्ट्रेलिया

अब तक प्रत्येक मैच में दबदबा बनाए रखने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके महिला वनडे विश्व कप में अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी।

ऑस्ट्रेलिया चार मैचों में तीन जीत और कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ बारिश के कारण रद्द किए गए मैच में अंक बांटने के बाद सात अंक लेकर विश्व कप तालिका में शीर्ष पर है। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मैच में भारत के खिलाफ पिछले मैच में जीत हासिल करने के बाद उतरेगी। यदि प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया के फॉर्म को लेकर कोई संदेह था तो एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम ने महिला वनडे में विश्व रिकॉर्ड बनाकर इस संदेह को दूर कर दिया तथा इस प्रारूप में संभावित आठवीं खिताबी जीत की अपनी मंशा जाहिर कर दी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 331 रन का लक्ष्य रखा था। हीली ने 102 गेंदों पर 21 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 142 रन की आक्रामक पारी खेली, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने एक ओवर शेष रहते सात विकेट पर 331 रन बना लिए।

इंग्लैंड ने विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाई

लंदन, एजेंसी

- पुर्तगाल को हंगरी के खिलाफ इंजरी टाइम में गोल गंवाने के कारण करना होगा इंतजार

इंग्लैंड अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाने वाला यूरोप का पहला देश बन गया है, लेकिन क्रिस्टियानो रोनाल्डो और पुर्तगाल को हंगरी के खिलाफ इंजरी टाइम में गोल गंवाने के कारण अपना टिकट बुक करने के लिए इंतजार करना होगा।

इंग्लैंड ने लाटविया पर 5-0 से जीत हासिल की, जिसमें कप्तान हैरी केन ने पहले हाफ में दो गोल किए। इससे इंग्लैंड ने दो मैच शेष रहते अपने ग्रुप में पहला स्थान पक्का कर लिया। इंग्लैंड इस तरह से लगातार आठवें विश्व कप में भाग लेगा। इंग्लैंड की टीम ने जर्मन कोच थॉमस ट्यूशेल के मार्गदर्शन में अब तक क्वालीफाइंग के छह मैचों में एक भी गोल नहीं खाया है।

रोनाल्डो के दो गोल से पुर्तगाल ने बनाई बढ़त

लिस्बन में खेले गए मैच में 40 वर्षीय रोनाल्डो के दो गोल की बदौलत पुर्तगाल ने हंगरी पर 2-1 की बढ़त बना ली थी और वह अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच गया था। इस मैच में जीत से पुर्तगाल का अपने ग्रुप में पहला स्थान पक्का हो जाता, लेकिन डोमिनिक सोबोस्ज़लाई ने इंजरी टाइम के पहले मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। इससे रोनाल्डो और पुर्तगाल का विश्व कप में जगह सुरक्षित करने का इंतजार बढ़ गया।

हंगरी के खिलाफ गोल करने के बाद जश्न मनाते क्रिस्टियानो रोनाल्डो। एजेंसी

खुशखबरी कार्यकारी बोर्ड ने की सिफारिश, अंतिम फैसला 26 नवंबर को आम सभा की बैठक में लिया जाएगा

अहमदाबाद को राष्ट्रमंडल खेल का मेजबान बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रमंडल खेल के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के प्रस्तावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद के नाम की सिफारिश की जिससे भारत में दो दशक के बाद इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की वापसी का रास्ता साफ हो रहा है। मेजबानी पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को राष्ट्रमंडल खेल की आम सभा की बैठक में लिया जाएगा। इससे पहले सिफारिश को राष्ट्रमंडल खेल के सभी सदस्यों के पास भेजा जाएगा।

खेलों की मेजबानी का अधिकार प्राप्त करना भारत के लिए 2036 में अहमदाबाद में ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लक्ष्य में भी महत्वपूर्ण होगा। भारत को नाइजीरिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा था लेकिन राष्ट्रमंडल खेल ने भविष्य के खेलों के लिए इस अफ्रीकी देश की मेजबानी की महत्वाकांक्षाओं को 'समर्थन और गति प्रदान करने के लिए एक रणनीति विकसित करने' का निर्णय लिया है जिसमें 2034 खेलों की मेजबानी पर विचार भी शामिल है।

राष्ट्रमंडल खेल ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा राष्ट्रमंडल खेल के कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में भारत के अहमदाबाद की सिफारिश करेगा। अहमदाबाद का नाम अब राष्ट्रमंडल खेलों के सभी सदस्यों के पास भेजा जाएगा जिस पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेल महासभा में लिया जाएगा। यह सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की देखरेख में चली प्रक्रिया के बाद की गई है। इसमें 'तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, संचालन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ संरेखण' के आधार पर उम्मीदवार शहरों का मूल्यांकन किया गया।

विज्ञप्ति में कहा गया भारत के अहमदाबाद और नाइजीरिया के अबुजा दोनों ने आकर्षक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जो राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन की महत्वाकांक्षा और क्षमता को दर्शाते हैं। भारत ने 2010 के सत्र की मेजबानी नयी दिल्ली में की थी। राष्ट्रमंडल खेल के अंतरिम अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने कहा कि कार्यकारी बोर्ड को भारत और नाइजीरिया दोनों के प्रस्ताव 'प्रेरक' लगे लेकिन अंततः 2030 के लिए अहमदाबाद को चुना गया। उन्होंने कहा, ''कार्यकारी बोर्ड ने मूल्यांकन समिति के निष्कर्षों पर ध्यानपूर्वक विचार किया है और हमारे सदस्यों के लिए अहमदाबाद की सिफारिश कर रहा है और अब हम ग्लासगो में होने वाली आम सभा की प्रतीक्षा कर रहे हैं जहां हमारे सदस्य अंतिम निर्णय लेंगे।

रुकारे ने कहा, बोर्ड नाइजीरिया के प्रस्ताव की दूरदर्शिता और महत्वाकांक्षा से प्रभावित है और भविष्य में मेजबानी के अवसरों की तलाश के लिए उनकी टीम के साथ काम करना जारी रखने की हमारी प्रतिबद्धता से सहमत है। यह निर्णय राष्ट्रमंडल खेलों को अफ्रीकी महाद्वीप तक ले जाने के हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

भारत के लिए सम्मान की बात : पीटी उषा

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और राष्ट्रमंडल खेल संघ (भारत) की प्रमुख पीटी उषा ने कहा कि शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करना भारत के लिए असाधारण सम्मान होगा। उन्होंने कहा ये खेल ना केवल भारत की विश्वस्तरीय खेल और आयोजन क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगे बल्कि विकसित भारत 2047 की ओर हमारी राष्ट्रीय यात्रा में भी एक सार्थक भूमिका निभाएंगे। उषा ने कहा हम 2030 के खेलों को अपने युवाओं को प्रेरित करने, अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को मजबूत करने और राष्ट्रमंडल में साझा भविष्य में योगदान देने के एक सशक्त अवसर के रूप में देखते हैं। अहमदाबाद ने हाल ही में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप की मेजबानी की थी।